पत्रिका पंजीयन क्र. / 2001 / 5505 दिनांक 29 / 04 / 2002

पोस्टल पंजीयन क्र. 536

माहेश्वरी महिला

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन का द्विमासिक मुखपत्र

वर्ष : 24 अक्टूबर 2025

अंक : 4 मूल्य : बीस रुपए

।। जय उमा महेश ।।
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन
के तत्वाधान में
।। मानस सिद्धि ।।
श्रीमती मंजु जी बांगड़
राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्रीमती ज्योति जी राठी
राष्ट्रीय महामंत्री
श्रीमती आशा जी माहेश्वरी
निवर्तमान अध्यक्ष
श्रीमती किरण लड्ढा
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
श्रीमती ममता मोदानी
राष्ट्रीय संगठन मंत्री
श्रीमती मंजू मान्धना
उत्तरांचल उपाध्यक्ष एवं स्वागत अध्यक्ष
श्रीमती कमलेश राठी
स्वागत मंत्री
श्रीमती मंजू हरकुट
उत्तरांचल संयुक्त मंत्री
श्रीमती प्रीति तोषनीवाल
राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री
राष्ट्रीय समिति प्रभारी
श्रीमती शर्मिला राठी
राष्ट्रीय समिति प्रभारी
19 | 20 | 21
दिसम्बर
2025
स्वागत करते आपका, करते हैं अभिनंदन,
मानस सिद्धि में आप पधारे, करते हैं वंदन !
श्रद्धा - स्नेह समर्पित करता उत्तरांचल परिवार,
हम पर रहे बरसता हर पल, यूँ ही आपका प्यार !
रॉयल हेरीटेज
होटल
एण्ड रिसोर्ट
अयोध्या
आयोजक मंडल उत्तरांचल
मध्य उत्तर प्रदेश
अध्यक्ष
सचिव
पश्चिमी उत्तर प्रदेश
अध्यक्ष
सचिव
दिल्ली प्रदेश
अध्यक्ष
सचिव
पूर्वी उत्तर प्रदेश
अध्यक्ष
सचिव
पंजाब हरियाणा प्रदेश
अध्यक्ष
सचिव

संपादकीय नवरात्रि व दशहरा की बधाई...दीपावली की शुभकामनाएं

शक्ति, भक्ति और आत्मचेतना की जागृति-
जीवन में सुख, शांति व समृद्धि लाये, हम स्वदेशी अपनायें

स्नेही बहनों,

हमारे समस्त त्यौहार व हमारी संस्कृति हमें जीवन जीने की कला सिखाती है। हमारी सनातन संस्कृति पूर्णरूपेण विज्ञान पर आधारित है एवं ऋषि-मुनियों के अनुभवों के आधार पर लिखी गई है। ऋतुओं के अनुसार खान-पान, रहन-सहन, पूजा-हवन, आराधना, भगवान की सेवा, श्रृंगार, भोग सभी कुछ प्रकृति के अनुकूल भी होता है और हमारे जीवन में भी आत्मसात करने लायक होता है। नवरात्रि में दैवीय शक्ति की उपासना सबके मन को आनंदित करती है एवं ऋतुओं के संधिकाल में उपवास सबके तन को स्वस्थ रखते हैं। नौ देवियाँ अपने नौ गुणों से सबमें सौम्यता, शौर्य, साहस, सौंदर्य, धैर्य, एकाग्रता, शांति, अनुशासन, पवित्रता की अधिष्ठात्री, ज्ञान की चेतना व सिद्धियो की ऊर्जा का प्रवाह जाग्रत कर देती हैं व हमें शिक्षा देती है- ''सर्व जन हिताय'' परिस्थिति अनुसार व्यवहार करना चाहिये।

दशहरा पर्व अहंकार पर, विनम्रता की जीत दर्शाता है। जीवन में बड़ों का आदर, मान-सम्मान बनाये रखें। उनके अनुभवों से सीख लेकर नई ऊर्जा से आगे बढ़ें।

पंच दिवसीय दीपावली पर्व माँ लक्ष्मी की पूजा आराधना के साथ धन, रूप, स्वास्थ्य, सौंदर्य व पारिवारिक रिश्तों में घनिष्ठता सभी को लेकर मनाया जाता है। इस पर्व का सबके मन में एक अलग ही उत्साह रहता है, परन्तु वर्तमान समय में हमारा देश, विदेशों के साथ विकट परिस्थितियों में गुजर रहा है। अतः हम सबको एकजुट होकर देश को मजबूत बनाना है। उसके लिये स्वदेशी अपनाना है। इस दीपावली पर्व पर हम सब स्वदेशी अर्थात् भारत में निर्मित सामान ही अपनायें, उसी से घर सजायें, उसी से घर जगमगायें, स्वदेशी सामान को अपनाना ही सच्चा देशप्रेम है। इसी से भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और भारत भी आत्मनिर्भर बनेगा, जिससे देश का अर्थ देश में बचेगा तथा भारतीय उच्च शिक्षित लोगों को भी यहीं उद्योग लगाने व रोजगार प्राप्त करने के अवसर मिलेंगे। सभी को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण भी लेना चाहिये, ताकि विषम परिस्थितियों का भी हम सामना कर सकें। भावी पीढ़ी-बालक व बालिका दोनों के मन में राष्ट्र प्रेम, परोपकार, ईमानदारी, विनम्रता, सेवा व सहयोग के संस्कार के बीज हमें ही बीजारोपित करना होगा। तभी हमारा देश विश्व में तीसरे स्थान से और आगे बढ़ेगा।

सभी को समस्त त्यौहारों की बहुत-बहुत बधाई। जय महेश, जय भारत।

सुशीला काबरा, संपादक महिला पत्रिका

माहेश्वरी महिला
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी
महिला संगठन का द्विमासिक मुखपत्र

* प्रकाशक *
माहेश्वरी महिला समिति
22/15, यशवंत निवास रोड, इन्दौर
मो.: 9329211011
kabrasushila@gmail.com

अध्यक्ष
श्रीमती लता लाहोटी, पुणे

उपाध्यक्ष
श्रीमती विमलादेवी साबू, सूरत

सचिव
श्रीमती सुशीला काबरा, इंदौर

कोषाध्यक्ष
श्रीमती अनिता माहेश्वरी, ग्वालियर

संयुक्त सचिव
श्रीमती शोभा सादानी, कोलकाता

सदस्य
श्रीमती गीतादेवी मूंदड़ा
इंदौर
श्रीमती कल्पना गगरानी
मुंबई
श्रीमती आशा माहेश्वरी
कोटा

संपादक मण्डल
संरक्षक-सौ. लता लाहोटी
संपादक-श्रीमती सुशीला काबरा
सह-संपादक-प्रो. कल्पना गगरानी

अध्यक्ष-सौ. शैला कलंत्री, देवला
उपाध्यक्ष-सौ. विनीता लाहोटी, कोटा
सचिव-सौ. उर्मिला झंवर, इन्दौर
सदस्य-सौ. कविता दीवान, मथुरा
सदस्य-सौ. रमा साबू, इन्दौर

अखिल भारतवर्षीय
माहेश्वरी महिला संगठन
(त्रयोदश सत्र 2023-25)
❊ राष्ट्रीय अध्यक्ष ❊
सौ. मंजु बांगड़, कानपुर
❊
❊ राष्ट्रीय महामंत्री ❊
सौ. ज्योति राठी, रायपुर
❊
❊ राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ❊
सौ. किरण लढ़ा, दिल्ली
❊
❊ राष्ट्रीय संगठन मंत्री ❊
सौ. ममता मोदानी, भीलवाड़ा
❊
❊ रा. निवृत्तमान अध्यक्ष ❊
सौ. आशा माहेश्वरी,कोटा
❊
❊ आंचलिक उपाध्यक्ष ❊
सौ. मंजु मानधना, नई दिल्ली
उत्तरांचल
सौ. अनुसूइया मालू,कोल्हापुर
दक्षिणांचल
सौ. उर्मिला कलंत्री, अहमदाबाद
मध्यांचल
सौ. गिरिजा सारड़ा, विराटनगर
पूर्वांचल
सौ. मधु बाहेती, कोटा
पश्चिमांचल
❊
❊ आंचलिक संयुक्त मंत्री ❊
सौ. मंजु हुरकट, मेरठ
उत्तरांचल
श्रीमती रेणु सारडा, हैद्राबाद
दक्षिणांचल
सौ. अनिला जावंधिया, बनखेडी
मध्यांचल
सौ. निशा लढ़ा, कोलकाता
पूर्वांचल
सौ. शिखा भदादा, भीलवाड़ा
पश्चिमांचल
❊
❊ कार्यालय मंत्री ❊
सौ. प्रीति तोषनीवाल (कानपुर)

अध्यक्षीय

आओ सब मिलकर दिवाली मनाएं

प्रिय बहनों

जय उमा महेश

''दीप जले तो रोशन हो जीवन
मिटे अंधेरा जागे नवचेतन
घर आंगन खुशहाली छाए
प्रेम सौहार्द की सुगंध फैलाएं
सत्कर्मों से जग को सजाए
आओ सब मिलकर दिवाली मनाएं''

सुख, शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि की मंजुल कामना के साथ दीपोत्सव की हार्दिक बधाई, स्वीकार करें।

दीपावली का पर्व केवल दीपों का नहीं, यह आत्म प्रकाश का उत्सव है जिस प्रकाश से एक नारी अपने घर, समाज और राष्ट्र को आलोकित करती है। जैसे दीपक स्वयं जलकर अंधकार को मिटाता है, वैसे ही महिला शक्ति अपने त्याग, तप और प्रेम से जीवन में उजाला फैलाती है।

नारी... सृजन की मूर्ति, संस्कारों की आधारशिला और शक्ति की प्रेरणा है।

वह लक्ष्मी है जो समृद्धि लाती है।
सरस्वती है जो ज्ञान देती है,
और दुर्गा है जो संकट से रक्षा करती है।

इस दीपावली पर प्रण करें..

हर नारी के भीतर छिपे तेज को पहचाने, सामाजिक कार्यों से जोड़ने की पहल करें, उज्ज्वल प्रतिभाओं से समाज की गरिमा को और अधिक आलोकित करें, उसे सम्मान अवसर और स्वाभिमान दें।

उदार और व्यापक दृष्टिकोण अपनाकर सुनहरे भविष्य के निर्माण का संकल्प लें।

''नारी का दीप जलता रहे
तो युग युग तक उजाला बना रहे
जग को आलोकित करती,
श्रद्धा की अनुपम भक्ति
उसे नमन, वंदन, प्रणाम
वही है समाज की अद्भुत शक्ति''

इसी प्रेरणा के साथ हम आगामी 25 से 28 अक्टूबर चार दिवसीय कार्यक्रम लेकर आ रहे हैं **''सिद्धि सृजन''** यह नाम ही अपने आप में बहुत प्रेरणादायक है। यह अखिल भारतवर्षीय माहेश्र्वरी महिला संगठन के तत्वाधान में संस्कारसिद्धा समिति द्वारा आयोजित किशोरी संस्कार शिविर है जिसका उद्देश्य है हमारी किशोरियों युवतियों के सर्वांगीण विकास के लिए सशक्त मंच प्रदान करना। यह आवासीय शिविर के रूप में ध्रुव ग्लोबल स्कूल संगमनेर जिला अहमदनगर महाराष्ट्र में आयोजित होने जा रहा है जिसका शुभारंभ परम पूज्य स्वामी गोविंद देव गिरी जी महाराज के आशीर्वचनों से होगा । विभिन्न प्रेरक वक्ताओं का मार्गदर्शन ,एक्टिविटीज मनोरंजक उद्देश्य पूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन है। यह शिविर केवल शिक्षा या प्रशिक्षण का माध्यम नहीं बल्कि यह ज्ञान, संस्कार और सृजनशीलता की एक अद्भुत यात्रा है ताकि सब अपने जीवन में सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास व नैतिक सद्गुणों को विकसित कर सके।

आज रास्ता बना लिया है
तो कल मंजिल भी मिल जाएगी
हौसलों से भरी यह कोशिश
एक दिन जरूर रंग लाएगी

हमारा यह त्रयोदश सत्र श्री राम जी को समर्पित है और इसी सत्र में 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद प्रभु श्री राम लला विराजमान भी हो गए अतः अयोध्या में बैठक लेने का सुविचार मन में आया और संगठित शक्ति, सत्कार्य, निष्ठा व प्रभु श्री राम जी के आशीर्वाद से उक्त भाव फलीभूत हो रहा है। आगामी 19 -20- 21 दिसंबर को अयोध्या में राष्ट्रीय कार्य समिति, कार्यकारिणी बैठक उत्तरांचल अधिवेशन व आध्यात्मिक शिविर मानस सिद्धि 2025 उत्तरांचल के आयोजन में संपन्न हो रहा है जिसमें औद्योगिक मेला, विभिन्न समितियों के माध्यम से ज्ञानवर्धक आध्यात्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम व प्रतियोगिताओं का सुखद आयोजन है। प्रेरक वक्ताओं का प्रबोधन है। प्रतिभाओं का कुशल संयोजन है। कृपया विनम्र आमंत्रण स्वीकार कर रामनगरी की भक्ति धारा में सहभागी बने और इस आयोजन को अपनी उपस्थिति से अलंकृत करे।

दूर करें अंधियारा सबका, जीवन ज्योतिर्मय हो जाए।
प्रज्वलित हो अध्यात्म और संस्कार का मानस दीप
अब मिल हम कदम उठाए।।

।। जय जय सीता राम।।

मंजु बांगड़, राष्ट्रीय अध्यक्ष

मर्यादा के अद्वितीय पर्याय और करुणा के धाम।
अयोध्या के राजा और मेरे रघुनंदन श्री राम।।
हम सभी पर अपनी करुणा और कृपा बरसाएं।
हमें धर्म और सत्यनिष्ठा की नई राह दिखाएं।।

अपनी बात

दुनियादारी पर समझ भारी

शक्ति पर्व-शक्ति साधना, उपासना और साध्य सनातन संस्कृति में चतुर्मास का विशेष महत्व है। शिव, गणपति, कृष्ण, नवदुर्गा, पशु, पक्षी, पेड, पौधे, प्रकृति, समुद्र (नारेली पूर्णिमा) चंद्रमा, रिश्ते-नाते (राखी, तीज) आदि की पूजा, उपासना भिन्न भिन्न प्रकार से की जाती है।

नवदुर्गा के नौ दिनों में शक्ति स्वरूपा देवियों के नवरूपों को समझा जाता है तो दशहरे पर सरस्वती का पूजन होता है, दीपावली सभी जानते हैं कि लक्ष्मी पूजन का दिन है।

देवी की उपासना, पुरुष प्रधान इस समाज में देवी की इतनी लंबी उपासना। उपासना होती है, इस सत्य को झुठलाया नहीं जा सकता और एक प्रदेश में नहीं, पूर्व से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण संपूर्ण हिंदुस्तान में, इन दिनों तो धूमधाम से ये पूजन होता ही है। अलग-अलग प्रदेशों में अलग-अलग देवियों के स्थलों पर ये दर्शन और पूजन होती है।

ध्यान दीजिये देवी का, स्त्री का, ये पूजन-

पूजनीय है शक्ति स्वरूपा : शक्तिशाली महिला का पूजन हुआ। आज भी लक्ष्मीबाई, अहिल्याबाई, जीजा माता, सावित्री बाई, सरोजिनी नायडू, इंदिरा गांधी, कल्पना चावला, अरुंधति राय को मीड़िया भी याद करती है। प्रेरणा प्राप्त करती हैं इनसे।

प्रेरणा की प्रतिध्वनि सुनिये-इन और इन जैसे कितने सारे नामों से आप बचपन से ही प्रेरित होते आये हैं। उस प्रेरणा की प्रतिध्वनि को ध्यान से सुनिये। कुछ कह रही हैं ये चुपके से आपके कान में झकझोर रही हैं। ये आपके दिलो-दिमाग को, जगा रही है आपकी चेतना को...।

पूजा उस महिला की हो रही है जो शक्तिशाली है। वंदनीय वह है जिसने किसी क्षेत्र में कोई विशेष कार्य किया। प्रशंसनीय वह है जिसने नये कीर्तिमान बनाये।

समय का बदलाव-इस शक्ति पूजा की परम्परा के बावजूद समय को बदलने में बहुत समय लगा। राजनैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक ---------------- वह समाज महिला का कार्यक्षेत्र घर की चारदीवारी के बाहर स्वीकार करना तो दूर, मानने को भी तैयार नहीं था। उनके साहसी कदमों और सर्वहित में किये गये कार्यों के कारण महिला समाज में आशा की किरण जगी। उन्होंने एक पगडंडी बनाई जो दशक दर दशक कच्चा-पक्का रास्ता बनते हुए आज एक महामार्ग बन गया है।

शिक्षा और स्वतंत्रता ने इसे बहुत अधिक पुख्ता बना दिया है। हर क्षेत्र में महिलाओं के योगदान का डंका बज रहा है। उनकी कार्यकुशलता, बुद्धि कौशल उन्हें उच्च से उच्च स्थान पर आसीन किया है। वे सब अपने देश, समाज, संस्था और परिवार के लिये पूजनीय हैं, आदरणीय हैं।

प्रेरणा की प्रतिध्वनि कुछ और भी इशारे दे रही हैं

महिला सफलता अब विशेष नहीं, सामान्य बात बन गई है। प्रगति के अवसर अब चहुं और दिखाई दे रहे हैं। आत्मनिर्भरता की डगर पर चलती हुई नारी शक्ति आज पारिवारिक, सामाजिक, नैतिक, आर्थिक रूपों से पूर्णतः स्वतंत्र हो रही हैं। इतिहास गवाह है कि जो स्वतंत्रता और अधिकारिता जो व्यक्ति का जन्म सिद्ध अधिकार है, उसमें यदि निर्बाध स्वच्छंदता का अभिमान भर जाता है, तो प्रतापी से प्रतापी व्यक्ति, सनावनत, प्रजाति, संस्था सब मूल उद्देश्य, मूल कार्य, मूल भावना से भटक जाते हैं।

नवदुर्गा पूजन, शक्ति पूनज को ध्यान से समझें

काली मां के हाथ में खप्पर स्वीकार्य है,

दुर्गाजी द्वारा महिसासुर मर्दन स्वीकार्य है।

कब? तब जब वह जनहित प्रजाहित, समाज हित और व्यक्ति हित हेतु है। अपने कर्त्तव्यों और अधिकारों को सम्मिलित रूप से स्वीकार करने वाली, कर्तव्यनिष्ठ निरअभिमानी शक्ति स्वरूपा की पूजनीयता सर्वग्राह्य है। इनसे भागने वाली अभिमानिनी, आत्ममुग्धता न स्त्री हित में और न ही परिवार, समाज एवं मानवीयता के हितार्थ है।

महिला शक्ति को शक्ति की इस सार्थकता को समझना होगा। कार्य और व्यवहार में लाना होगा। समयानुरूप हर जिम्मेदारी उठाना होगी। तब ही शक्ति स्वरूपा कहलाएंगी।

प्रो. कल्पना गगडानी, सहसंपादक

राष्ट्रीय महिला संगठन की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्य समिति बैठक

मंगल अभिव्यक्ति 2025

वर्चुअल प्रांगण में सफलतापूर्वक संपन्न

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की अष्टम कार्य समिति बैठक 13-14 अगस्त 2025 स्थान -ज़ूम सभागार मे संपन्न हुई। महेश वंदना के साथ राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति राठी द्वारा बैठक का संचालन करते हुए सर्वप्रथम वीर शहीद व दिवंगत स्वजनों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। तत्पश्चात विगत कार्य समिति बैठक ''मंगल मैत्री'' की कार्यवाही की सभागार द्वारा पुष्टि की गई।

त्रयोदश सत्र की अष्टम कार्य समिति बैठक में उपस्थित महासभा के सभापति श्रीमान संदीप जी काबरा राष्ट्रीय नेतृत्वकर्ता आदरणीय मंजू जी बांगड़, निवृत्तमान अध्यक्ष आदरणीय आशा जी माहेश्वरी, सभी अग्रज पूर्व अध्यक्ष, समस्त पदाधिकारी, समिति प्रभारी, व सह प्रभारी, प्रदेश पदाधिकारी कार्य समिति सदस्य एवं सभागार में उपस्थित सभी का अभिवादन करते हुए बैठक प्रारंभ की गई।

हमारे पारंपरिक त्यौहार जो हमारे दिलों में रिश्तों की मिठास और देश प्रेम और देशभक्ति की भावना से उमंग उल्लास भर देते हैं ऐसे सभी पर्व की मंगल बधाई सभी को दी गई।

सर्वप्रथम हमारी राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय मंजु जी बांगड़ ने अपने उद्बोधन में तीज त्योहार और राष्ट्रीय पर्व की बधाई देते हुए कहा ''आनंद एक आभास है, दुःख एक अनुभव है, किंतु विश्वास व आत्मविश्वास से ही हम आगे बढ़ते हैं।'' मीठे शब्द और अच्छे व्यवहार से ही व्यक्ति बादशाह बनता है। राष्ट्र और समाज के प्रति अपनी शाब्दिक अभिव्यक्ति सभागार के समक्ष रखी।

सर्वप्रथम आपने सप्तम कार्य समिति बैठक ''मंगल मैत्री'' जो कि हंपी में सफलता पूर्वक संपन्न हुई थी, अतः दक्षिणांचल के पदाधिकारी व कर्नाटक के पदाधिकारी का अभिनंदन किया।

19-20-21 दिसंबर 2025 को उत्तरांचल अधिवेशन ,राष्ट्रीय कार्यकारिणी व कार्य समिति बैठक आध्यात्मिक शिविर ''मानस-सिद्धि'' अयोध्या में संपन्न होगी, जिसकी स्वागत अध्यक्ष दिल्ली वासी उत्तरांचल उपाध्यक्ष श्रीमती मंजु जी मानधना तथा स्वागत मंत्री

कानपुर वासी श्रीमती कमलेशजी राठी बनी हैं। उक्त कार्यक्रम की संपूर्ण जानकारी सभागार को दी । युगांतर कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र होगा जिसे उत्तरांचल के पांचों प्रदेश प्रस्तुत करेंगे। औद्योगिक मेले का भी आयोजन किया जाएगा। ''खुशियों की बंदनवार'' प्रतियोगिता संपन्न होगी। प्रदेश स्तर पर ''स्वरचित भजन'' प्रतियोगिता तथा आंचलिक स्तर पर ''पांच तत्व ग्राम सत्व'' के आधार पर स्मार्ट गांव का मॉडल बनाने हेतु प्रतियोगिता होगी । रामायण से समस्याओं के निदान हेतु साहित्यिक स्तर पर एक विशेष प्रस्तुति रहेगी। ज्ञानवर्धक उद्‌बोधन तथा ''संतवाणी प्रबोधन'' होगा। इस तरह विभिन्न मनोरंजक ज्ञानवर्धक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम संपन्न होंगे। छत्तीसगढ़ प्रदेश व मध्य उत्तर प्रदेश द्वारा किए गए विशेष कार्यों का भी उल्लेख अपने उद्‌बोधन में किया ।

महामंत्री ज्योति राठी द्वारा मई,जून जुलाई 3 माह का सचिव प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। जिसमें सभी समितियां द्वारा किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी सभागार के समक्ष रखी। विशेष रूप से महेश नवमी के उपलक्ष्य में ''संस्कार सिद्धा'' समिति द्वारा लिया गया। सप्त दिवसीय कार्यक्रम **''जीवन के रंग अभिप्रेरणा के संग''** की विस्तृत जानकारी सभागार को दी। प्रत्येक क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रखर वक्ताओं द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। यह सप्त दिवसीय व्याख्यान माला को सभी ने सराहा। प्रतिदिन 500 से अधिक बहनों के उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया। योग दिवस के उपलक्ष में नेपाल चैप्टर सहित 27 प्रदेशों से 400 से अधिक बहनों ने योग प्रशिक्षण का लाभ उठाया। **''योग संजीवनी''** को दो वर्षों से ऊपर हो गए अतः प्रतिमाह मुंबई के योग गुरु शशि जी सारडा द्वारा स्वास्थ्य के प्रत्येक समस्या को लेकर योग टिप्स दी जा रही है, जो सभी के लिए बहुत फायदेमंद है। आपने बताया सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन का सभी अंचलों में बहुत अच्छा कार्य हो रहा है करीब 11,000 से अधिक वैक्सीनेशन का कार्य हो चुका है।

साहित्य समिति द्वारा लिए जाने वाला ''हर सीट हाट सीट'' प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता जो की प्रति 4 माह में होती है हाल ही में इस प्रतियोगिता में संपूर्ण राष्ट्र से 4800 बहनों की सहभागिता रही यह बहुत ही उल्लेखनीय कार्य हुआ।

''बाल एवं किशोरी विकास समिति'' द्वारा किशोरियों के लिए ''आत्मरक्षा-सुरक्षा'' महा अभियान का कार्य श्रृंखलाबद्ध संगठन के तहत ग्रास रूट तक किया जा रहा है और छोटे-छोटे गांव में 8 से 10 दिन के कैंप लग रहे हैं। इसके भी आंकड़े हजारों में हो गए हैं। आरएसएस, दुर्गा वाहिनी, सेल्फ डिफेंस डिपार्टमेंट आदि से प्रशिक्षण हेतु सहयोग लिया जा रहा है।

संचार सिद्धा समिति द्वारा साइबर क्राइम से कैसे बचे **''सुरक्षा हो, अपने हाथ में..''** साथ ही एआई के बारे में बड़ी सहजता से सभी को संपूर्ण राष्ट्र में जानकारी दी जा रही है। युगल सिद्धा समिति द्वारा तीन माह में 38 संबंध करवाए जा चुके हैं।

महासभा के फ्लैगशिप योजना ''चेतना लहर अभियान'' व विवाह परामर्श समिति के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय स्तर पर रिलेशनशिप सेमिनार और ट्रेनर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का कोटा में 13 जुलाई को भव्य आयोजन हुआ। विवाह योग्य युवक युवतियां एवं 115 दंपतियों ने इस सेमिनार में अपनी सहभागिता दर्शाई। राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजु बांगड एवं महामंत्री ज्योति राठी द्वारा अनेक प्रदेशों में भ्रमण के दौरान बहनों से रूबरू होकर चर्चा सत्र लिया गया।

महासभा के सभापति श्रीमान संदीप जी काबरा ने अपने उद्‌बोधन में कहा-महिला संगठन मल्टी लेवल पर कार्य कर रहा है साथ ही आपने जनवरी माह में जोधपुर में होने वाले महा अधिवेशन बाबत संपूर्ण जानकारी सभागार के समक्ष रखी। महिला संगठन के सामूहिक शक्ति की सराहना करते हुए आपने उनके कार्यों के प्रशंसा की। कोषाध्यक्ष किरण जी लड्डा द्वारा आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। राष्ट्रीय स्थाई प्रकल्प माहेश्वरी महिला पत्रिका, महिला सेवा ट्रस्ट तथा प्रादेशिक विधान व जिला विधान की विशेष जानकारी पदाधिकारी

द्वारा सभागार को दी गई।

अक्टूबर 25 /26 /27/ 28 को संगमनेर महाराष्ट्र में संपन्न होने वाला कार्यक्रम सिद्धि सृजन किशोरी आवासीय शिविर की जानकारी समिति प्रभारी अंजलि जी तपाड़िया व प्रकल्प प्रमुख अनुराधा जी मालपानी द्वारा बहुत सुंदर तरीके से सभागार को दी गई। अयोध्या में संपन्न होने वाले कार्यक्रम बाबत सभी समिति प्रभारी ने अपने-अपने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी।

''संजीवन सिद्धा समिति'' प्रभारी कुंतल जी तोषनीवाल ने बहुत ही सुंदर सेवा योजना माहेश्वरी **'मेडिकल बैंक'** प्रदेश या जिला स्तरीय स्थापित करने हेतु कहा जिसमें मेडिकल इक्विपमेंट वॉकर बेड व्हीलचेयर आदि जो हमारे घर में उपयोगी नहीं है ऐसे उपकरण उस मेडिकल बैंक में जमा करें जिससे जरूरतमंद को वहां से सहायता मिल सके।

''मानस सिद्धि'' अयोध्या बैठक की स्वागतध्यक्ष बनी उत्तरांचल उपाध्यक्ष मंजु जी मानधना ने सभी बहनों को अयोध्या आने हेतु निमंत्रण दिया। विशेष रूप से पूर्व अध्यक्ष लता जी लाहोटी, गीता जी मूंदड़ा, सुशीला जी काबरा द्वारा बैठक की सराहना की गई।

14 अगस्त 2025 को अष्ट सिद्धा व्यक्तित्व विकास एवं नेतृत्व प्रशिक्षण समिति द्वारा प्रेरणास्पद कार्यशाला रखी गई थी सफलता के अमृत कण भाग 4

प्रेरणा शक्ति- ''नेतृत्व से राष्ट्र निर्माण अभिव्यक्ति''

सर्वप्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजु जी बांगड़ द्वारा अपने उद्बोधन में सभी का अभिवादन करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता रोटरी के पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सी.ए. दिनेश चंद्र जी शुक्ला का अभिवादन करते हुए उनके बारे में कुछ विशेष जानकारियां दी।भक्ति में शक्ति और शक्ति में संसार है ।प्रेरणा और व्यक्तित्व से ही नेतृत्व बनता है इसी भावना से अपने विचारों को आपने व्यक्त किया नारी के विभिन्न गुणों पर आपने प्रकाश डाला।

79 वे स्वतंत्रता दिवस की सभी को बधाई देते हुए देश के प्रति राष्ट्रवाद अभिव्यक्ति को प्रस्तुत करने हेतु संचार सिद्धा समिति द्वारा महिला संगठन के नेतृत्व में एक देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया गया जिसको सभी ने सराहा। सर्वप्रथम समिति प्रभारी नम्रता जी बियानी द्वारा अपने शब्दों से सभी का अभिवादन करते हुए राष्ट्र निर्माण में नारी का महत्व पर सुंदर विचार रखें। मुख्य वक्ता का जीवन परिचय उत्तरांचल सह प्रभारी उर्वशी जी साबू ने दिया।

श्रीमान शुक्ला जी ने नारी शक्ति को वंदन व नमन करते हुए राष्ट्र निर्माण में नेतृत्व की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण होती है सुंदर शब्दों में विवेचना सभागार के समक्ष रखी। उपस्थित सभी बहने आपके वक्तव्य से बहुत प्रभावित हुई। कार्यक्रम का संचालन पूर्वांचल सह प्रभारी अनुजा जी काबरा द्वारा किया गया तथा शुभकामनाएं समिति प्रदर्शक मधु जी बाहेती द्वारा दी गई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू जी बांगड़ द्वारा प्रदेश के मूल्यांकन का रिजल्ट घोषित किया गया। राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति राठी द्वारा दो दिवसीय कार्यक्रम में उपस्थित सभी बहनों का पदाधिकारी का समिति प्रभारी सहप्रभारी समस्त प्रदेश पदाधिकारी व कार्य समिति सदस्य को उनकी उपस्थिति हेतु कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु दिल से सुंदर शाब्दिक धन्यवाद दिया गया। अध्यक्ष द्वारा एक विशेष सूचना दी गई अयोध्या के बाद अगली बैठक अप्रैल 2026 में सूरत गुजरात में ली जाएगी। राष्ट्रगान के साथ बैठक समाप्त हुई।

रा.अध्यक्ष-मंजु बांगड़ * रा.महामंत्री-ज्योति राठी

जिंदगी एक साइकिल की तरह है

संतुलन बनाए रखने के लिए हमें लगातार चलते रहना होता है,
ठीक वैसे ही जैसे जीवन में प्रगति करते रहना आवश्यक है।

उत्तरांचल अधिवेशन एवं आध्यात्मिक शिविर ''मानस-सिद्धि'' तथा तृतीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं नवम कार्य समिति बैठक

19-2021 दिसंबर 2025, अयोध्या

हमारी **तृतीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं नवम कार्य समिति बैठक, उत्तरांचल अधिवेशन एवं आध्यात्मिक शिविर दिनांक 19, 20, 21 दिसंबर 2025 को ''रॉयल हेरीटेज रिजॉर्ट अयोध्या''** में संपन्न होगी, जिसमें प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार हैं

19 दिसंबर-आगमन स्वागत अभिनंदन मानस संगम

औद्योगिक मेला- **''मानस हाट''**

बंदनवार प्रतियोगिता **''मानस शिल्पी''**

टैगलाइन-**''पारिवारिक मांगलिक प्रसंगो में खुशियों की बंदनवार बनाये, स्वयं सजाये अपना घर द्वार''**

उद्घाटन समारोह

स्वरचित भजन प्रतियोगिता-**''मानस भक्ति''**

टैगलाइन-**''भक्ति के रंग सुरों के संग''**

उत्तरांचल स्तर पर रामायण के सशक्त महिला पात्रों की एकल अभिनय प्रतियोगिता-**''मानस अभिव्यंजना''**

20 दिसंबर सुबह 7 से 8 बजे योग कार्यक्रम **''मानस कत्थक योग''**

अखिल भारतीय महिला सेवा ट्रस्ट बैठक

विकसित गांव के मॉडल की प्रतियोगिता- **''मानस विकास''**

टैगलाइन-**''पंचतत्व ग्राम सत्व''**

राष्ट्रीय कार्य समिति व कार्यकारिणी बैठक

रामायण के माध्यम से समस्याओं का निराकरण वैचारिक प्रस्तुति-**''मानस हंस''**

उत्तरांचल समारोह

उत्तरांचल प्रस्तुति सांस्कृतिक

कार्यक्रम-**''युगांतर''** 21 दिसंबर

संतवाणी परम पूज्य ''मंदाकिनी दीदी'' द्वारा **''मानस बोध''**

प्रदेश अध्यक्षों हेतु विशेष कार्यक्रम मानस मंच

''आप की अदालत''

कार्यकर्ताओं का सम्मान व समापन समारोह

यह कार्यक्रम की प्रस्तावित रूपरेखा है। समय पर बदलाव हो सकता है।

रा. अध्यक्ष-मंजु बांगड़ ❊ रा.महामंत्री-ज्योति राठी

अस्तित्व बनाये रखें

एक जंगल में एक भयंकर सर्प रहता था। उसके आतंक के कारण कोई वहां से नहीं जाता था। एक दिन एक ऋषि उस रस्ते से गुजर रहे थे। उनको देखकर सर्प लपका और काटना चाहा, परन्तु ऋषि ने योग बल से उस पर विजय पा ली। सर्प शरणागत होकर बोला - क्षमा करिए ऋषिवर, मैं आपकी शरण में हूँ। ऋषि ने उसे क्षमा कर दिया, और कहा कि आज से तू किसी को नहीं काटेगा। सर्प मान गया। ऋषि चले गए। उनके जाने के बाद सर्प ने लोगों को काटना बंद कर दिया। किसी को वह नहीं काटता था और धीरे-धीरे जंगल का रास्ता खुल गया। लोग आने-जाने लगे। सर्प लोगों को देखकर मार्ग से हट जाता। चरवाहे लड़के वहां आने लगे। वह सर्प को देखते ही पत्थर मारने लगे। सर्प भागकर बिल में चला जाता था। वह मार खाते-खाते दुबला और घायल हो गया था। बहुत समय बाद मुनि उस रास्ते से गुजरे। सर्प ने प्रणाम किया और अपनी व्यथा बताई। मुनि बोले - मुर्ख मैंने काटने से मना किया था, फुफकारने के लिए नहीं। मुनिवर समझाकर चले गए। सर्प समझ गया। चरवाहे लड़के पत्थर मारने वाले ही थे, कि वह फुफकार उठा। लड़के घबराकर भाग गए। तब से उसे किसी ने पत्थर नहीं मारा। मनुष्य को अकारण किसी पर आक्रमण नहीं करना चाहिए, परन्तु इतना डरपोक भी नहीं होना चाहिए कि कोई भी उस पर आक्रमण करने की हिम्मत कर सके। इसलिए अपना रोबीला अस्तित्व बनाये रखें, ताकि कोई भी आपकी ओर आँख उठाकर नहीं देख सके।

नमन, वंदन, अभिनंदन

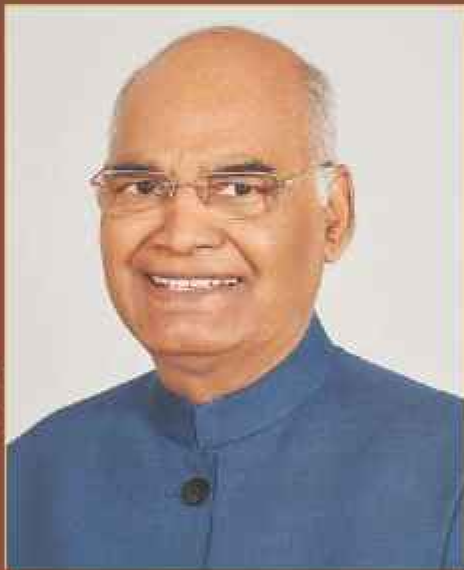

मानवीय श्री रामनाथ जी कोविंद
भारत के 14 वें राष्ट्रपति

!! स्वागत है आपका !!

आपका सानिध्य हमारे मानस को सिद्धि की दिशा में प्रेरित करेगा।

अत्यंत हर्ष व गर्व का विषय है प्रभु श्री राम की कृपा से अयोध्या में आयोजित 'मानस सिद्धि' कार्यक्रम के पावन अवसर पर 19 दिसंबर 2025 को हमारे मध्य पधार रहे हैं भारत के गौरव और सेवा संस्कार के प्रतीक

महामहिम पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ जी कोविंद
कार्यक्रम के उद्घाटनकर्ता के रूप में

आपका आगमन, न केवल इस आयोजन की भव्यता और माहेश्वरी समाज की गरिमा में वृद्धि करेगा अपितु संपूर्ण भारतवर्ष तथा नेपाल से उपस्थित महिला शक्ति की प्रेरणा का पुंज बनेगा।

मंजु बांगड़ राष्ट्रीय अध्यक्ष
ज्योति राठी राष्ट्रीय महामंत्री
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन

अयोध्या बैठक मानस सिद्धि के द्वितीय दिवस
दिनांक 20 दिसंबर 2025 को

मानस समारोह

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

मुख्य अतिथि
जन सेवा और नारी शक्ति की प्रेरणा
आदरणीय **श्रीमती अन्नपूर्णा देवी**
केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री
आपने शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करते हुए हजारों लोगों के जीवन में उजियारा फैलाया है।

सांसद श्री अरुण गोविल

प्रमुख अतिथि.. **सांसद श्री अरुण गोविल**
रामायण के श्री राम के रूप में आपने केवल अभिनय नहीं किया, बल्कि मर्यादा पुरुषोत्तम के आदर्शों को जन-जन के जीवन में उतारने का कार्य किया

हम हृदय से आपका अभिनंदन तथा सादर स्वागत करते हैं

श्रीमती मंजू बांगड
राष्ट्रीय अध्यक्ष

श्रीमती ज्योति राठी
राष्ट्रीय महामंत्री

पधारो सा

संस्कार सिद्धा : बाल एवं किशोरी विकास समिति के अंतर्गत

सिद्धि-सृजन : एक आवासीय शिविर

सिद्धि-सृजन-यह नाम ही अपने आप में बहुत प्रेरणादायक है। यह एक संस्कार यात्रा है, जहाँ किशोरियां अपने आप आत्मविश्वास, हुनर और कला सीखेंगी।

यह अखिल भारतवर्षिय माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में संस्कार सिद्धा समिति आयोजित एक आवासीय शिविर है जिसका उद्देश्य है - हमारी युवतियों के सर्वांगीण विकास के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करना।

यह शिविर 25 से 28 अक्टूबर 2025 तक ध्रुव ग्लोबल स्कूल, संगमनेर, जिला अहमदनगर, महाराष्ट्र में आयोजित होने जा रहा है।

यह शिविर केवल शिक्षा या प्रशिक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि यह आत्मविश्वास, संस्कार और सृजन-शीलता की एक अद्भुत यात्रा हैं ।

इन सभी सत्रों का उद्देश्य है कि हम सब अपने जीवन में सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास, संस्कार और नेतृत्व गुणों को विकसित कर सकें।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजु बांगड, राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती ज्योति राठी इनकी प्रेरणा से एवं दिशादर्शन में यह शिविर आयोजित किया जा रहा हैं । पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती गीता मुन्दडा के मार्गदर्शन में एवं समिति की राष्ट्रीय प्रदर्शक श्रीमती अनुसया मालू के निर्देशन में शिविर संपन्न होगा। स्वागताध्यक्ष के रुप में श्रीमती ललिता जी मालपानी एवं मुख्य अतिथि के रुप में राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्रीमती ममता जी मोदानी की उपस्थिति रहेगी। निवृत्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष सौ. आशाजी माहेश्वरी कोटा एवं सभी दानदाताओं की विशेष उपस्थिति रहेगी । कार्यक्रम निम्नानुसार रहेंगे।

❊ **आशीर्वचन**

पू. स्वामी गोविंददेव गिरीजी महाराज - जीवन के आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित प्रेरणादायक उद्बोधन देंगे, जिससे किशोरियों में आत्मविश्वास और भारतीय संस्कृति के प्रति गर्व जागेगा।

❊ **मुख्य सत्र वक्ता**

डॉ. संजय मालपानी - ''विजय यात्रा'' विषय पर प्रेरक विचार साझा करेंगे, जो आत्मविकास और सफलता की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग दिखाएंगे।

श्री पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ - प्रसिद्ध राष्ट्रवादी वक्ता और वरिष्ठ पत्रकार, ''देश की बात - अपनों के साथ'' में युवाओं में देशभक्ति और जागरूकता का भाव जगाएंगे।

श्रीमती भगवती देवी बल्दवा उद्योग और नारी सशक्तिकरण पर संवादात्मक सत्र का संचालन करेंगी।

डॉ. रूपल मोहता-मिसेस इंडिया यूनिवर्स **''छूना है आसमान''** विषय से आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और सपनों को साकार करने की प्रेरणा देंगी।

श्रीमती काजल हिंदुस्तानी-लव जिहाद पर सामाजिक चेतना और आत्मसुरक्षा के दृष्टिकोण से जागरूकता बढ़ाएंगी।

※ **पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों के प्रेरक सत्र**

श्रीमती गीता मूंदड़ा – ''रिश्तों की डोर'' विषय पर मानव संबंधों की गहराई और संवेदनशीलता पर प्रकाश डालेंगी।

श्रीमती शोभा सादानी – ''किशोरी बनेगी युग संचारी'' में नई पीढ़ी को नेतृत्व और संस्कारों की दिशा में प्रेरित करेंगी।

श्रीमती कल्पना गगड़ानी – ''जोश के संग होश'' विषय से युवतियों में उत्साह और विवेक के संतुलन की शिक्षा देंगी।

※ **विशेष सत्र**

डॉ. अनुराधा जाजू – कैरियर काउंसलर के रूप में किशोरियों को **''करियर विकल्प और आत्मविश्वास''** की दिशा दिखाएंगी।

सीए भाग्यश्री चांडक –साइबर क्रांति पर आधारित सत्र से **''डिजिटल सुरक्षा और जिम्मेदार इंटरनेट''** उपयोग की जानकारी देंगी।

डॉ. श्यामा मंत्री–Emotional Balance out of Hormonal Imbalance में **''मानसिक संतुलन''** पर मार्गदर्शन देंगी ।

साथ ही श्रीमती अनुष्का मालपानी – Director, Dhruv Global School; Discover your potential विषय से **''आत्म–खोज और क्षमता–विकास''** पर चर्चा करेंगी।

श्रीमती वर्षा अग्रवाल – Personal Growth Mentor; Vision Board Manifestation Workshop में लक्ष्य निर्धारण और आकर्षण के सिद्धांत सिखाएँगी।

श्रीमती अमृता बियाणी – Founder, Label - muse; Coffee Painting के माध्यम से कला और रचनात्मकला का अनुभव कराएँगी।

श्रीमती माधुरी सुदा – अंतरराष्ट्रीय रंगोली कलाकार; **"Rangoli Workshop"** में भारतीय कला की सुंदरता और एकाग्रता का अभ्यास करवाएँगी।

*** Young Enterprising Leaders**

श्री अनूप तापड़िया – Founder CEO, Touch Magix; **''नवाचार और तकनीकी उद्यमिता''** से प्रेरित संवाद साझा करेंगे।

श्री कृष्णा राठी – Founder CEO, Cyonn 42 Media; **''रचनात्मक सोच और डिजिटल क्रिएटिविटी''** के क्षेत्र में किशोरियों को प्रेरित करेंगे ।

※ **ऑनलाइन सेशन्स में**

श्रीमती शोभा इंदानी – प्रसिद्ध पाक विशेषज्ञ; Diwali Special सत्र में पारंपरिक स्वाद और कला का संगम प्रस्तुत किया ।

डॉ.वंदना बागड़ी – Cervical Breast Cancer विषय पर स्वास्थ्य और सावधानी के उपाय बताएँ ।

श्री पवन भट्टड–Founder, PB Institute of Thinking; Art of Thinking विषय में विचारशक्ति और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की प्रेरणा देंगे।

श्रीमती मोनिका चांडक पनपालिया–Partner Director, Microsoft (US-); Artificial Intelligence पर किशोरियों को भविष्य की तकनीक से परिचित करवायेंगे ।

गतिविधियाँ परिचय–सिद्धी–सृजन शिविर में विविध गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों को सृजनात्मकता, आत्मविश्वास और जीवन कौशल का संतुलित अनुभव मिलेगा।

रंगोली, कैलीग्राफी, कॉफी पेंटिंग, नैपकिन फोल्डिंग, विज़न बोर्ड, स्विमिंग, सेल्फ–डिफेन्स, जुम्बा, ब्रीदिंग टेक्निक्स, लैफ्टर योगा और पर्सनालिटी डेवलपमेंट जैसी रोचक गतिविधियाँ उन्हें आत्म–अभिव्यक्ति और आत्म–विकास की दिशा में प्रेरित करेंगी।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि है श्री राजकुमार जी काल्या ,विशेष उपस्थिति रहेगी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सुशीला काबरा एवं माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडल पुणे के चेयरमैन श्री शेखर जी मुंदडा। यह जानकारी अंजलि तापड़िया समिति प्रभारी द्वारा दी गई।

अंजलि तापडिया–9822877544

ज्योति बाहेती–94230 88950

अष्ट सिद्धा : व्यक्तित्व विकास एवं नेतृत्व प्रशिक्षण समिति

सफलता के अमृत कण–भाग 4

प्रेरणा शक्ति ''नेतृत्व से राष्ट्र निर्माण अभिव्यक्ति''

राष्ट्रीय अष्ट सिद्धा समिति के अंतर्गत 14 अगस्त को झूम सभागार में राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति जी राठी द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ महेश वंदना के साथ हुआ। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती मंजु जी बांगड ने शब्द सुमनों से अभिनंदन किया, जन्माष्टमी एवं स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। नारी शक्ति का वंदन करते हुए कर्नल सोफिया और व्योमिका का जिक्र किया।

वक्ता श्री दिनेश जी के सकारात्मक व्यक्तित्व मधुर वाणी,कार्य प्रतिबद्धता ,समाज में सार्थक बदलाव लाने हेतु उनके कार्यों का जिक्र करते हुए उनका अभिनंदन किया, श्री दिनेश जी के यूट्यूब वीडियो ''राम की महिमा अपरंपार, राम है नायक जगत के, समर्पण ही प्रेम का सार'' ऐसे विषयों का भी उल्लेख किया।

तत्पश्चात देशभक्ति गीत के साथ हर घर तिरंगा के वंदन के साथ कार्यक्रम का प्रारंभ किया। कार्यक्रम की जानकारी अष्ट सिध्दा समिति की राष्ट्रीय प्रभारी श्रीमती नम्रता जी बियाणी द्वारा दी गई नम्रता जी ने कहा संस्कार की प्रथम पाठशाला मां की गोद है, नारी शक्ति एवं नारी नेतृत्व द्वारा आत्म प्रेरणा से समर्पित नागरिक बनाए जा सकते हैं. झूम सभागार में उपस्थित सभी बहनों से अपने आप को ऑब्जर्व और इंप्रूव करते रहने की गुजारिश की। मुख्य अतिथि एवं वक्ता सी.ए. श्री दिनेश जी शुक्ला का पी.पी.टी. के साथ परिचय उत्तरांचल सह प्रभारी डॉक्टर उर्वशी साबू द्वारा दिया गया।

श्री दिनेश जी शुक्ला ने महत्वपूर्ण बिंदुओं नेतृत्व, राष्ट्र एवं राष्ट्र निर्माण के सामंजस्य पर बात की। सामाजिक एवं राजनीतिक स्थिरता राष्ट्रीय संप्रभुता

राष्ट्र पहचान सामाजिक न्याय और चेतना निर्माण में हमारी भूमिका के विषय में चर्चा की।

क्वालिटीज ऑफ लीडर्स (leaders who built Nations) दृष्टिकोण, प्रेरणा, एकता , सहयोग को बढ़ावा देना, कठिन निर्णय लेना भ्रष्टाचार व अन्य का मुकाबला कानून व्यवस्था विकास, सशक्त युवा, नैतिक मूल्यों को बढ़ावा, स्थिरता इत्यादि गुणो का जिक्र किया ,नेतृत्व के विभिन्न पहलू जैसे राजनीतिक ,आर्थिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक नेतृत्व के पहलुओं को समझाया।

आत्मविश्वास बढ़ाना एवं सबके दिलों को जीतना ही सही नेतृत्व है।

नेतृत्व कला के निम्न पेरामीटर हैं–

* to dream means encourage to think out of the box * to learn more, encourage to work hard * to do more to praise and give others the freedom to implement equal status and respect. * A good leader is an organised and upgraded person.

A leader should be a role model he should be creative enthusiastic he must have a positive

understanding of people

* if people don't dance he should check his tune. * leaders have mass vision * leaders produce leaders.

Important points to build - Nation -(A) Academics (B) behavior (C) community (D) discipline (E) e learning क्षमा करें एवं भूल जायें इन गुण क्वालिटीज के द्वारा आप राष्ट्र निर्माण कर सकते हैं और सही राह पर चल सकते हैं। आभार महामंत्राणी ज्योति जी राठी द्वारा किया गया।

मंगल अभिव्यक्ति देश प्रेम की भावना से ओत-प्रोत कार्यक्रम मे उपस्थित सभी सदस्यों का आभार माना तथा अयोध्या में होने वाली बैठक एवं कार्यक्रम की जानकारी दी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजु जी ने मूल्यांकन की रिपोर्ट के साथ संगठित शक्ति सत्कार्यों में भक्ति, न वाद ना विवाद बहुत प्यारा सा धन्यवाद। कार्यक्रम का संचालन पूर्वांचल सह प्रभारी अनुजा जी काबरा ने किया।

डॉ. नम्रता बियाणी, राष्ट्रीय प्रभारी

संजीवन सिद्धा स्वास्थ्य समिति

11वे अंतर राष्ट्रीय योग दिवस पर वेबिनार

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की संजीवन सिद्धा (स्वास्थ समिति) ने 21 जून को जूम पर 11वे अंतर राष्ट्रीय योग दिवस पर वेबिनार लिया । संगठन के पूर्व अध्यक्ष सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी सहित देश के 27 प्रदेश व नेपाल चैप्टर सहित शहरों व गावों से 400 से अधिक लोगो ने जुड़ कर लाभ लिया । महेश वंदना एव दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का आगाज समिति प्रभारी कुंतल तोषनीवाल द्वारा किया गया । राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजुजी बाँगड़ द्वारा स्वागत उद्बोधन व शुभकामनाएं दी गई। उन्होंने बताया कि योग एव प्राणायाम हमारे दैनिक जीवन के लिए अत्यधिक जरूरी है। पूरे विश्व में योग अपना परचम लहरा रहा है, योग अपनाकर हम भी स्वस्थ जीवन अपनाए, ये शुभेच्छा दी। सूत्र संचालन राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रभारी श्रीमती कुंतल तोषनीवाल ने बखूबी किया ।

उन्होंने बताया की योग संजीवनी कार्यक्रम को भी आज दो वर्ष पूर्ण हो चुके है जिसमें हम हर माह किसी भी 1 स्वास्थ समस्या पर हर माह की 21 तारीख को 1 वीडियो प्रसिद्ध योग गुरु श्रीमती शशिजी सारडा मुंबई द्वारा डाला गया। आज की मुख्य वक्ता श्रीमती शशिजी सारडा का परिचय उतरांचल सह प्रभारी सुजाता राठी ने दिया। बहुत ही सरल भाषा व उदाहरण सहित नियमित योग व प्राणायाम करने से हम कैसे लाभान्वित होते है बताया। उनके अनुसार खानपान व जीवन शैली ठीक करने से भी बहुत राहत पा सकते है। योग शरीर को लचीला और सशक्त बनाता है, मानसिक तनाव को कम करता है। ध्यान और प्राणायाम से मन की स्थिरता आती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। सबसे बड़ी बात है कि जीवन में संतुलन आता है। मन पर कार्य करने

से ही योग परिपूर्ण होता है। पीपीटी के माध्यम से बताया कि कितनी सरलता से सभी उम्र के व्यायाम खड़े हो कर या पलंग पर बैठकर भी कर सकते है। कार्यक्रम में दक्षिणांचल सह प्रभारी डॉ अल्पना लड्ढा, मध्यांचल सह प्रभारी प्रतिभा नत्थानी व पश्चिमांचल सह प्रभारी रीना राठी ने श्रोताओं की जिज्ञासाओं को शांत करने हेतु चैट बॉक्स में आये प्रश्न पूछे गए, जिनके उत्तर शशिजी सारडा ने बखूबी दिए। पूर्वांचल सह प्रभारी श्रीमती अर्चना तापड़ीया के आभार ने सभी का दिल जीत लिया। जूम उपलब्ध करवाने हेतु श्रीमती अंजलि तापड़िया व सफल जूम संचालन हेतु श्रीमती मनीषा सोमानी व छवि भदादा का आभार ज्ञापित किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई।

अष्टम कार्य समिति बैठक मंगल अभिव्यक्ति में मेडिकल बैंक्स बनाने का आह्वान राष्ट्रीय पटल से किया गया। सभी से निवेदन किया की घर में बीमारी के वक्त आए हुए मेडिकल इक्विपमेंट जैसे–हॉस्पिटल बेड, पोट्टी सीट, व्हीलचेयर, बैसाखी, एयर बेड, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, जैसी वस्तुएं बहुदा बीमारी ठीक होने के बाद या उसकी जरूरत ना रहने पर व्यर्थ घर में पड़े रहते हैं, जिन्हें संभालना भी एक दुष्कर कार्य है, उन्हें एक जगह एकत्र कर मेडिकल बैंक बनाई जाए। जरूरतमंद व्यक्ति उन्हें मेडिकल बैंक से इशू कर अपना काम निकाल सकते हैं। उन्हें नए सिरे से इन चीजों को खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मेडिकल खर्च तो कम होगा ही साथ ही यह साधन जरूरतमंद को संबल देंगे।

Face and fight cancer कार्यक्रम की तहत पूरे देश के प्रदेशों में कार्य हो रहे हैं जिसमें अहमदाबाद जिला का ने 680 युवतियों को सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन के तीनों डोज लगवाने का अनुकरणीय कार्य किया है 48 लाख का यह प्रोजेक्ट अति प्रसंसनीय रहा है।

कुंतल तोषनीवाल

राष्ट्रीय समिति प्रभारी, संजीवन सिद्धा स्वास्थ्य समिति

संकल्प दृढ़ हो तो बाधाऐं भी बौनी हो जाती है

सनातन संस्कृति में त्योहारों का विशेष महत्व है।प्रत्येक त्यौहार का वैज्ञानिक व तर्कसंगत औचित्य स्वयं भी समझे तथा भावी पीढ़ी में सांस्कृतिक गौरव की लौ जगाना आज की महती आवश्यकता है। दशहरा बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश एवं हमारे भीतर के रावण को समाप्त करने की प्रेरणा देता है। धर्म, सशक्त संगठन, स्वदेशी भाव और निस्वार्थ समाज सेवा की उपस्थिति किसी भी समाज और राष्ट्र की उन्नति के चार स्तंभ है। धर्म का अर्थ स्व कर्तव्य का पालन, संगठन शक्ति एकता का प्रतीक, स्वदेशी विचार शक्तिशाली राष्ट्र बनाने का अटूट विश्वास है। समाज का प्रत्येक परिवार समर्थ और समुन्नत बने–यही सार्थक दिवाली का संदेश है। सनातन धर्म की रक्षा के लिए सांस्कृतिक चेतना का दीपक प्रज्वलित करना, समय की मांग है। भामाशाह के आर्थिक संबल से महाराणा प्रताप ने मेवाड़ की रक्षा की। इसी प्रकार संपन्न व्यक्ति की सेवा भावना जब संकल्प बन जाए और संकल्प कार्य रूप में बदल जाए तभी अच्छे कार्य संभव होते हैं। आईये, इस दीपावली को सार्थक दीपावली बनाने का संकल्प ले। प्रत्येक परिवार समर्थ बने इस दिशा में अपने कदम बढ़ाए । संकल्प जब दृढ़ हो तो बाधाऐं भी बौनी हो जाती है। बहुत–बहुत शुभकामनाएं।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष–सौ. गीता मून्दड़ा, इंदौर

ज्ञान सिद्धा साहित्य समिति

"हम और हमारी हिंदी"

भारत में हिंदी की स्थिति पर कभी हंसी आती है तो कभी आँसू। अब सोचिए, जिस देश की पहचान हिंदी से होती है, उसी देश में हिंदी अपने ही घर में परदेसी जैसी जिंदगी जी रही है। जैसे कोई बड़ी माँ अपने ही बच्चों के बीच उपेक्षित रह जाए, और बच्चे अंग्रेजी नाम के पड़ोसी आंटी के आगे-पीछे डोलते रहें। हिंदी बेचारी मन ही मन यही सोचती रहती है-हाय! ये दिन भी देखना था, अपने ही घर में ठंडी चाय की तरह कोने में पड़ी रहूँगी।

अब ज़रा दिल्ली के किसी मॉल में जाइए। दुकानदार कहेगा – Excuse me sir, what do you want? आप कह दीजिए, भैया मुझे चप्पल चाहिए। तो वो आपको देखेगा जैसे आपने अंतरिक्ष से उतरकर मंगल की भाषा बोल दी हो। और अगर आपने कह दिया, Slippers चाहिए तो बस मुस्कान खिल जाएगी और तुरंत ऑफर भी आ जाएगा – Sir, buy one get one free. हिंदी बेचारे को ये सुनकर लगता है जैसे उसके ही शब्द किसी दूसरी ड्रेस पहनकर कूल हो गए।

कॉलेज की कैंटीन में जाइए। लड़के-लडकियाँ मिलकर चाय पीते हैं, लेकिन चाय भी अब सिर्फ टी बन गई है। एक लड़का दूसरे से कहेगा –ब्रो, टी लेंगे? दूसरा बोलेगा –यश यार मेक इट स्ट्रांग। अगर कोई मासूम वहाँ कह दे – मुझे एक मजबूत चाय दे दो, तो सब उसे घूरकर देखेंगे जैसे उसने कोई अपराध कर दिया हो। यही हाल तो हिंदी का है- वो मजबूत है, पर दिखाई देने में सबको कमज़ोर और बेचारी लगती है।

सरकारी दफ्तरों में जाकर देख लीजिए। फाइलें तो हिंदी में लिखी होती हैं, पर बातचीत अंग्रेजी में। बाबू जी से पूछिए-ये आवेदन पत्र कहाँ जमा होगा? तो वो चश्मा ठीक करते हुए कहेंगे- It will be submitted in Room Number Five. अरे भाई, अगर 'पाँच' कह दो तो ज़ुबान टूट जाएगी क्या? पर नहीं, अंग्रेजी का तड़का लगाना ज़रूरी है। बिना अंग्रेजी बोले दफ्तर में बात करना मानो बिना नमक का खाना खाने जैसा है।

हिंदी दिवस पर जो भाषण होते हैं, वे भी अंग्रेज़ी से शुरू होते हैं। Ladies and gentlemen, today we are here to celebrate Hindi Diwas यानी हिंदी का उत्सव भी अंग्रेज़ी की गोद में बैठकर मनाना पड़ता है। ये वैसा ही है जैसे शादी में दुल्हन को मंच पर खड़ा कर दिया जाए और पूरा स्वागत दुल्हे की पुरानी गर्लफ्रेंड से करवाया जाए।

अब टीवी चैनल्स देख लीजिए। हिंदी न्यूज़ चैनल नाम के तो हैं 'आज तक', 'एबीपी न्यूज़' वगैरह, लेकिन रिपोर्टर बोलते हैं – आज हम आपको दिखाएँगे कि Rain Fall की वजह से कैसे लोगों को Traffic Jam का सामना करना पड़ रहा है। यानी आधी हिंदी, आधी अंग्रेज़ी। पूरी खबर सुनने के बाद दर्शक यही सोचता है कि अब भाषा का भी जोड़-तोड़ गठबंधन चल रहा है।

युवा पीढ़ी की तो बात ही मत कीजिए। मोबाइल में चैटिंग करते वक्त अगर किसी ने लिखा कैसे हो? तो सामने वाला पूछ बैठेगा – भाई, तू इतना देसी क्यों लिख रहा है? लेकिन अगर वही लिखा जाए हाव आरयू? तो वाहवाही मिलेगी। यानी हिंदी में चिंता जताना देसीपन है और अंग्रेज़ी में वही काम करने पर आप मॉडर्न हो जाते हैं।

बड़ी कंपनियों के इंटरव्यू में हिंदी बोलना तो जैसे गुनाह है। वहाँ तो गुड मॉर्निंग सर से लेकर थैंक यू सो मच तक हर शब्द अंग्रेजी में होना चाहिए। अगर गलती से आपने कहा नमस्ते सर तो सामने वाला एचआर समझ लेगा कि ये बंदा गाँव से भागकर आया है। अरे भई, गाँव से आया तो क्या हुआ? हिंदी भी तो यहीं की है, अमेरिका से तो आयात नहीं हुई।

हिंदी का दर्द यही नहीं रुकता। यहाँ तो उसका हाल 'देसी गाय' जैसा हो गया है। घर में सब कहते हैं, गाय हमारी माता है, हमें पूजनीया है। पर दूध पीना हो तो सब विदेशी 'डेयरी मिल्क' और 'टोन्ड मिल्क' पर टूट पड़ते हैं। गाय बेचारी खेत में घास चबाती रह जाती है। वैसे ही हिंदी की पूजा तो होती है, लेकिन कामकाज सब अंग्रेज़ी से।

अब सोचिए, भारत जैसे देश में जहाँ करोड़ों लोग हिंदी बोलते हैं, वहाँ अंग्रेज़ी जानने वालों की गिनती उँगलियों पर की जा सकती है, पर रौब उन्हीं का चलता है। जैसे ही कोई कहे, I'm comfortable in English, सब समझते हैं कि ये बड़ा ही विद्वान व्यक्ति है। और वही आदमी अगर कह दे, मैं हिंदी में सहज हूँ, तो उसे तुरंत गाँव-गंवई टाइप का लेबल दे दिया जाता है। सड़क पर

चलती ऑटो और बसों पर भी ध्यान दीजिए। पहले लिखा होता था – धीरे चलें, सीट खाली है। अब सब अंग्रेज़ी में है – No Smoking, Ladies Seat, Stop. यानी हिंदी की अपनी सड़क पर भी अंग्रेज़ी का ट्रैफ़िक चल रहा है।

यहाँ तक कि बच्चों की किताबों में हिंदी को सिर्फ कहानियों तक सीमित कर दिया गया है। वो भी ऐसी जिनमें अंग्रेज़ी के नाम डाल दिए जाते हैं – मोहन went to School. अरे भाई, अगर लिख ही रहे हो तो सीधा अंग्रेजी में लिखो। ये आधी–अधूरी हिंदी–अंग्रेज़ी पढ़–पढ़कर बच्चा भी सोचता है कि भाषा कोई चॉकलेट है जिसे मिक्स करके खाना चाहिए। लेकिन सबसे मज़ेदार बात यह है कि हर साल हिंदी दिवस आता है और भाषणों में हिंदी को बचाने का संकल्प लिया जाता है। लोग कहते हैं –हमें हिंदी पर गर्व है। और अगले ही पल मोबाइल निकालकर लिखते हैं – Happy Hindi Diwas to all my friends. यानी हिंदी दिवस भी हैप्पी से ही शुरू होता है।

सच तो ये है कि हिंदी की हालत उस माँ जैसी हो गई है जो रोज़ अपने बच्चों के लिए खाना बनाती है, उन्हें लाड़–प्यार से पालती है, पर बच्चे बाहर होटल जाकर पिज़्ज़ा और बर्गर खाते हैं और माँ से कहते हैं –मॉमतुम understand नहीं करती। हिंदी भी यही सोचती है – काश, मेरे अपने ही मुझे समझ लेते।

आख़िर में यही कहना पड़ेगा कि हिंदी अब भारत में सिर्फ एक भाषा नहीं रही, बल्कि एक व्यंग्य बन गई है। सबको उसकी ज़रूरत है, सब उससे प्यार करने का दावा करते हैं, पर कोई उसे दिल से अपनाना नहीं चाहता। और बेचारी हिंदी खड़ी मुस्कुराती रहती है–वाह री किस्मत, अपने ही घर में मैं मेहमान और अंग्रेजी मालकिन।

मंजु मानधना, दिल्ली, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उत्तरांचल

स्वयं सिद्धा–महिला सशक्तिकरण समिति

विद्या में हर शक्ति है, है हर मुश्किल का तोड़

विद्या में हर शक्ति है, है हर मुश्किल का तोड़,
पुस्तक है अनमोल खजाना शब्द बड़े बेजोड़।
डॉक्टर बनें या इंजीनियर,
होना होगा तैयार,
हो सफल आगे बढ़ें
गौरान्वित होगा परिवार।

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन अंतर्गत स्वयं सिद्धा समिति आपके बच्चों के लिए लेकर आई है एक निशुल्क हेल्पलाइन शिक्षा।

जमाना है स्पेशलाइजेशन का और समिति प्रस्तुत है आपके समक्ष एक ऐसा मिशन लेकर जिसमें हम, NEET और IIT JEE में प्रवेश लेने के इच्छुक बच्चों का मार्गदर्शन करने हेतु , प्रोफेशनल्स द्वारा तैयार किए हुए नोट्स की वह पूँजी,जो 28 जनवरी को चरळपी दे चुके बच्चों के लिए वरदान साबित होगा ताकि वे आगे होने वाली परीक्षा को ज्यादा सक्षम तरीके से दे सकें।

3 फ़रवरी दोपहर 3 बजे ज़ूम के माध्यम से हम इस कार्यक्रम को लॉन्च करेंगे। इस कार्यक्रम के अंतर्गत हम एम्स और आई.आई.टी. खड़गपुर में अध्यनरत विद्यार्थियों से टिप्स एंड ट्रिक्स दिलवाएंगे और साथ में प्रोफेशनल काउंसलिंग भी। इस कार्यक्रम द्वारा हम माहेश्वरी छात्र और छात्राओं को फ्री ऑफ कॉस्ट नोट्स और स्टडी मैटीरियल प्रोवाइड करेंगे।

आप सभी से निवेदन है कि अपने–अपने प्रदेश में इस कार्यक्रम का ज्यादा से ज्यादा प्रचार और प्रसार करें ताकि आगामी 12 फरवरी से 14 मार्च तक होने वाले बोर्ड की परीक्षा से पहले ज्यादातर बच्चे व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़कर नोट्स पा सकें और इस सुविधा का लाभ उठा, सफल हो सके।

समाज पढ़ेगा तो देश बढ़ेगा।

समिति प्रदर्शक–गिरिजा सारड़ा
❊ समिति प्रभारी–निर्मला मल्ल
एवं समस्त स्वयं सिद्धा समिति टीम

संस्कृति सिद्धा अध्यात्म एवं परम्परा समिति

मानस भक्ति ''भक्ति के रंग- सुरों के संग''

जुलाई, अगस्त, सेप्टेम्बर माह के तिथी एंव त्योंहारो की जानकारी हेतु कैलेंडर निकाले एवं अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वाधान में आगामी अयोध्या बैठक हेतु संस्कृति सिद्धां समिति द्वारा आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम भजन प्रतियोगिता ...

मानस भक्ति **''भक्ति के रंग- सुरों के संग''**। उक्त कार्यक्रम हेतु सभी विषय लकी ड्रॉ द्वारा निकाले गए जो इस प्रकार हैं :- मध्यांचल : कृष्ण भक्ति, मीरा की लगन-पश्चिमी मध्यप्रदेश, बाल गोपाल की लीलाएं-छतीसगढ, राधा-कृष्ण रास-पूर्वी मध्यप्रदेश, कृष्ण-अर्जुन सारथी-विदर्भ, सुदामा-कृष्ण सखा-गुजरात,

पूर्वांचल : शिव भक्ति, पार्वती संग अर्धनारीश्वर-नेपाल चैप्टर, जटाओं में गंगा-उत्कल प्रदेश, नंदी का नाथ-पश्चिम बंगाल, रावण का रुद्र-वृहत्तर कोलकता, नटराज का तांडव-आसाम, विषधर नीलकंठ-बिहार झारखंड

उत्तरांचल : देवी भक्ति, दुर्गा आराधना-मध्य उत्तर प्रदेश, माँ की गोद-पूर्वी उत्तर प्रदेश, माँ सरस्वती की साधना-दिल्ली प्रदेश, लक्ष्मी प्रार्थना-पश्चिमी उत्तर प्रदेश, अन्नपूर्णा अर्चना-हरियाणा पंजाब।

पश्चिमांचल : राम भक्ति, श्री राम जन्मोत्सव-पश्चिमी राजस्थान, श्री राम जानकी विवाह-मध्य राजस्थान, भरत राम भातृ प्रेम-दक्षिणी राजस्थान, शबरी की आस्था-पूर्वी राजस्थान, केवट की भक्ति-पूर्वोत्तर राजस्थान, मर्यादा पुरुषोत्तम राम की महिमा-उत्तरी राजस्थान।

दक्षिणांचल : हनुमान-गणेश भक्ति, हनुमान भक्ति, रामदूत हनुमान-तमिलनाडु, संजीवनी धारी (हनुमान)-तेलंगाना, संकटमोचन कृपा (हनुमान)-महाराष्ट्र, गणेश भक्ति-विघ्नहर्ता गणपति-कर्नाटक गोवा, बुद्धि-ज्ञान के दाता-मुंबई प्रदेश

स्वरचित भजन प्रतियोगिता नियमावली 1. यह प्रदेश स्तर की प्रतियोगिता होगी। 2. प्रस्तुत किया जाने वाला भजन स्वरचित होना अनिवार्य है। प्रदेश की कोई भी सदस्या भजन लिख सकती है। यदि वह स्वयं गाने में सम्मिलित नहीं हो पाए तो भी केवल भजन लिखकर दे सकती है। 3. प्रत्येक प्रदेश से भजन गायन में तीन प्रतिभागी बहनों का होना आवश्यक है। 4. भजन प्रस्तुतीकरण की समय सीमा 3 मिनट होगी। 5. भजन को प्रसिद्ध धुन पर भी गाया जा सकता है। 6. सभी प्रतिभागियों से निवेदन है कि सभी अपने भजन का ट्रैक बनवाकर पेन ड्राइव में लेकर आएं। 7. भजन गायन प्रतियोगिता में प्रदेश सचिव भाग ले सकते हैं। राष्ट्रीय पदाधिकारी,प्रदेश अध्यक्ष एंव संस्कृति सिद्धा समिति के सह प्रभारी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सकते। 8. प्रत्येक प्रतिभागी को अपने भजन की दो लिखित प्रति साथ लाना आवश्यक है। 9. निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम और सभी पर मान्य होगा।

प्रेमा झवंर समिति प्रभारी, संस्कृति सिद्धा समिति

भगवान को मंदिर से ज्यादा मनुष्य का ह्रदय पसंद है, क्योंकि मंदिर में इंसान की चलती है, ह्रदय में भगवान की; सच्ची भक्ति वही है, जो नि:स्वार्थ हो और जिसने अपने मन को जीत लिया, उसने संसार को जीत लिया; भगवान से निराश मत होना और संसार से आशा मत करना; और मन को खाली कर दो, उसमें भगवान स्वयं आकर बस जाएंगे।

बधाई... बधाई... हमारे गौरव

मानसी काबरा ने देश का नाम रोशन किया

मानसी मुकुंद काबरा, नासिक ने अंडर ग्रेज्युएट डिग्री बेचलर ऑफ साइंस इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में University of Arizona (USA) से जीपीए 3.8/4.0 याने कि 95 प्रतिशत मार्क्स प्राप्त किया। इस ग्रेज्युएशन के बाद लगभग एक साल तक नामी कंपनी Goldman Sachs में as a riskanalsty full time worked in salt lake city (USA) में जाब किया। इसके बाद Master Degree in Applied Econamics & Management Cornell University (USA) जो कि वर्ल्ड की गिनी चुनी यूनिवर्सिटी में आती है उसमें जीपीए 3.98 आउट आप 4 याने कि 99.5 प्रतिशत से डिग्री प्राप्त की। इस मास्टर डिग्री के दौरान मानसी ने Exchange Semister University of cologne Germany से CEMS में Specialisation कर (EY) Ernst & Young Transter Pricing & International Taxation में इंटरनशिप भी की। देश का गौरव बढ़ाया। उज्वल भविष्य की कामना एवं बहुत-बहुत बधाई।

शोधार्थी नलिनी को मिला सर्वश्रेष्ठ पेपर अवार्ड

एएमयू की शोधार्थी नलिनी को इंटरनेशनल सोशल रिसर्च नेक्सस कांफ्रेंस 2025 में सर्वश्रेष्ठ पेपर अवार्ड मिला। नलिनी ने छात्राओं को शिक्षा के लिए स्थानांतरण के दौरान आने वाली समस्याओं का विश्लेषण किया है। उन्होंने कहा कि कैसे शारीरिक आवागमन, मानसिक तनाव और शैक्षणिक प्रदर्शन एक-दूसरे से जुड़े होते हैं और लड़कियों को किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, तब सफलता मिलती है। चरम शिखर तक पहुंचो यही कामना।

डॉ. सुरभि पेडीवाल को राष्ट्रीय संगठन की ओर से बहुत-बहुत बधाई

कोलकाता प्रदेश अध्यक्ष मंजुजी पेडीवाल की सुपुत्री डॉक्टर सुरभि पेडीवाल ने Post Doctoral Certificate in Neonatology Degree प्राप्त की है। मंजू जी और पूरे पेडीवाल परिवार को बहुत बहुत बधाइयाँ। साथ ही डॉ. सुरभी पेडीवाल के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

आरुषि बाहेती ने 733वीं रैंक हासिल की

बाग नगर के बाहेती माहेश्वरी परिवार की प्रतिभाशाली बेटी कुमारी आरुषि प्रियंका दिलीप बाहेती ने अपनी कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास के दम पर भारतीय सेना में चयनित होकर इतिहास रचते हुए बाग का नाम भी एक बार फिर रोशन किया है। आरुषि की इस सफलता से न केवल बाग नगर, बल्कि पूरा धार जिला ओर माहेश्वरी समाज गौरवान्वित हुआ है। ज्ञात हो आरुषि की माता प्रियंका दिलीप बाहेती ने भी बाग प्रिंट की बाग में पहली महिला रंगरेज के रूप में बिना सरकारी सहायता के अपने बल पर बड़ा नेटवर्क खड़ा किया है। आरुषि ने इस कठिन परीक्षा में 80,000 से अधिक प्रतिभागियों के बीच 733वीं रैंक हासिल की है। विशेष बात यह है कि उन्होंने यह सफलता बिना किसी कोचिंग संस्थान की सहायता के केवल अपने आत्मअध्ययन और दृढ़ परिश्रम के बल पर प्राप्त की है। बहुत-बहुत बधाई।

सर्वोत्तम हॉस्पिटल की डॉक्टर सोनल पलोड़ ने विश्व कीर्तिमान रचा

ऐतिहासिक उपलब्धि इंदौर स्थित सर्वोत्तम हॉस्पिटल की डॉक्टर सोनल पलोड़ जो की एक प्रतिष्ठित स्त्री रोग विशेषज्ञ है उन्हें अपने क्षेत्र में 15 साल से अधिक का अनुभव प्राप्त है तथा एम आई वी एच (minimal invasive vaginal hysterectomy) में दक्षता प्राप्त है।उन्होंने गत 15 जुलाई 2025 को एक विश्व कीर्तिमान रच डाला है, डॉक्टर सोनल के एक मरीज जिसका पूर्व में 6 बार (C- Section) ऑपरेशन द्वारा बच्चे का जन्म हो चुका था, को बच्चेदानी में एक गठान बन गई थी साथ ही गर्भाशय की दीवार इतनी कमजोर हो गई थी कि उसका ऑपरेशन करना असंभव सा प्रतीत हो रहा था। डॉक्टर सोनल ने अपनी कुशलता और बुद्धिमता से उक्त मरीज का मिनीमल इनवेसिव वेजाइनल हिस्ट्रैक्टोमी (MIVH) (बिना दूरबीन, बिना चीरा लगाकर) द्वारा गठान को सफलता पूर्वक मरीज के बच्चेदानी से निकल कर मरीज को इससे संबंधित सभी समस्याओं से निजाद दिलवाई। मरीज अब एक दम स्वस्थ और सकुशल है।

जब हमने इतिहास के पन्नों में जाकर देखा तो हमें पता चला की डॉक्टर सोनल द्वारा की गई यह शल्यक्रिया विश्व में पहली बार दर्ज की हुई इतनी जटिल शल्य क्रिया है। इसे विश्व की प्रतिष्ठित international book of world records और भारत की national book of records ने अपने रिकॉर्ड में स्थान प्रदान किया, डॉक्टर सोनल ने इंदौर, मध्य प्रदेश का ही नहीं पूरे भारतवर्ष को विश्व पटल पर गौरान्वित किया है। डॉक्टर सोनल कहती है 15 वर्षों के अनुभव में पहली बार इतने जटिल केस में MIVH संभव हुआ है। यह न केवल मेरे लिए बल्कि पूरे मेडिकल क्षेत्र के लिए एक मील का पत्थर है।

इंदौर का गौरव बनी राशि धूत

इंदौर की राशि धूत ने UK की ACCA- Global (एसोसिएशन ऑफ सर्टिफाइड चार्टर्ड अकाउंटेंट) के फाइनेंशियल मैनेजमेंट की ग्लोबल एग्जाम में पूरे विश्व में प्रथम स्थान प्राप्त कर इंदौर को गौरवान्वित किया है। राशि धूत ने 100 में से 97 नंबर प्राप्त कर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। ACCA- Global द्वारा राशि की इस उपलब्धि पर 200 : ब्रिटिश पाउन्ड एवं सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट प्रदान किया गया है। राशि धूत माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष स्व. रामस्वरूप धूत एवं उद्योगपति श्री ओम धूत (पूर्व अध्यक्ष AIMP) की पौत्री है। मध्यप्रदेश से यह पहली बार हुआ है कि किसी छात्र या छात्रा ने ACCA- Global की वर्ल्ड रैंकिंग में स्थान प्राप्त किया है। राशि धूत Prestige Institute of Management की बी.कॉम. फाइनल ईयर की छात्रा है। संस्थान द्वारा भी राशि को उसकी उपलब्धियों के लिए ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। अध्ययन के अतिरिक्त कॉलेज की तरफ से खेलते हुए राशि ने अभी हाल में ही देवी अहिल्या विश्रिवद्यालय की टेबल टेनिस प्रतियोगिता में भी विजेता बन ट्रॉफी प्राप्त की।

बेटी को स्वतंत्र बनाने के प्रयास में, उसे स्त्री बनाना ही भूल गए

लड़की 30 साल की हो गई ।लेकिन अभी तक शादी के लिए तैयार नहीं है। हम जो भी कहते हैं, उसकी ज़िंदगी में हमारी कोई बात मायने ही नहीं रखती। अब तो लगता है जैसे वो हमारी बेटी रही ही नहीं और दुर्भाग्यवश, ऐसे मामलों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है।

जब मैंने इन समस्याओं को गहराई से समझने का प्रयास किया,तो मेरे अनुभव और अंतर्मन ने जो उत्तर दिए -उन्हें आज मैं आप सभी के साथ साझा करना चाहती हूँ।

माता-पिता की यह आम शिकायत होती है कि: हमारी संतानें हमारी नहीं सुनतीं, उनके जीवन में हम जैसे महत्वहीन हो गए हैं पर क्या इसमें केवल बच्चों की गलती है? नहीं। जिस उम्र में उसके मन में ममता, सहनशीलता और त्याग के बीज बोने थे हमने वहाँ केवल महत्वाकांक्षा का जंगल उगा दिया मूल गलती वहाँ हुई। जब आपने अपनी बेटी को सिर्फ़ आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य रखा, पर उसे एक स्त्री बनाना ही भूल गए। मैं यह नहीं कह रही कि शिक्षा देना या स्वतंत्र बनाना गलत है। पर यह मान लेना कि जीवन में केवल नौकरी, पदोन्नति और आत्मनिर्भरता ही सब कुछ है-यह सोच स्वयं एक बड़ी भूल बन जाती है। आज समाज में हम क्या देख रहे हैं?

विवाह में अनावश्यक देरी लड़कियों द्वारा विवाह के लिए अत्यधिक और अव्यवहारिक शर्तें। विवाहित जीवन में असंतुलन और अलगाव। और यहाँ तक कि एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर। जब माँ-बाप ने उसे सिर्फ़ उड़ना सिखाया तो उसने लौटकर आना ही नहीं सीखा। बचपन से ही बेटियों को सिखाया गया। पहले पढ़ाई पूरी करो। अब इतना पढ़ लिया है, तो नौकरी भी करनी ही होगी। इतना खर्च और समय लगाया है, तो कुछ बनकर दिखाना भी ज़रूरी है। जब नौकरी मिल गई तो कहा अब करियर की ग्रोथ ज़रूरी है, प्रमोशन आने वाला है - अभी शादी नहीं करूंगी, शादी तभी करूंगी जब लड़का मेरे शहर में काम करता हो। मैं क्यूँ अपनी नौकरी छोड़ूँ? वो छोड़े मैं किसी के लिए एडजस्ट नहीं करूंगी। इस बीच - उम्र बढ़ती गई। माँ-बाप की भी बेटी की भी और साथ ही बढ़ता गया तनाव, लेकिन अब बेटियों को कोई अंतर ही नहीं पड़ता। माता-पिता कहते हैं: हमारी बेटी अब हमारी रही ही नहीं। उसके अंदर हमारे लिए कोई भावना, कोई संवेदना ही नहीं बची है, पर सोचिए, ऐसा हुआ क्यूँ? क्योंकि जब उसके मन और चरित्र में नारी के संस्कार रोपित करने का समय था-तब हमने उसके दिमाग में एक ही बात बैठा दि की तुम्हें अपनी ज़िंदगी खुद बनानी है, तुम्हें किसी पर निर्भर नहीं रहना है और इसी प्रक्रिया में उसके भीतर से स्त्रियोचित कोमलता, संवेदनशीलता, त्याग और समर्पण, परिवार के लिए अपनापन। ये सब धीरे-धीरे मिटते चले गए और आज वही बेटी इतनी स्वतंत्र हो गई है कि ना उसे माता-पिता की ज़रूरत है। ना जीवनसाथी की।

बेटी को मज़बूत बनाया, लेकिन मुलायम दिल छीन लिया, अब वो जीवन के फैसले लेती है - पर दिल से नहीं, दिमाग से। मेरी यह बात न तो बेटियों की शिक्षा के विरोध में है, न ही किसी की भावना को ठेस पहुँचाने के लिए। मैं बस इतना कहना चाहती हूँ स्वतंत्रता आवश्यक है - पर स्त्रीत्व की पहचान उससे भी अधिक आवश्यक है। बेटी को पढ़ाओ, बढ़ाओ - पर साथ ही उसे 'नारी' बनाओ, उसके भीतर संस्कार और संवेदना का दीप भी प्रज्वलित करो। वरना एक दिन वही बेटी,ना आपकी रहेगी, ना खुद की।

पारिवारिक जीवन हो मधुरतम

–सुशीला काबरा, इंदौर
(पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, महिला संगठन)

मानव जीवन अनमोल है और जीवन का केन्द्र बिंदु या धुरी है परिवार। परिवार में आनंदपूर्वक सुखी जीवन बिताना ही, जीवन की सार्थकता व सफलता है। हमारा परिवार एक यज्ञशाला है, प्रेम के बोल जिसके मंत्र हैं, स्नेह, ममता, करुणा जिसकी ऋचाएँ हैं, त्याग, भक्ति, सेवा व समर्पण की जिसमें आहुतियां दी जाती हैं, तब प्रसाद रूप में सदाचारी संतान का निर्माण होता है। वरिष्ठों की सेवा व सम्मान, स्नेहपूर्ण व्यवहार, बच्चों को संस्कारी बनाना, गृहस्थी जीवन की मर्यादा के मूल तत्व हैं और इसी पर हमारी भारतीय संस्कृति टिकी है। प्रेम का आधार है परिवार। प्रेम ऐसा धागा है, जो परिवार के मोती रूपी सदस्यों को एक माला में पिरोये रखता है। प्रेम में त्याग व विश्वास की जरूरत है। अतः परिवार के सदस्यों में परस्पर सामंजस्य, सहयोग, समर्पण, सुझाव, सराहना, संवाद, सहनशीलता व सकारात्मक सोच बनी रहेगी तो परिवार सुखी ही नहीं, अपितु परिवार में ही स्वर्ग दिखाई देगा।

ब्रह्मा द्वारा रचित इस संसार में जितने भी प्राणी हैं–सबकी सोच–विचार की शक्ति और विवेक बुद्धि अलग–अलग ही होती है, परंतु जैसे अचार के सभी अवयव अलग–अलग गुण के होते हैं–कोई तीखा, कोई खट्टा, कोई कड़वा, कोई कसैला, पर सब मिलकर एक स्वादिष्ट अचार बनाते हैं, जो सबको अच्छा लगता है, वैसे ही परिवार में विभिन्न स्वभाव वाले सब सदस्य आपस में सामंजस्य बनाकर प्रेम से रहें, तो सुखी परिवार बन जाता है एवं सम्पन्नता व समृद्धि भी बढ़ती है।

''जहाँ प्रेम होता है, संबद्धता स्वतः जन्म लेती है,
जहाँ संबद्धता है वहाँ सामंजस्य स्वाभाविक है।''
जहाँ सामंजस्य है वह परिवार स्वर्ग बन जाता है।

आइये, देखते हैं पारिवारिक रिश्तों में कैसे घनिष्ठता बढ़ाई जा सकती है। कैसे संबंध मधुरतम बनाये जा सकते हैं। निम्न बिंदुओं पर विचार करना चाहिये–

(1) सदस्यों के साथ समय बितायें : एक–दूसरे की दिनभर की दिनचर्या क्या सही, क्या गलत हुआ उस पर चर्चा करें एवं बातों को नियमित रूप से, समय निश्चित कर ध्यान से सुनें, सहानुभूति भी जरूरत हो तो दर्शायें या सहमति दर्शायें। छोटी–छोटी बातों पर स्नेह व प्यार व्यक्त करें, प्यार का इजहार जरूरी है। साथ मिलकर भजन, भोजन करें व खेल खेलें।

(2) सामंजस्य बनायें, धैर्य रखें : हमारा धैर्य व हमारा व्यवहार ही हमारे व्यक्तित्व को दर्शाता है। स्वभाव या गुण हम बदल नहीं सकते हैं, अतः हम जो जैसा है, वैसा स्वीकारें या कोई बीच का रास्ता निकालें। जब परस्पर प्रेम होता है तो सामंजस्य भी स्वयमेव हो ही जाता है।

(3) संवाद के तार जोड़े रखें : संवाद बना रहेगा, तो विवाद नहीं होगा। यदि कोई गलतफहमी हो जाये तो बातचीत के माध्यम से शीघ्र ही दूर कर लेना चाहिये, तो मनमुटाव नहीं होगा। एक–दूसरे से खुलकर बातचीत करें,

खुले मन से बात करें, दिनभर के कार्यों को एक-दूसरे को साझा करें, क्या अच्छा हुआ? क्या गलत हुआ? प्रतिक्रिया जाने तो सुधार संभाव होगा। जब सब साथ बैठें, मोबाइल सबके ही दूर रखे जायें।

(4) प्रशंसा करें, सराहना करें : परिवार के सदस्य चाहे छोटा हो या बड़ा, अच्छा कार्य करने पर उसकी प्रशंसा अवश्य करें, जिससे उसे पुनः उत्साहपूर्वक कार्य करने का प्रोत्साहन मिलेगा। सहयोग के लिये धन्यवाद भी दें, कार्य चाहे छोटा हो या बड़ा, मानव स्वभाव है। प्रशंसा से उसे प्रेरणा मिलती है। अतः सदैव ध्यान रखें।

(5) सहानुभूति व सहयोग करें : सभी सदस्यों की भावनाओं को समझने का प्रयास करें। उनकी पूरी बात सुनें, यदि कोई शीघ्र उत्तेजित हो जाता है, गुस्सा करता है, दूसरे सदस्य को उस समय चुप रहना चाहिये। बाद में भले ही समझाइश दें। कहावत है-

''जब ज्यादा खुशी हो, कोई वादा न करें,
जब गुस्सा आये, दूसरा जवाब न दे
जब मन में निराशा हो, कोई निर्णय न लें।''

इस प्रकार स्वभाव में एक-दूसरे का सहयोग करें एवं परिवार में बीमारी, दुर्घटना, बड़ा कार्यक्रम हो, एक-दूसरे की विशेषकर बुजुर्गों की सेवा करें, सहयोग करें, तभी परिवार सुखी रह सकता है। सहानुभूति भी जरूरी है।

(6) मैं को भूलें, हम अपनायें, अहं का करें त्याग : परिवार में सभी कार्य सभी के सहयोग से सम्पन्न होते हैं, अतः ये न कहें मैंने किया, बल्कि ''हमने किया'' इन शब्दों का उपयोग करें। मैं बड़ा हूँ, इस बात का अहं न पालें, बल्कि बड़ों में त्याग की भावना होनी चाहिये, कहीं कुछ लेना हो तो बड़े पीछे रहें तथा देना हो तो बड़े आगे रहें। परिवार में त्याग व समर्पण की भावना होगी तो आदर स्वयं मिलेगा। बड़ों का आदर करें।

(7) जैसा व्यवहार स्वयं के लिये चाहते हैं, वैसा ही दूसरों के साथ करें : प्रकृति का नियम है जैसा हम देंगे, वही लौटकर आयेगा। हम बड़ों का आदर करेंगे, बच्चे भी देखकर वही सीखेंगे व करेंगे। खुशियां चंदन की तरह होती हैं, दूसरे के माथे पर लगाओगे तो स्वयं महक जाओगे। सोच समझकर, तोलमोल कर बोलें, सामने वाले पर क्या प्रभाव पड़ेगा, विचार कर कम बोलें, पर मधुर बोलें।

(8) धार्मिक कार्य उत्सव, त्यौहार सब मिलकर मनायें : सभी जानते हैं, कोई भी उत्सव या त्यौहार का आनंद अकेले में नहीं सामूहिक रूप से मनाने में ही आता है। परिवार में सभी धार्मिक कार्य, त्यौहार, पूजन, भजन, भोजन आदि सब साथ करें, उसका आनंद ही अलग है। सब मिलकर मनायें, घनिष्ठता बढ़ेगी।

(9) माफ करें एवं माफी माँग लें व भूल जायें : हर व्यक्ति में गुण व अवगुण दोनों होते हैं, परिपूर्ण कोई नहीं होता है और जो कार्य करता है, भूल होना स्वाभाविक भी है। अतः किसी सदस्य से कोई गलती हो जाये, वह भी खुले दिल से माफी मांग ले, तो दूसरे सदस्य माफ भी कर दें एवं भूल जायें, मन में गाँठ बनाकर न रखें। अच्छा करें तो गुणों की प्रशंसा भी अवश्य करें। क्षमा करने वाले का दिल बड़ा होता है, ऐसा कहा जाता है। अतः दिल बड़ा रखें, पूर्वाग्रह से ग्रसित न रहें, तो परिवार सुखी रहेगा।

(10) न अपेक्षा रखें न उपेक्षा करें : परिवार में सदस्यों में एक-दूसरे में यदि अपेक्षा रखते हैं और पूर्ण नहीं होती है तो मन दुःखी होता है, अतः मन में कोई आशा न रखें। न किसी की उपेक्षा करें, सबके साथ समान व्यवहार करें, तो सुखी रहेंगे।

(11) सकारात्मक सोच रखें : सभी सदस्य, परिवार में व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को गौण करके, परिवार की सुख शांति को प्राथमिकता दें। छोटी-छोटी बातों में आशावादी दृष्टिकोण अपनायें। नकारात्मक न सोचें। व्यवहार में लचीलापन रखें तो परिवार सुखी व सम्पन्न होगा।

जीवन एक उत्सव है, इसे प्रेम से मनाइये,
जीवन एक गीत है, इसे जी भरकर गाइये
जीवन एक संघर्ष है, जी जान से सामना कीजिये
जीवन एक सपना है, इसे प्रेम से साकार कीजिये
और मधुरतम बनाइये...

सत्य घटना पर आधारित कृष्ण नाम का चमत्कार

कुछ दिन पहले की बात है। धीमी धीमी ठंडी हवा चल रही थी। हम एक्टिवा धीरे-धीरे चला कर । मन ही मन कृष्ण नाम का जाप करते हुए, रांची के राम मंदिर से श्याम मंदिर जा रहे थे।

कुछ समय पश्चात हमें मुड़ना था। इंडिकेटर ऑन किया। लेकिन इंडिकेटर काम नहीं कर रहा था। थोड़ा आगे बढ़ने के बाद हमारे सामने कुत्ता आ गया। जैसे ही ब्रेक लगाने लगी । ब्रेक काम नहीं कर रहा था । सोचने लगी। हे! कान्हा यह क्या हो गया! गाड़ी तो अभी ठीक थी। जैसे तैसे हम श्याम मंदिर पहुंच गए। श्याम मंदिर पहुंचकर एक्टिवा को साइड में लगाकर लॉक करने लगी । लॉक भी नहीं लग रहा था। मैंने बहुत कोशिश की। लेकिन चाबी घूम ही नहीं रही थी।

तभी मेरी नजर एक श्याम भक्त पर पड़ी। उन्हें मैंने अपनी समस्या बताई । आग्रह किया कि एक बार वह भी कोशिश करे। भैया ने बहुत कोशिश की, लेकिन लॉक नहीं लग रहा था। मैं बहुत परेशान हो गई। मन ही मन मे कहने लगी। हे कान्हा! यह क्या हो गया है? तभी एक्टिवा के सामने मेरी नजर गई, तो हैरान हो गई। क्योंकि मेरी एक्टिवा में जय श्री कृष्ण लिखा हुआ है। और इस एक्टिवा में नहीं लिखा था। हे कृष्ण! मैं किसी दूसरे भक्त की एक्टिवा लेकर आ गई। तभी मैंने श्याम भक्त से कहा कि भैया पता नहीं यह किसकी एक्टिवा है। यह मेरी नहीं है । उन्होंने पूछा आप अभी कहां से आए हैं। मैंने कहा राम मंदिर से । भैया ने कहा आप हमारे साथ राम मंदिर चलिए, वही पता चलेगा। हम भैया के साथ राम मंदिर पहुंचे। देखा कि मेरी एक्टिवा वहीं पर है। वहां कुछ भक्त पहले से ही उपस्थित थे । मुस्कुराते हुए कह रहे थे। आप दूसरा एक्टिवा लेकर चले गए। हमने आवाज भी लगाई। लेकिन आप अपनी ही धुन में थे।

जिनका एक्टिवा था, वह सज्जन मंदिर से बाहर आए। उन्होंने कहा-भाभी हम आपको जानते हैं। पंडितजी आपको फोन लगा रहे थे, लेकिन आपने फोन रिसीव नही किया । मैने देखा बैग में मोबाइल नहीं है। मैने कहा आज हम मोबाइल लाना भूल गए।

मैंने अपनी भूल के लिए उनसे क्षमा मांगी। जो भक्त राम मंदिर हमारे साथ आए थे, उन्हे धन्यवाद दिया। और अपनी एक्टिवा लेकर घर आ गई।

रास्ते में सोचने लगी, ना ही मेरा एक्टिवा था, ना ही इंडिकेटर काम कर रहा था, ना ही ब्रेक, ना एक्टिवा लॉक हुआ और ना ही मेरे पास मोबाइल था। इस समय हाईवे पर स्कूल की बस बहुत तेज से चलती है। ऐसे परिस्थिति में ना जाने क्या कुछ नहीं हो जाता। पता नहीं ऐसी कौन सी दिव्य शक्ति ने मेरी रक्षा की क्योंकि जिस समय मेरा ब्रेक काम नहीं कर रहा था। उस समय सड़क में दूर-दूर तक कोई गाड़ी या ट्रक नहीं था।

इसी ताना-बाना में याद आया, कुछ दिन पहले एक सज्जन व्यक्ति से मुलाकात हुई थी। उन्हें शास्त्रों का अच्छा ज्ञान था। हम संस्कृत में गीता जी सीख रहे है। कैसे हम भगवान की अराधना करें? उन्होंने कहा आप सिर्फ कृष्ण नाम का जाप करिए। आपके जीवन में बहुत चमत्कार होने लग जाएंगे। आपको अपने आप शास्त्रों का ज्ञान होने लग जाएगा । उस सज्जन की बातों को ध्यान में रखकर, हम कृष्ण नाम का जाप करने लग गए थे। कृष्ण ने कैसा अद्भुत चमत्कार किया। ना कोई बस, ना ट्रक, ना कोई व्यक्ति और कृष्ण मेरी रक्षा कवच बनाकर मेरे साथ थे। ऐसा लग रहा था, जो राम मंदिर के पास में खड़े भक्त मुस्कुरा रहे थे। वह कृष्ण का ही स्वरूप थे। जो श्याम मंदिर के पास मेरी सहायता की। वह भी कृष्ण का ही एक रूप था। धन्य है प्रभु तेरी लीला! हमने कुछ मिनट ही कृष्ण नाम लिए थे, हमे फूलों की तरह गोद में उठा लिया । अपने भक्तों पर कभी आंच भी नहीं आने देते, नारायण कवच बनकर रक्षा करते है।

हे माधव...

मेरी जिंदगी की किताब में हर अध्याय तुम्हारा है ...!

कहानी तो मेरी है पर हर पन्ने पर नाम तुम्हारा है...!!

अनीता साबू, रांची

स्वास्थ्य-चर्चा

लिपिड प्रोफाइल क्या है?

एक प्रसिद्ध डॉक्टर ने लिपिड प्रोफाइल को बहुत ही बेहतरीन ढंग से समझाया और अनोखे तरीके से समझाने वाली एक खूबसूरत कहानी साझा की।

कल्पना कीजिए कि हमारा शरीर एक छोटा-सा कस्बा है। इस कस्बे में सबसे बड़े उपद्रवी हैं - कोलेस्ट्रॉल।

इनके कुछ साथी भी हैं। इनका मुख्य अपराध में भागीदार है - ट्राइग्लिसराइड। इनका काम है - गलियों में घूमते रहना, अफरा-तफरी मचाना और रास्तों को ब्लॉक करना। दिल इस कस्बे का सिटी सेंटर है। सारी सड़कें दिल की ओर जाती हैं।

जब ये उपद्रवी बढ़ने लगते हैं तो आप समझ ही सकते हैं क्या होता है। ये दिल के काम में रुकावट डालने की कोशिश करते हैं।

लेकिन हमारे शरीर-कस्बे के पास एक पुलिस बल भी तैनात है - एचडीएल-वो अच्छा पुलिसवाला इन उपद्रवियों को पकड़कर जेल (लिवर) में डाल देता है। फिर लिवर इनको शरीर से बाहर निकाल देता है - हमारे ड्रेनेज सिस्टम के जरिए।

लेकिन एक बुरा पुलिसवाला भी है -एलडीएल जो सत्ता का भूखा है। एलडीएल इन उपद्रवियों को जेल से निकालकर फिर से सड़कों पर छोड़ देता है।

जब अच्छा पुलिसवाला एचडीएल कम हो जाता है तो पूरा कस्बा अस्त-व्यस्त हो जाता है।

ऐसे कस्बे में कौन रहना चाहेगा? क्या आप इन उपद्रवियों को कम करना और अच्छे पुलिसवालों की संख्या बढ़ाना चाहते हैं? चलना शुरू कीजिए!

हर कदम के साथ एचडीएल बढ़ेगा, और कोलेस्ट्रॉल, ट्राइग्लिसराइड और एलडीएल जैसे उपद्रवी कम होंगे।

आपका शरीर (कस्बा) फिर से जीवंत हो उठेगा। आपका दिल - सिटी सेंटर - उपद्रवियों की ब्लॉकेज (हार्ट ब्लॉक) से सुरक्षित रहेगा। और जब दिल स्वस्थ होगा तो आप भी स्वस्थ रहेंगे। इसलिए जब भी मौका मिले - चलना शुरू कीजिए! स्वस्थ रहें... और अच्छे स्वास्थ्य की कामना

यह लेख एचडीएल (अच्छा कोलेस्ट्रॉल) बढ़ाने और एलडीएल (खराब कोलेस्ट्रॉल) कम करने का बेहतरीन तरीका बताता है यानी चलना। हर कदम एचडीएल को बढ़ाता है। इसलिए - चलो, चलो और चलते रहो।

वरिष्ठ नागरिक सप्ताह में जानकारी दी गई:- 1. नमक, 2. चीनी, 3. ब्लीच किया हुआ मैदा, 4. डेयरी उत्पाद, 5. प्रोसेस्ड फूड्स

यह सब रोज खाएं:-1. सब्जियां, 2. दालें, 3. बीन्स, 4. मेवे, 5. कोल्ड प्रेस्ड तेल, 6. फल

तीन चीजें जिन्हें भूलने की कोशिश करें:-1. अपनी उम्र, 2. अपना अतीत, 3. अपनी शिकायतें

चार जरूरी चीजें जिन्हें अपनाएं:-1. अपना परिवार, 2. अपने दोस्त, 3. सकारात्मक सोच, 4. स्वच्छ और स्वागत भरा घर

तीन मूलभूत बातें जिन्हें अपनाना चाहिए:

1. हमेशा मुस्कराएं, 2. अपनी गति से नियमित शारीरिक गतिविधि करें, 3. अपने वजन की जांच और नियंत्रण करें

छः आवश्यक जीवन-शैली जो आपको अपनानी चाहिए -1. पानी पीने के लिए तब तक प्रतीक्षा न करें जब तक आप प्यासे न हों। 2. आराम करने के लिए तब तक प्रतीक्षा न करें जब तक आप थके नहीं। 3. चिकित्सीय परीक्षणों के लिए तब तक प्रतीक्षा न करें जब तक आप बीमार न हों। 4. चमत्कारों की प्रतीक्षा न करें, भगवान पर भरोसा रखें। 5. कभी भी अपने आप पर से विश्र्वास न खोएं। 6. सकारात्मक रहें और हमेशा एक बेहतर कल की आशा रखें।

लघु कथा

असंभव के पार

प्रसिद्ध लेखक और मोटिवेशनल स्पीकर डेविड जे. श्वार्ट्ज एक कार्यशाला में रचनात्मक तरीके से कैसे सोचें? विषय पर अपने श्रोताओं से मुखातिब थे। अचानक उन्होंने कहा- आने वाले 30 वर्षों में, देश-दुनिया से जेलें समाप्त हो जाएँगी। बताइए, आप लोग इस पर क्या कहना चाहते हैं?

सभी को लगा शायद उन्होंने कुछ गलत सुना है। एक साथ सबके मुँह से निकला-

सर, ज़रा दुबारा कहिए?

डेविड ने वही बात फिर दोहराई। अब तो हॉल में सन्नाटा छा गया। लोगों को लगा यह तो असंभव है। जब तक मानव प्रजाति है, अपराध खत्म नहीं हो सकते। और अगर अपराधियों को सज़ा ही नहीं होगी तो लूट-खसोट, अनैतिकता और आपाधापी तो और बढ़ जाएगी।

डेविड मुस्कुराए। उन्हें समझ आ गया कि प्रयोग मज़ेदार हो रहा है। उन्होंने कहा-ठीक है, अब कल्पना कीजिए कि सरकार ने सचमुच यह तय कर लिया है कि जेलें खत्म करनी हैं। आप हमें बताइए कि ऐसे में सरकार क्या करे?

धीरे-धीरे सुझाव आने लगे-गरीबी अपराध की जननी है, इसे समाप्त करना होगा। युवाओं के लिए कौशल केंद्र खोलने होंगे। ऐसी दवाइयाँ विकसित करनी होंगी, जिससे हिंसक प्रवृत्ति नियंत्रित हो सके। पुलिस को और अधिक प्रशिक्षित व बुद्धिमान बनाना होगा। अनुसंधान और तकनीक को सशक्त बनाना होगा।

और देखते-देखते 78 ठोस सुझाव सामने आ गए-उन्हीं लोगों के, जो कुछ देर पहले कह रहे थे कि सोचना भी असंभव है।

डेविड ने कहा-इस प्रयोग का मकसद सिर्फ यह है कि जब हम विश्वास कर लेते हैं, तो हमारा दिमाग़ हल ढूँढ़ने लगता है। दिमाग को उपजाऊ बनाइए, समस्या उसके सामने रखिए, और इस पर यकीन कीजिए हर मुसीबत का हल आपके पास है।

यही तो कारण है कि-

गूगल अपने कर्मचारियों को 20% समय सिर्फ़ नए विचारों पर काम करने के लिए देता है।

एलन मस्क ने टेस्ला के ज़रिए इलेक्ट्रिक कारों की क्रांति ला दी। एयरबीएनबी ने घर-आधारित आवास को नया आयाम दिया। उबर ने राइड-शेयरिंग से यात्रा को सस्ता और आसान बनाया। अमेज़न ने ड्रोन डिलीवरी का सपना साकार किया। माइक्रोसॉफ़्ट ने होलोलेन्स से आभासी और वास्तविक दुनिया को मिला दिया।

ये सब आसमानी चमत्कार नहीं, बल्कि मानव सोच के चमत्कार हैं।

याद रखिए-कोई भी बीज बर्फ पर नहीं उगता। अगर आप अपने दिमाग़ पर परंपरा की बर्फ़ जमने देंगे तो नए विचार जन्म ही नहीं लेंगे। औसत लोग हमेशा प्रगति से चिढ़ते हैं, पर सच तो यह है-एक अच्छा काम कई तरीकों से किया जा सकता है, जितने इंसान, उतने रास्ते।

और अंत में अगर आप मान लेंगे कि कोई काम असंभव है, तो आपका दिमाग आपको साबित करके दिखा देगा कि यह असंभव क्यों है।

लेकिन अगर आप यकीन कर लेंगे कि यह काम हो सकता है-तो वही दिमाग़ आपके लिए समाधान ढूँढ़ने में लग जाएगा।

रामानंद काबरा, जोधपुर 9414070142

जीवन में शांति चाहते हैं तो दुसरों की शिकायतें करने से बेहतर है खुद को बदल लें।

माँ... या देवी सर्व भूतेषू...

माँ के रूप में प्रकृति के सर्वाधिक सुन्दर स्वरुप का दर्शन
जिसका मूल उद्देश्य है प्रकृतिनुसार गुणों का संतुलन
नवरात्रि में आराधना होती है शक्ति की
चहुँ ओर गूंजती है ध्वनि केवल भक्ति की
भय, बाधा, शत्रुनाशिनी
दिव्यस्वरूपा, महिषासुरमर्दिनी
उत्सव है ये प्राकृतिक सन्धि का
माँ के रूप में पधारती, रिद्धि और सिद्धि का
हर घर की नारी देवी स्वरूपा है
इसी से तो परिवार का अस्तित्व उपजा है
क्योंकि.........
नारी तुम स्वरुप हो प्रथम च शैलपुत्री का
तुमसे ही तो डेरा है घर में, सुख और समृद्धि का
तुम ही तो हो अद्वितीय च ब्रह्मचारिणी,
अपनी तपस्या और आचरण से परिवार तारिणी
कर्तव्य पथ पर चलने वाली
कठिन समय में न कभी विचलित होने वाली
तुम ही तो हो उपस्थित घर में,
लिए रूप तृतीय च चंद्रघंटा का,
तुरंत निवारण करती परिवार की हर समस्या का
चतुर्थ रूप है तुम्हारा देवी कुष्माण्डा, सृष्टि की रचनाकार
क्योंकि होता है तुम्ही से परिवार का विस्तार
स्त्री रूप में सुशोभित हो तुम पंचम च स्कन्दमाता,
तारकासुर रूपी बाधा का तुमसे ही अंत हो पाता
षष्ठम च मां कात्यायिनी, नारी शक्ति की प्रतिमूर्ति,
स्त्रीत्व में होती वृद्धि और करती सामंजस्य की पूर्ति
सप्तम च महा कालरात्रि,
उग्रस्वरूप से फैलाती दुष्टों में आतंक,
शुम्भ –निशुम्भ रूपी परिवार के
हर दुश्मन का करती तुम्ही तो अंत
अष्टम रूप महागौरी का, तप के प्रभाव से हुई कान्तिमान,
उसी तरह अनुभव के प्रकाश से तुम हो जाती विद्युत समान
अंतिम च सिद्धिदात्रि, माँ सरस्वती का रूप,
शक्ति – सामर्थ्य से कुछ भी रहता नहीं अगम्य, छाँव हो या धूप
शिव के अर्धनारीश्वर रूप की पहचान हो तुम,
परिवार में विराजती, हर घर का मान हो तुम
तुम्हे शब्दों में वर्णित कर पाना किसी के वश की बात नहीं
हे आदिशक्ति मंगलकारिणी, इतनी महान हो तुम
सही अर्थो में नवरात्रि पूजन तभी सार्थक होगा
ज़ब हर घर में नारी का सम्मान होगा

–मंजू हरकुट, मेरठ,
पश्चिमी उत्तर प्रदेश (संयुक्त मंत्री उत्तराँचल)

मेरे पास कितना काम है

एक दिन एक व्यक्ति पहाड़ पर घूमने गया जहाँ एक साध्वी ध्यान कर रही थी। उसने उन्हें दंडवत किया और उनसे पूछा, इतनी एकांत जगह पर आप यहाँ अकेले क्या कर रही हैं?

साध्वी ने जवाब दिया, यहाँ मेरे पास बहुत काम है। यहाँ आपके पास काम कैसे हो सकता है? मुझे यहाँ आस-पास कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है?

मुझे दो बाज और दो चील को प्रशिक्षित करना है, दो खरगोशों को सिखाना है, एक साँप को अनुशासित करना है, एक गधे को प्रेरित करना है और एक शेर को वश में करना है। और वे कहाँ गए हैं कि मैं उन्हें देख नहीं पा रहा? यह सभी मेरे भीतर हैं।

बाज हर चीज पर पैनी नजर रखते हैं, मेरी दोनों आँखें जो मेरे दोनों बाज हैं, उन्हें सिखाना है कि जो कुछ भी मेरे सामने है, अच्छा या बुरा, उनमें से केवल अच्छी चीजों को देखना है। मेरे दोनों हाथ मेरी दो चील हैं जो अपने पंजों से चोट पहुँचा सकते हैं और विनाश कर सकते हैं, मुझे उन्हें किसी को भी चोट न पहुँचाने के लिए प्रशिक्षित करना है। मेरे दोनों पैर मेरे दो खरगोश हैं। वे स्वेच्छा से भ्रमण करना चाहते हैं और कठिन परिस्थितियों का सामना नहीं करना चाहते हैं। मुझे उन्हें दुख या ठोकर लगने पर भी शांत रहना सिखाना है।

गधा हमेशा थका हुआ, जिद्दी होता है और हर बार चलने पर बोझ नहीं उठाना चाहता। वह मेरा शरीर है। मुझे इसे मेहनती बनाना है। मेरी जुबान साँप के समान है। साँप को वश में करना सबसे कठिन है। यद्यपि यह 32 दाँत स्वरूप सलाखों के साथ एक मजबूत पिंजरे में बंद है, फिर भी यह हमेशा किसी को भी डंक मारने, काटने और जहर उगलने को तैयार रहती है। मुझे इसे अनुशासित करना है। मेरे पास एक शेर भी है। ओह, कितना गर्व, व्यर्थ, वह सोचता है कि वह राजा है। मुझे उसे वश में करना है। और वह मेरा अहंकार है।

तो देखो वत्स, मेरे पास कितना काम है। हम अपने संसाधनों का उपयोग कैसे करते हैं, यह हमारे चरित्र को परिभाषित करता है। हमारे संसाधन हमारे आंतरिक संकाय हैं जैसे मन, बुद्धि, अहंकार... फिर समय और बाहरी संसाधन जैसे धन, शक्ति आदि। हमें उनका उपयोग सही उद्देश्य के लिए बेहतर तरीके से करना चाहिए। कई मनुष्य अपने सबसे बड़े दुश्मन बन जाते है एवं कई बार सबसे अच्छे दोस्त, इस कहानी में बताएं अनुसार अपने अच्छे दोस्त बनने के लिए अपने आप को परीक्षित करते रहे।

भोर वंदन

अपनी गृहस्थी को कुछ इस तरह बचा लिया करो
कभी आँखें दिखा दी कभी सर झुका लिया करो
आपसी नाराज़गी को लम्बा चलने ही न दिया करो
वो न भी हंसें तो तुम मुस्करा दिया करो
रूठ कर बैठे रहने से घर भला कहाँ चलते हैं
कभी उन्होंने गुदगुदा दिया कभी तुम मना लिया करो
खाने पीने पे विवाद कभी होने ही न दिया करो
कभी गरम खा ली कभी बासी से काम चला लिया करो
मीयां हो या बीबी महत्व में कोई भी कम नहीं
कभी खुद डॉन बन गए तो कभी उन्हें बॉस बना दिया करो
अपनी गृहस्थी को कुछ इस तरह बचा लिया करो...

स्नेह वंदन

स्वस्थ रहें, व्यस्त रहें, मस्त रहें।

उत्तरांचल

पूर्वी उत्तरप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

पंचम कार्यकारिणी बैठक ''सुदर्शना''

सप्तम कार्य समिति एवं पंचम कार्यकारिणी बैठक
सुदर्शना का था आगाज
लखनऊ, ट्रांस गोमती में उपस्थित,
सभी को मिल गई जैसे एक नई परवाज।
भगवान महेश का माल्यार्पण,
दीप प्रज्वलन का सुंदर नजारा।
शिव स्तुति की ताल पर,
झूम उठा प्रांगण सारा।
सुदर्शना नाम को सार्थक कर गया ,
स्वागत नृत्य ने दिल जीत लिया।
प्रीति, नविता की नपी-तुली एवं सधी वाणी ने ,
पूरे कार्यक्रम को गतिमान कर दिया।
राष्ट्रीय अध्यक्षा मंजु जी बांगड़ का प्रेरणात्मक उद्‍बोधन।
आने वाले कार्यक्रमों का पूर्ण विवेचन।।
प्रभावपूर्ण वाणी और ओजस्वी शैली।
आपको हमारा शत-शत नमन।।
पूर्व अध्यक्षा राधा जाजू एवं सुषमा सारड़ा का आशीर्वाद मिला।
किस-किस का धन्यवाद करूं, सभी से इतना स्नेह मिला।
रविंद्रजी,विनम्रजी, विकासजी को भी हमारा प्रणाम।
अपना पूरा समय देकर, रखा हमारा मान।
सभी बहनों का भरपूर जोश,समय का भी ना हुआ आभास।
मोनिका के सुन्दर नृत्य ने सभा में डाल दी नई श्वास।
प्रयागराज से आई प्रेरणा गीत की सुन्दर प्रस्तुति,
सभी के मन को मंत्र मुग्ध कर गई।
लखनऊ, ट्रांस गोमती समाज द्वारा राधा कृष्ण की सुन्दर प्रस्तुति।
कभी माखन चोरी तो, कभी महारास की मनमोहक प्रस्तुति।।
ऐसे लगा मानो लखनऊ में उतर आया हो वृंदावन।
इतनी सुंदर प्रस्तुतियां ,जिसने जीत लिया सबका मन।।
मुहावरों की अंताक्षरी ने जमाया ऐसा रंग,
सुस्वादु नास्ता एवं भोजन,कैसे करे आपको शुक्रिया अर्पण।
यूँ ही चढ़ता रहे प्रदेश, नित नए सोपान
बढ़ता रहे सदा प्रदेश का मान

लखनऊ की बैठक प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती भारती जी करवा की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन सचिव पुष्पा धूत ने किया। इस बैठक मे कोषाध्यक्ष स्मिताजी बिहानी, कार्य समिति उषाजी झंवर, संगठन मंत्री आभाजी काबरा, उपाध्यक्ष उषा जी काबरा,सीमा जी लड्ढा,ममता जी राठी, तकनीकी संचार समिति सहप्रभारी श्रीमती गरिमा गड्डानी की उपस्थिति रही। धन्यवाद ज्ञापन मनीष जी चोला एवं सुधा जी जाजू ने दिया। बैठक में 150 बहनें सदस्य उपस्थित रही।

अध्यक्ष-भारती करवा ✲ सचिव-पुष्पा धूत

पश्चिमी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

पंचम कार्यकारिणी बैठक ''सुयोगिता'' का भव्य आयोजन

1जुलाई 2025 को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अमरोहा संगठन द्वारा पंचम कार्यकारिणी बैठक सुयोगिता में प्रदेश से 225बहने पधारी।

मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मोटिवेशनल स्पीकर आदरणीय शोभा जी सादानी, विशिष्ट अतिथि युगल सिद्धा समिति राष्ट्रीय प्रभारी आदरणीय शर्मिला जी राठी रही। औद्योगिक मेला लगाया गया। जरूरतमंद बहन को रोजगार हेतु सिलाई मशीन प्रदान की गई। डॉ लाल पैथोलॉजी द्वारा 220 बहनों की रक्त जांच की गई व दो स्ट्रेचर प्रदान किए गए। ''मैं हूं सुयोगिता'' प्रतियोगिता का सुव्यवस्थित प्रस्तुतीकरण। गाथा माहेश्वरी आविर्भाव की माहेश्वरी वंशोत्पत्ति का नाटिका मंचन। जरूरतमंद कन्या के विवाह हेतु गृहस्थी के सभी सामानों सहित 31,500 की धनराशि प्रदान की गई। राष्ट्रीय कार्य समिति बैठक मंगल अभिव्यक्ति में प्रदेश से प्रथम दिन 44 व द्वितीय दिवस 54 बहनों की उपस्थिति रही।

आत्मरक्षा राष्ट्रीय महा- अभियान हेतु कार्यशाला आयोजित।प्रदेश से 6 वीडियो आत्मरक्षा ग्रुप में प्रेषित।

संगठनों द्वारा साइबर सुरक्षा जागरूकता हेतु कार्यशालाएं आयोजित। तीज उत्सव पर सभी संगठनों द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। परंपरा और आधुनिकता की कशमकश नाटिका का प्रस्तुतिकरण। विवाह की बढ़ती उम्र घातक परिणाम टॉपिक पर वर्कशॉप की गई।

2 संगठनों द्वारा 4 जरूरतमंद बच्चों की स्कूल की फीस जमा की गई। उत्तरांचल सह प्रभारी मंजुषा जी राठी द्वारा 1100 मेडिसिनल पौधे लगवाए गए। गो-संरक्षण,पक्षियों हेतु छत पर दाना-पानी, प्लास्टिक मुक्त भारत पर अपील। शुक्रताल स्थित अपना घर आश्रम में भोजन व्यवस्था की गई। मथुरा गाजियाबाद संगठन द्वारा भारतीय सैनिकों को राखीयां भेजी गई एवं वीर चक्र से सम्मानित कर्नल तेजेन्द्र पाल त्यागी जी को घर जाकर राखी बांधी गई। बारिश के मौसम में बीमारियों से कैसे बचा जा सके जूम पर कार्यशाला आयोजित की गई। प्रदेश से 2 किशोर किशोरियों ने सी ए एवं नीट की परीक्षा उत्तीर्ण की।

पाक कला, बेमिसाल जोड़ी, मेहंदी लगाओ, राखी बनाओ, झूला सजाओ, तीज क्वीन आदि प्रतियोगिता आयोजित

संगठनों द्वारा पाक कला, बेमिसाल जोड़ी मेहंदी लगाओ, राखी बनाओ, झूला सजाओ तीज क्वीन आदि प्रतियोगिता आयोजित। आधुनिक त्योहारों को परिवार सहित परंपरागत तरीके से कैसे मनाए के अंतर्गत परंपरा और आधुनिकता की कशमकश नाटिका का प्रस्तुतिकरण।

तीज उत्सव पर मेरठ आगरा अलीगढ़ संगठनों द्वारा उत्तरांचल संयुक्त मंत्री मंजु जी हरकुट एवं प्रदेश अध्यक्ष मोनिका जी माहेश्वरी का आतिथ्य। जन्माष्टमी पर छप्पन भोग भजन संध्या कीर्तन का आयोजन।

प्र.अध्यक्ष–मोनिका माहेश्वरी ❊ प्र.सचिव–मनीषा राठी

मध्य उत्तरप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

''तीजोत्सव अलंकृत'' सिंदूरी शाम में ''नव ज्योति'' मेला सम्पन्न

कार्यकारिणी व कार्यसमिति बैठक ''नवसृजन'' में 96% बहनों की उपस्थिति। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजु बांगड़ ने आत्म रक्षा अभियान, सिद्धि सृजन एवं मानस सिद्धि योजनाओं पर मार्गदर्शन दिया। आत्मरक्षा प्रशिक्षण में 9 स्कूलों में1065 बालिकाओं को बॉक्सिंग व कराटे प्रशिक्षण। मैनपुरी नव ज्योति मेले में 40 स्टॉल लगे। 79वां स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन, ऋषि पंचमी में रक्षा सूत्र बांधा एवं सातुड़ी तीज पर चंद्र अर्ध्य, सामुहिक महारुद्राभिषेक में 51 परिवारों की भागीदारी। कानपुर तीजोत्सव ''अलंकृत'' सिंदूरी शाम में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजु बांगड़ के सौजन्य से षष्ठीपूर्ति पर 5 जोड़े सम्मानित। 67 बच्चों द्वारा ''हमारी संस्कृति हमारी धरोहर'' रंगीलो राजस्थान प्रस्तुति। बॉलीवुड थीम एवं सिक्कों से आभूषण सज्जा ''तीज क्वीन'' प्रतियोगिता में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष सीमा झंवर द्वारा पुरस्कृत। हर सीट हॉट सीट सीजन 2 में श्रीमती मृगांका माहेश्वरी द्वितीय एवं श्रीमती प्रीति माहेश्वरी विजेता रही। उरई में 13 वरिष्ठ बहनों का सम्मान। सीमा झंवर, नीलम मंत्री के सौजन्य से सृजन विद्यालय जीर्णोद्धार में मंजुजी बांगड़ द्वारा उद्घाटन। जालौन में 375 पौधों का रोपण। 70 किशोरियों का सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण। श्रीमती करुणा अटल के प्रयास से 2 संबंध हुए। सक्षम प्रोजेक्ट में बहने को विभिन्न कला का प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास। त्रैमासिक रिपोर्ट में प्रदेश कोहिनूर श्रेणी से सम्मानित।

अध्यक्ष–श्रीमती सीमा झंवर ❊ सचिव–श्रीमती नीलम मंत्री

दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

''मैं हूं शक्ति'', ''मैं हूं बल सुरक्षित, मैं सुरक्षित कल...''आत्मरक्षा कार्यशाला का आयोजन

श्रावण-भाद्रो की फुहार जैसे लाई खुशियों की बहार,
सोलह श्रृंगार में सज-धज सखियों ने,
खूब हर्षोल्लास से मनाएं अपने सभी पारंपरिक त्यौहार।

देवाधिदेव महादेव को समर्पित श्रावण मास में बहनों द्वारा सामूहिक रुद्राभिषेक, वीडियो के माध्यम से मानसरोवर की अमृतमयी यात्रा का मानसिक दर्शन, गौ सेवा तथा भंडारा कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कांवड़ियों की सेवा साक्षात भगवान शिव की सेवा भावना तहत बहनों तथा बच्चों ने कावड़ कैंप में जाकर अपनी सेवाएं अर्पित की। कांवड़ियों को भोजन, फल, अन्य जरुरी सामान तथा अर्थ प्रदान करके सेवा का लाभ उठाया।

अपनी संस्कृति व सनातनी परंपराओं से जोड़ने तथा जीवन में ऊर्जा, उमंग उत्साह के रंग भरने हेतु तीजोत्सव पर्व खूब धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाया गया।

गुरु पूर्णिमा,स्वतंत्रता दिवस, जन्माष्टमी, नंदोत्सव, गणेश जन्मोत्सव तथा राधाष्टमी पर्व पर विभिन्न सांस्कृतिक, आध्यात्मिक तथा पारिवारिक स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किए गए।

संतान की लम्बी उम्र व खुशहाली की कामना के साथ बछबारस कथा कहानी, परिक्रमा, सूर्य अर्ध्य के सभी रीति रिवाजों को निभाकर 10 बहनों का भव्यतम सामूहिक उद्यापन आयोजन रखा गया जिसमें 140 बहनों को मान-सम्मान सहित बैठाकर भोजन करवाकर तिलक लगाकर भेंटस्वरूप श्रीफल व पान दिया गया।

रक्षाबंधन के महत्व को दर्शाती भाई बहन के अटूट बंधन, प्यार, त्याग एवं समर्पण के बारे में 10 अनसुनी कहानियों का चित्रण तथा गणेश उत्सव के महत्व संग गणपति बप्पा के साथ मोरया क्यों बोला जाता है, के बारे में तार्किक जानकारी से सभी को अवगत करवाया।

''मैं हूं शक्ति'' ''मैं हूं बल सुरक्षित, मैं सुरक्षित कल'' के सार्थक सन्देश के साथ आत्मरक्षा कार्यशाला, नारीत्व : सौंदर्य और संदेश तथा मेंटल वेलनेस, पेरेंटिंग और मेनोपॉज प्रसंग पर उपयोगी सेमिनार का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता हर सीट हॉट सीट सीजन 2 में दिल्ली प्रदेश ने तृतीय तथा सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किए।

अध्यक्ष-श्यामा भांगड़िया * सचिव-लक्ष्मी बाहेती

हरियाणा पंजाब प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

तीज सिंजारा प्रदेश की बहनों ने वन भोज करके मनाया एवं आत्मरक्षा अभियान चलाया

सावन की रिमझिम फुहार की दस्तक ने हरियाणा पंजाब प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन को लोहार्गल भ्रमण यात्रा के लिए प्रेरित किया रानी सती जी, शाकंभरी देवी, खाटू श्याम जी, माहेश्वरी माता एवं लोहार्गल कुंड के जल से स्वयं को पावन किया। सावन में तीज सिंजारा प्रदेश की बहनों ने वन भोज करके मनाया। अनुकूल मौसम और अद्भुत पहाड़ी दृश्य देखकर हिल स्टेशन का अनुभव हुआ। सावन में भगवान शिव जी एवं कृष्ण रास पर भजन गाए गए। बरसात के सुंदर नगमों का आनंद लिया गया।

संगठन स्तर पर कजरी तीज के सिंजारे नाच गाकर मनाए गए। तीज क्वीन एवं तीज सत्तू डेकोरेशन प्रतियोगिताएं कराई गई। जन्माष्टमी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। शिव पुराण करवाकर 400 लोगों का भंडारा किया गया। भागवत का आयोजन हुआ। छप्पन भोग की प्रसादी लगी। गणेश चतुर्थी पर गणेश जी विराजित किए गए। ऋषि पंचमी का त्योहार माहेश्वरी राखी के रूप में मनाया गया।

राष्ट्रीय से आए आत्मरक्षा अभियान को भी करवाया जा रहा है। सर्वाइकल कैंसर संबंधी वार्ता के साथ-साथ वैक्सीनेशन कार्यक्रम किया गया जिसमें 60 फॉर्म भराए गए और आठ बेटियों का वैक्सीनेशन करवाया गया। डर्मेटोलॉजिस्ट स्किन केयर अवेयरनेस का सेशन रखा गया। नो प्लास्टिक अवेयरनेस प्रोजेक्ट के लिए टोड बैग बनाए गए। इस प्रकार सावन भादो के दोनों महीने राधा अष्टमी के साथ संपन्न हुए।

प्र.अध्यक्ष-सीमा मूंदड़ा ❋ प्र.सचिव-अनु सोमानी

दक्षिणांचल

तेलंगाना आंध्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

कैंसर वैक्सीन 350 किशोरियों को दी गई

तेलंगाना आंध्र प्रादेशिक पंचम कार्य समिति बैठक विशाखापट्टनम में संपन्न हुई 130 बहनों की उपस्थिति रही सभी जिले एवं स्थानीय संगठनों द्वारा राखी व तीज के अवसर पर बहनों द्वारा औद्योगिक मेले लगाए गए एवं जन्माष्टमी बछ बारस राधा अष्टमी सातुडी तीज पर उद्यापन एवं और अनेक प्रकार के कार्यक्रम संपन्न सभी क्षेत्रों में हुए प्रादेशिक सभा के साथ मिलकर सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन 350 किशोरियों को दी गई। 11000 की राशि गौशाला में प्रदान की गई। कैंसर की वजह से बिग बनवाकर बहनों को दिए जा रहे हैं अनाथालय स्कूलों में बच्चों को इको फ्रेंडली गणेश प्रतिमा का वितरण किया। सिलाई मशीन दी जाती है। 15 अगस्त के अवसर पर देशभक्ति गीत प्रतियोगिता संपन्न राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्ष श्रीमती शोभा जी सादानी द्वारा जजमेंट किया गया एवं बढ़ते तलाक में अभिभावक की भूमिका पर व्यक्तत्व दिया प्रदेश को कोहिनूर कैटेगरी प्राप्त हुई।

प्र.अध्यक्ष-रजनी राठी ❋ प्र.सचिव-मंजु लाहोटी

कर्नाटक गोवा प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन

तीज का महत्व एवं सत्तू का महत्व अध्यात्म और वैज्ञानिक दृष्टि से समझाया

राष्ट्रीय स्तर पर त्रैमासिक रिपोर्टिंग में कर्नाटक प्रदेश कोहिनूर कैटिगरी प्राप्त कर सुशोभित हुआ। प्रदेश द्वारा तीज के निमित्त ''सिंजारा लगे हमें प्यारा'' कार्यक्रम जुम पर आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता लीला जी करवा ने तीज का महत्व एवं सत्तू का महत्व अध्यात्म और वैज्ञानिक दृष्टि से समझाया और उसके लाभ भी बताएं। 105 महिलाओं ने इसका लाभ लिया। इस अवसर पर दो प्रतियोगिताएं आयोजित की गई एक नृत्य प्रतियोगिता जो दो ग्रुप में ली गई उम्र 45 के नीचे और 45 के ऊपर। सावन, बरसात लहरिया एवं श्रृंगार के राजस्थानी गानों पर नृत्य प्रस्तुत करना था दूसरी प्रतियोगिता सावन या तीज पर हास्य नाटिका एक अलग अंदाज रहा दोनों ही प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। छोटी तीज के निमित्त साथ रहे परिवार मिलकर मनाएं त्यौहार कार्यक्रम का आयोजन हुआ। सभी स्थानीय संगठनों द्वारा जन्माष्टमी, गणेश उत्सव, राधा अष्टमी, एकादशी कार्यक्रम संपन्न हुए। छतरी सजावट, झूला सजावट, मेहंदी, हल्दी-कुमकुम की पैकिंग अलग-अलग प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ एवं विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

सावन महीने के उपलक्ष्य में प्राय सभी शहरों में सावन की सेल का आयोजन किया गया जहां बच्चों और बड़ों के लिए अलग-अलग गेम्स एवं वन भजन का आनंद

लिया गया।

बेंगलुरु में छोटी तीज एवं बछ बारस का सामूहिक उद्यापन करवाया गया और महिलाओं के उत्थान के लिए हस्तकला एवं उद्योग मेले का आयोजन किया गया जिससे जमा राशि जैन मिशन हॉस्पिटल में डायलिसिस पेशेंट के लिए दी गई । बेलगाम में सुंदर नाटिका द्वारा 18 अध्याय के भागवत गीता का सार बताया गया। प्रायः सभी शहरों में सर्वाइकल कैंसर इंजेक्शन के फर्स्ट डोज का कार्य सुचारू रूप से संपन्न हुआ। बालिकाओं के लिए आत्मरक्षा कार्यशाला इरुकल बीजापुर बेलगाम आदि शहरों में संपन्न हुई। बीजापुर महिला मंडल द्वारा 2000 की राशि मंदिर में भेंट दी गई। राष्ट्र द्वारा आए सभी प्रकल्प में प्रदेश की उत्तम सहभागिता रहती है।

अध्यक्ष-सरोज कासट ❊ सचिव-सुनीता लाहोटी

महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

''सुंदर मेरा आंगन'' प्रतियोगिता आयोजित

गणेश चतुर्थी के दिन संस्कार सिद्धा समिति के अंतर्गत गणेश उत्सव के उपलक्ष में बच्चों के लिए तीन राउंड की प्रतियोगिता। ''हमारे त्यौहार हमारी विरासत''-पहले राउंड स्केच को कलरिंग करना, दूसरे राउंड में सवालों के जवाब देने थे। तीसरा और फाइनल राउंड ऑनलाइन फैंसी ड्रेस के रूप में ली गई। चयनित 25 बच्चों के साथ फैंसी ड्रेस राउंड संपन्न हुआ। इसमें प्रमुख अतिथि एवं निर्णायक के रूप में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आ. शोभाजी सादानी एवं संस्कार सिध्दा बाल एवं किशोरी विकास समिति रा. प्रभारी अंजलीजी तापड़िया उपस्थित थे। इस प्रतियोगिता में हर जिला से पांच इस तरह 96 बच्चों ने सहभाग लिया था। बच्चों को ऑनलाइन पुरस्कार राशि देकर पुरस्कृत किया गया। हर

सीट, हॉट सीट में प्रदेश ने बहुत सारे पुरस्कार हासिल करके प्रदेश का परचम लहराया। संकल्पसिद्धा समिति अंतर्गत सुंदर मेरा आंगन यह प्रतियोगिता ली गई। जिसमें अपने सुंदर हरेभरे आंगन के वीडियो भेजने थे। जिसमें पूरे महाराष्ट्र से 125 वीडियो आए और पहले 10 बेस्ट वीडियो को पुरस्कृत किया गया। युगल सिद्धा गठबंधन समिति अंतर्गत ऑनलाइन विशेष परिचय सम्मेलन 3 अगस्त को तलाकशुदा, विधवा/ विदुर एवं 33 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के युवक-युवतियों के लिए लिया गया। इसमें 72 पुरुष और 14 महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया। जुलाई और अगस्त महीने में सात संबंध जोड़ने में कामयाब हुए।

आओ सीखते हैं हर्बल प्रोडक्ट्स बनाना

महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन एवं बीड जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा संकल्प सिध्दा समिति अंतर्गत सबके मन को तरोताजा करता है, हरा भरा आंगन इसी संकल्पना को लेकर ''सुंदर मेरा आंगन'' प्रतियोगिता का आयोजन। सभी के दिल को सुकून देने वाला अपने घर का एक हिस्सा यानि अपना आंगन हरा भरा रहे एक पॉजिटिव एनर्जी रहे। प्रकृति से जुड़े रहने के लिए यह प्रतियोगिता आयोजित की थी। प्रदेश में करीबन 122 के

लगभग इंट्री आई। उसमें से बेहतरीन 42 इंट्री हमने जज के पास भेजी। आ.जज रहे शुभदाजी लोहीया, अंबाजोगाई एव पवनजी लड्ढा लातूर।

आवो सिखते है हर्बल प्रोडक्ट्स बनाना , 11 सितम्बर को ज़ुम पर संपन्न। कार्यशाला की मार्गदर्शिका आ अंजुजी कलंत्री, लातूर ने बहुत ही सरल, सहज पद्धति से अपने कीचन व गार्डन में मौजूद चीजों से अत्यंत उपयुक्त 10 हर्बल प्रोडक्ट्स बनाना सिखाया। 365 से ज्यादा बहने लाभान्वित ओर अंत: तक जुडी रही।

प्र. अध्यक्ष- सुनीता पलोड * प्र.सचिव-सुनीता चरखा

मुंबई माहेश्वरी महिला संगठन

तीज सिंझारा एवं श्री कृष्ण जी का जन्मोत्सव मनाया

सावन की रिमझिम बौछारें मेहंदी से सजे हाथ और सत्तू की भीनी भीनी खुशबू तीज के त्यौहार के आने का संकेत देती है। सिंजारे पर सभी का सज धज कर तैयार होना मन में उमंग भर देता है। इसी कड़ी में मुंबई के सभी क्षेत्रों में तीज के त्योहार पर सिंझारे का आयोजन किया गया। मुंबई के गिरगांव में तीज सिंझारा और सातू वितरण उद्घाटन समारोह बड़ी ही धूमधाम से किया गया। मुंबई में बहुत बड़े पैमाने पर सातू चूर्ण वितरण और तैयार सातू का वितरण सभी क्षेत्रों में किया गया।

भगवान विष्णु के आठवें अवतार के रूप में श्री कृष्ण जी का जन्मोत्सव मनाया जाता है इसी उपलक्ष्य में श्रीकृष्ण लीला का जन्मोत्सव अंधेरी में मनाया गया सुमधुर भजनों की प्रस्तुति सुप्रसिद्ध गायक अवधेश जी गोस्वामी के सानिध्य में की गई और समाज की बहनों द्वारा वृंदावन की झांकियां का विशेष आकर्षण रहा। मलाड में नंदम – आनंदम : एक भक्तिमय शाम जहाँ भजनों की मधुर धुनों, और भावपूर्ण प्रस्तुतियों के साथ मनाया गया नंदोत्सव।

जहाँ-जहाँ भक्ति, वहाँ-वहाँ श्याम,
हर भक्त के संग हैं श्री भगवान।
कृष्ण लीला में छिपा है प्रेम अपार,
भक्त के भावों में बंधे नंदकुमार।

गौ माता पूजनीय है इसी संदेश के साथ बछ बारस के अवसर पर गोरेगांव में बछ बारस का उद्यापन कार्यक्रम माहेश्वरी भवन अंधेरी में कल्पनाजी गगडानी अतिथि की उपस्थिति में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ इस कार्यक्रम में 12 उद्यापन संपन्न हुए एवं 185 बहनों की उपस्थिति रही सभी ने कार्यक्रम की सराहना की।

प्रथम पूज्य गणपति जी के आगमन के अवसर पर गणेश चतुर्थी को सिद्धि विनायक यात्रा का आयोजन किया गया और विसर्जन के अवसर पर गिरगांव चौपाटी पर कचोरी का वितरण किया गया।

प्र.अध्यक्ष-अनीता माहेश्वरी * प्र.सचिव-सीमा बागला

मध्यांचल

गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन

निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर सम्पन्न, 'बंधन' घरेलु उद्योग मेले का आयोजन

अहमदाबाद जिले में सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन का तृतीय चरण सफल। 400 युवतियां लाभान्वित। राष्ट्रीय प्रभारी श्रीमती मंगलजी मर्दा तथा श्रीमती कुंतलजी तोषनीवाल की विशेष उपस्थिति।

अहमदाबाद की श्रद्धाजी माहेश्वरी ने टेबल टेनिस राष्ट्रीय टूर्नामेंट में डबल्स में स्वर्ण तथा सिंगल में कांस्य पदक जीता। कुमारी दिविजा तोषनीवाल ने सीबीएसईवेस्ट जोन ताइक्वांडो चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता। राष्ट्रीय स्तर पर चयनित वह प्रथम माहेश्वरी बालिका है। जामनगर संगठन की बहनों का नेक्सजेन डांस कॉम्पिटिशन में राष्ट्रीय स्तर पर चयन।

वलसाड जिले में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का समाज के 125 लोगों को लाभ तथा प्रोजेक्ट बंधन तहत घरेलू लघु उद्योग करनेवाली सदस्यों को एग्जिबिशन में निःशुल्क स्टॉल्स उपलब्ध कराए। एक्टिव क्लब ओधव के सावन मेले में आसपास के गांवों की बहनों ने भी लगाए स्टॉल्स। मणिनगर संगठन द्वारा आयोजित पंख 2025 एग्जिबिशन का उद्घाटन म्युनिसिपल काउंसलर तथा राष्ट्रीय महिला संगठन और सेवा समिति पदाधिकारियों द्वारा हुआ। सूरत जिले के एग्जिबिशन में राष्ट्रीय पूर्वाध्यक्ष श्रीमती बिमलाजी साबू तथा स्थानीय कॉरपोरेट ने भेंट दी। 95 स्टॉल्स में से समाज की कुछ जरूरतमंद बहनों को निःशुल्क स्टॉल्स प्रदान किए गए। संगिनी संगठन अहमदाबाद द्वारा आयोजित मेले में स्थानीय महापौर, जिला न्यायाधीश तथा महिला संगठन पदाधिकारियों की उपस्थिति रहीं।

प्रादेशिक संगठन द्वारा बागवानी विषय पर वेबिनार संगोष्ठी का आयोजन। मोरबी मुस्कान संगठन ने एक अपंग को व्हीलचेयर और विधवा प्रोजेक्ट तहत 24 जरूरतमंद माताओं को प्रति माह राशन दिया। आत्मरक्षा प्रकल्प तहत गांधीधाम मंडल (70 किशोरियां), सूरत जिला संगठन (200) और राजकोट मंडल (80) स्कूली बालिकाओं को स्थानीय शालाओं में आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया गया। प्रदेश में प्रत्येक तीज त्यौहार, उत्सव, स्नेह मिलन का प्रदेश सदस्यों ने परिवार जनों के साथ आनंद उठाया।

प्र.अध्यक्षा-मंजुश्री काबरा ❊ प्र. सचिव-कांता मोदानी

विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

बागवान हमारे वरिष्ठ हमारी पहचान

अमरावती में विदर्भ प्रा.माहे. म. संगठन का दो दिवसीय उपक्रम 17-18 अगस्त

प्रदेश अध्यक्ष सुषमा जी बंग और सचिव नीलिमा जी मंत्री के नेतृत्व में अमरावती और वाशिम जिला द्वारा ''हमारे वरिष्ठ हमारी पहचान'' कार्यक्रम आयोजित किया गया। सर्वप्रथम महेश वंदना सुश्मिता एवं पूजा बाहेती तथा स्वागत गीत नृत्य माधुरी सदा द्वारा सुंदर प्रस्तुति से कार्यक्रम का आगाज हुआ।

अमरावती के सिकची रिसोर्ट में सभा का उद्घाटन करते हुए प्रमुख उद्घाटक पूर्व सांसद नवनीत जी राणा ने कहा-महिलाएं परिवार और समाज के साथ ही कुछ समय अपने लिए भी निकाले। विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष सुषमा जी बंग ने कहा कि एआई के इस युग में स्वयं को अपडेट करना जरूरी है फिर भी पारिवारिक, सामाजिक मूल्यों को बचाए रखना जरूरी है। नई पीढ़ी को जोड़ने के लिए हमें उनके अनुरूप कार्यक्रम रखने होंगे। प्रदेश अध्यक्ष सीए दामोदर जी सारडा ने कहा-सामाजिक पारिवारिक जिम्मेदारियों को महिलाएं ही पूर्ण करती है। सिकची रिजॉर्ट के प्रोपराइटर प्रेम किशोर जी सिकची, प्रभाजी सिकची ने उद्घाटन सत्र में उपस्थित थें। दोनों दो दिन हमारे साथ रहे। मुंबई से पधारी निशाजी चांडक ने कहा-कि रिश्तों को संभालना होगा, आजकल के बच्चों में बहुत संवेदनशीलता है पर मां की संवेदनशीलता कम हो गई है इसके दुष्परिणाम हमारे सामने हैं। नीना जी भंडारी ने कहा-आप स्वयं से प्यार करें, दूसरे आपसे अपने आप प्यार करने लगेंगे। आप अपने आप को अपने जीवन का सबसे अच्छा व्यक्ति मानें। अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉक्टर गौरव भूतड़ा ने सभी की निशुल्क जांच की। दही हांडी और बचपन के खेल खिलाए गए।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण या कहे जिनके लिए यह कार्यक्रम था उनके लिए ''श्रेष्ठा'' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हमारी 13 वरिष्ठ बहनें इसमें शामिल हुई। श्रेष्ठा विजेता पूनम जी जाजू यवतमाल, फर्स्ट रनरअप पुष्पा जी काकानी नागपुर, सेकंड रनर अप इंदुजी राठी अमरावती रहे। किरण जी जाजू अमरावती - अपराजिता, विजयाजी काबरा भंडारा - संजीवनी श्रेष्ठा , लीला जी मालपानी अकोला - श्रेष्ठा उर्जिता, शोभा जी माहेश्वरी नागपुर-सुश्रिता , अलंकरण से अलंकृत हुई। किरणजी जाजू , प्रमीलाजी हरकुट, प्रेमाजी तापड़िया, जसोदा बाई चांडक श्रेष्ठा बेलनेस अवार्ड वाशिम, हेमा जी बंग, रामेश्वरीबाई जाखोटिया, चंदा जी काबरा की प्रस्तुति भी सराहनीय रही।

इस प्रतियोगिता के लिए भारती जी राठी एवं माधुरी जी मोदी ने अथक प्रयास कर बहुत ही लयबद्ध तरीके से इसे संचालित किया, सभी ने इस प्रोग्राम की प्रशंसा की। कृष्ण जन्माष्टमी, राखी के उपलक्ष्य में पंजीरी, फ्रेश फूल माला तथा गहने, राखी बनाओ स्पर्धा ली गई। पंजीरी में सदाकंवरजी भूतड़ा, राखी में ममताजी मालानी और माला में उमाजी झंवर प्रथम स्थान पर रहीं।

द्वितीय दिवस हमारे मार्गदर्शक, प्रेरणा स्रोत पूर्व अध्यक्षों का **''जीवन गौरव''** सत्कार समारोह आयोजित था। आशा जी लड्ढा, ज्योति जी बाहेती, उषा जी करवा का सम्मान हुआ। डॉ उर्वी लखोटिया, दिशा सोनी और पलक किंजर ने फिजियोथेरेपी द्वारा स्वस्थ रहने के राज बताएं।

कुछ विचारवान हस्तियों के उद्बोधन आयोजित थें। इसमें अंजली जी तापड़िया ने कहा जिन्हें चमकने की आदत है उन्हें सूर्य प्रकाश की आवश्यकता नहीं होती। हमें स्वयं को देखकर मुस्कुराना है, क्योंकि हम भगवान की अनुपम कृति हैं। जिसका नसीब अच्छा है, वह खुशनसीब नहीं बल्कि जो खुश रहता है वह खुश नसीब है। हरीश जी मंत्री ने समाज के साथ-साथ रहने पर कहा, पता नहीं पानी से निकलकर मछलियां क्यों मर जाती है, क्योंकि साथ-साथ रहने की आदत पड़ जाती है। हरीश जी मंत्री ने प्रत्यक्षीकरण करके ऊर्जा के सिद्धांत को समझाया। सकारात्मक व्यक्ति ही सकारात्मक को आकर्षित करता है। एक अलार्म लगा कर आप हर घंटे अपने विचारों की जांच करते रहे। समापन समारोह की मुख्य अतिथि लता जी मोहता और सपना जी भट्टड रहीं । लता जी ने कहा अदृश्य अवसरों को देखने की दूरदर्शिता और लक्ष्य सफलता देते हैं। प्रतिभा और पानी को कितना भी रोको अपनी जगह बना ही लेते हैं। पीड़ा और परिश्रम दोनों जीवन के लिए आवश्यक है, पीड़ा दिलों को निर्मल करती है और परिश्रम जीवन को बेहतर बनाता है। सपना जी ने कहा परिवार का साथ और मेहनत सफलता की सीढ़ी है । इस दो दिवसीय कार्यक्रम के प्रभारी आशा जी लड्ढा, उषा जी करवा थे। अमरावती जिला अध्यक्ष उषा जी राठी, सचिव किरण जी मुंदड़ा, संयोजिका रेनूजी केला, वाशिम जिला अध्यक्ष कल्पना जी चांडक, सचिव रेणु जी हरकुट, संयोजिका स्मिता जी बियानी के अथक प्रयास, मध्यांचल से माधुरी जी मोदी, प्रदेश से पूर्व अध्यक्ष तारा जी माहेश्वरी,भारती जी राठी निवृत्तमान अध्यक्ष, प्रेमा जी बंग कोषाध्यक्ष, सुनीता मल्ल प्रचार मंत्री, उपाध्यक्ष संध्याजी केला, विद्या जी लद्दड़, निशा जी टावरी, समिति संयोजिका पूनम झंवर, पदमा जी धूत, मंगलाजी करवा, निशाजी मालानी और विभिन्न जिलों की बहनों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को अति सफल बनाया। प्रियंका नागौरवाला ने नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी। जयश्री बंग और नैनाजी पनपालिया ने सुंदर देश भक्ति गीत प्रस्तुत किये। शोभा जी बंग ने प्रेरणा गीत प्रस्तुत किया। हमारी अध्यक्ष सुषमा जी की सासू मां श्रीदेवी बंग, और माताजी सोहनी देवी मुंदड़ा भी वरिष्ठों की सभा में उपस्थित थीं । राष्ट्रगान के साथ सभा समाप्ति की घोषणा की गई। प्रदेश के करीब सभी जिलों में किशोरियों के लिए सेल्फ डिफेंस कार्यशाला आयोजित कर राष्ट्रीय आत्मसुरक्षा अभियान चलाया।

विशेष - नागपुर जिला द्वारा आयोजित राधारसामृत कथा में प्रदेश अध्यक्ष सुषमा बंग एवं सचिव नीलिमा मंत्री की उपस्थिति रही। खामगाव में आयोजित 84 कोस मानसी परिक्रमा मे प्र अध्यक्ष सुषमा बंग की उपस्थिति रही। यवतमाल जिला सभा में सचिव नीलिमा मंत्री उपस्थित रही।

प्र.अध्यक्ष-सुषमा बंग ❊ प्र. सचिव-नीलिमा मंत्री

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

तीज पर सत्तू सजाओ प्रतियोगिता आयोजित, द्वादश ज्योतिर्लिंग पूजन, जरूरतमंद बहनों को 1 हजार से अधिक साड़ी वितरण

ओम नमः शिवाय जाप रुद्राभिषेक के साथ भक्तिरस बरसा
भाई की कलाई पर प्यार से बंधी राखी,
सातुड़ी तीज हर्षोल्लास के साथ मनाई सब सखी।
देशभक्ति से देश की शान है,
श्री कान्हा का जन्माष्टमी उत्सव एक आन बान और शान है।
बछ बारस ,गाय बछड़े की पूजा है परंपरा हमारी
पोला ,गणेश उत्सव और राधा अष्टमी संस्कृति है हमारी।

अखिल भारतीय रिपोर्टिंग में छत्तीसगढ़ कोहिनूर से सम्मानित। राजनांदगांव की दिव्यांशी मुंदड़ा सुपुत्री कमल किशोर जी मूंदड़ा उम्र 6.5 वर्ष भिलाई में आयोजित प्रज्ञानोत्सव 2025 में सब जूनियर वर्ग की शास्त्रीय कथक नृत्य प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया एवं कथक नृत्य परीक्षा में विशिष्ट श्रेणी अर्जित की। राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक में प्रोजेक्ट व्हीलचेयर एवं पुरानी साड़ी बैंक प्रोजेक्ट की सराहना की गई। प्रदेश द्वारा अराकु वैली भ्रमण की जोरदार तैयारी। दुर्ग में राधा कृष्ण मंदिर महेश कॉलोनी में नवधा पारायण रामायण पाठ कराया गया, प्रतिदिन 3000 से भी ज्यादा भक्त एकत्रित हुए।

राधा कृष्ण मंदिर का जन्माष्टमी उत्सव का यह 20वां साल था ,56 भोग एवं महाप्रसाद जी के साथ यह आयोजन भव्य रहा। जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित जन्माष्टमी मे ''झांकी सजाओ'', ''तीज मे सत्तू सजाओ'' प्रतियोगिता आयोजित। प्रदेश द्वारा साड़ी बैंक प्रोजेक्ट में 1000 से अधिक साडी का श्रृखंलाबद्ध संगठन के तहत सहयोग। संगमनेर में हो रहे सिद्धि सृजन आवासीय शिविर हेतु किशोरियों का चयन। आत्मरक्षा महा अभियान राष्ट्रीय प्रोजेक्ट की शुरुआत।

इको फ्रेंडली गणेश कार्यशाला आयोजित 35 बच्चे लाभान्वित। मेरी दुकान व्हाटसएप पोर्टल मे व्यवसायिक महिलाएं जुड़ी। राष्ट्रीय सामाजिक व हिंदू त्यौहार का समावेश हुआ। दुर्ग के गांधी ,टावरी परिवार एवं राजनांदगांव के सोनी परिवार, चार पीढ़ी सम्मान के तहत सम्मानित। 27 जुलाई को पदाधिकारी के साथ जूम बैठक।

ओम नमः शिवाय की 75000 + जाप, द्वादश ज्योतिर्लिंग पूजन, छोटी तीज फूलों का हिंडोला दर्शन तथा भजन। रुद्राभिषेक- प्रदेश द्वारा चलाए गए अभियान में 5000 से अधिक रुद्राभिषेक किए गए। 60 एवं 60 से ज्यादा उम्र की महिलाओं के लिए 60स क्लब का गठन। सर्वाइकल कैंसर के इंजेक्शन की सेकंड डोज लगवाई गई। स्पीच थेरेपी केंद्र की जानकारी पूरे प्रदेश में दी गई।

अध्यक्ष-शशि गट्टानी * सचिव-रूपा मुंदड़ा

पूर्वी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

ऑनलाइन राखी प्रशिक्षण, ध्वजारोहण सम्पन्न, भागवत कथा सम्पन्न

14 जुलाई को हरदा में प्रदेश कार्यकारिणी एवं कार्यसमिति की बैठक गरिमामयी वातावरण में सम्पन्न हुई। मुख्य अतिथि मंजु जी बांगड़ एवं विशिष्ट अतिथि अनीता जी जवांदिया की उपस्थिति ने बैठक को विशेष बना दिया। नर्मदा संभाग के ग्रामीण इलाकों में मंजुजी का भ्रमण भी सम्पन्न हुआ।

सावन पर्व पर सतना में संध्या गाँधी के सानिध्य में हरियाली क्विज कांटेस्ट हुआ व हरियाली क्वीन कॉन्टेस्ट भी विभिन्न जिलों में आयोजित हुए। स्थानीय संगठनों द्वारा तीनों प्रकार के सत्तू के आटे तैयार किए गए तथा छोटी तीज पर सामूहिक उजवना किया गया। बहनों को ऑनलाइन राखी प्रशिक्षण दिया गया और समिति प्रबंधक डॉ.सुनीता नागोरी द्वारा पौधारोपण कर हरियाली का संदेश दिया गया। डॉक्टर्स-डे व सी.ए.डे पर बहनों का सम्मान हुआ।

बच्चों ने स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण पर नाटिका मंचित की। मिट्टी के गणेश बनाने का प्रशिक्षण देकर उन्हें पर्यावरण सुरक्षा का संदेश दिया गया।

कृष्ण जन्माष्टमी पर उर्मिला सादानी की उपस्थिति में झांकियां, रेणु जी झंवर के सानिध्य में झूला उत्सव, वेशभूषा प्रतियोगिता और मटकी फोड़ जैसे कार्यक्रम हुए। भोपाल में बछ बारस व कृष्ण जन्मोत्सव कार्यक्रम प्रदेश अध्यक्षा रंजना बाहेती के सानिध्य में धूमधाम से सम्पन्न हुए। नर्मदापुरम जिले की बैठक में अनीता जी जवांदिया व राजश्री राठी उपस्थित रहीं।

विभिन्न जिलों में ध्वजारोहण सम्पन्न हुआ पिपरिया में देशभक्ति गीतों की अंताक्षरी मुख्य अतिथि राजश्री राठी की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। भोपाल में प्रदेश अध्यक्ष रंजना बाहेती एवं सह सचिव हंसा केला की उपस्थिति में गौशाला सेवा एवं 11 साड़ी उड़ाकर पूजा अर्चना कर गौ- अन्नकूट करने का कार्य हुआ। गिरिराज यात्रा, दुग्धाभिषेक और नैमिषारण्य में भागवत कथा में 300 बहनों की सहभागिता रही। आत्मरक्षा कार्यक्रम सभी जिलों में संभागीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में जगह-जगह सम्पन्न हो रहा है।

प्र.अध्यक्ष-रंजना बाहेती ❊ प्र.सचिव-राजश्री राठी

पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

रक्षाबंधन, कजली तीज, जन्माष्टमी, बछ बारस, गणेश चतुर्थी उत्सव मनाया

पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्वों को बड़े उत्साह एवं पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया। सभी कार्यक्रमों में सभी जिला सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही, जिससे सामूहिक ऊर्जा और संगठनात्मक एकजुटता का सुंदर प्रदर्शन हुआ।

राष्ट्रीय बैठक ''मंगल अभिव्यक्ति'' में कार्यसमिति व प्रदेश की बहनों की सहभागिता 25 बहनें लाभान्वित। सभी आगामी राष्ट्रीय आयोजन की जानकारी प्राप्त की गई। प्रदेश के सभी जिलों में आत्मरक्षा अभियान सतत जारी है।

रक्षाबंधन – बहनों ने भाइयों को राखी बांधकर स्नेह व संरक्षण का वचन लिया। आयोजन में पारिवारिक बंधन की महत्ता पर प्रकाश डाला गया।, **कजली तीज** – रंग–बिरंगे परिधानों में महिलाओं ने झूला झूलकर, गीत–संगीत के साथ उत्सव का आनंद लिया। **जन्माष्टमी** – भगवान श्रीकृष्ण के बाल लीलाओं का मंचन व भजन संध्या का आयोजन हुआ। **बछ बारस** – गौपूजन एवं जीव संरक्षण के संदेश के साथ यह पर्व मनाया गया। **गणेश चतुर्थी** – गणपति स्थापना, आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से उत्सव को विशेष रूप दिया गया। विद्यालय में बच्चों के साथ ध्वजारोहण व ध्वज वितरण का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय गीतों पर आधारित डांस प्रतियोगिता आयोजित हुई व पुरस्कार वितरण किया गया। त्योहारों के अतिरिक्त स्वास्थ्य जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण और पारिवारिक मूल्यों को प्रोत्साहित करने वाले लघु कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और नवाचार प्रस्तुत किए।

द्वितीय कार्यसमिति प्रादेशिक बैठक मंथन देवास में संपन्न

प्रदेश की द्वितीय कार्यसमिति बैठक मंथन देवास में संपन्न। सम-सामयिक विषयों पर 3 माह से चल रहे वर्चुअल वाद- विवाद प्रतियोगिता की अंतिम चरण की प्रत्यक्ष प्रस्तुति से सभी ने चिंतन भी किया, पू. रा अध्यक्ष गीताजी मूँदडा, सरिताजी माहेश्वरी निर्णायक थीं। 13 जिलों की सचिव ने 1 वर्ष की रिपोटिंग प्रस्तुति की। समीक्षा, मार्गदर्शन, पुरस्कृत पू. रा. अध्यक्ष सुशीला जी काबरा द्वारा किया गया। मन की बात- बच्चों से संवाद कार्यक्रम की मालवांचल की वर्चुअल प्रस्तुति आयोजित। 19 बच्चों को पू. प्र.अध्यक्षों द्वारा मार्गदर्शन । हर सीट हॉट सीट में मध्यांचल में अलीराजपुर की ज्योति जी कोठरी प्रथम स्थान पर रहीं,एकल प्रश्न में रुचि कोठारी, नेहा माहेश्वरी भी विजेता बनीं। पू.रा. अध्यक्ष कल्पनाजी गगरानी के निजी प्रवास के दौरान प्रदेश पदाधिकारियों, इंदौर जिला माहेश्वरी संगठन द्वारा सम्मान। टॉक शो- बनाये बिटिया को सयानी में आपके द्वारा सभी प्रश्नों के समाधान से लगभग 70 बहनें लाभान्वित। एआई को हम कैसे उपयोगी बनायें,विषय पर प्रवज्ञा जी मूँदडा द्वारा वर्चुअल जानकारी। बारिश में होने वाली बीमारियों पर सुरक्षा हेतु फ्लायर द्वारा जागरूकता संदेश प्रसारित। प्रदेश अध्यक्ष उषा सोडानी का नीमच भ्रमण, संगठन संबंधित प्रश्नों का समाधान किया गया।

साहित्यकार मंच द्वारा प्रदेश की लेखिका बहनों अयोध्या चौधरी एकता झंवर, मनीषा राठी, मनीषा लाठी, किरण लखोटिया, भारती माहेश्वरी को सम्मान प्राप्त ।

प्रदेश की पूर्व अध्यक्षा श्रीमती अनुपमा जी बाहेती के आकस्मिक निधन पर संगठन में शोक की लहर छा गई। प्रदेश महिला संगठन की ओर से उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई, साथ ही उनके द्वारा किए गए सामाजिक सेवा व समर्पण याद किए गए।

अध्यक्ष-उषा सोड़ानी ※ सचिव-शोभा माहेश्वरी

श्रावण की फुहारों के बीच चेतना लहर के विचारों की बौछार

''बनाये बिटिया सयानी'' टॉक शो कल्पनाजी गगरानी द्वारा

इंदौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा दिनांक 31जुलाई 2025 को संयोगिता गंज माहेश्वरी मांगलिक भवन पर सम्मान समारोह एवं परिचर्चा आयोजित की गई, जिसका विषय था- **''बनाये बिटिया सयानी''**।

जिला अध्यक्ष डिम्पल माहेश्वरी, सचिव पुष्पा मोलासरिया ने बताया कि यह कार्यक्रम चेतना लहर अभियान के तहत मोटिवेशनल स्पीकर एवं राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्ष कल्पना जी गगरानी ने टॉक शो के रूप में लिया। आपने बताया कि बेटियों को पढ़ाई के साथ साथ सयानी बनाने का दायित्व माता-पिता का है। बेटा ओर बेटी दोनों ही शिक्षा के साथ संस्कार और अच्छी परवरिश से पारिवारिक और सामाजिक जिम्मेदारीयों का निर्वाह भली भांति कर सकते हैं।आपने सदस्यों के प्रश्ननों का उत्तर समसामयिक उदाहरण देकर दिया।

मार्गदर्शक गीता जी मूंदड़ा और सुशीला जी काबरा के सार्थक प्रयासों से कार्यक्रम का आगाज सावन के लोकप्रिय एवं पारंपरिक गीतों से हुआ। किरण जी लाखोटिया, माधुरी जी सोमानी, प्रीति जी काबरा,ओर राखी जी काबरा की टीम ने परिचर्चा के विषय के अनुरूप बेटी के जन्म से मां बनने तक की यात्रा को नृत्य एवं गायन के माध्यम से जीवंत किया। प्रश्नोत्तर के माध्यम से सबको संदेश दिया गया।

जिला सचिव-पुष्पा मोलासरिया

नवरात्रि पर्व पर ''प्रेरणा की प्रतिध्वनि'' कार्यक्रम का भव्य आयोजन सम्पन्न

पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा नवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर तीन दिवसीय प्रेरणा की प्रतिध्वनि कार्यक्रम का वर्चुअल आयोजन भव्यता और गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। इस विशेष आयोजन में नारी शक्ति, मातृशक्ति और समाज में महिलाओं की प्रेरणादायी भूमिका को ऐतिहासिक चरित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। प्रतिदिन अतिथियों के सम्मान में स्वागत उद्‌बोधन प्रदेश अध्यक्ष उषा जी सोडाणी एवं संचालन का दायित्व सचिव शोभा जी माहेश्वरी ने निभाया। स्वयं सिद्धा समिति की संयोजक आरती जी सोढ़ाणी ने समीक्षक अतिथियों एवं कलाकारों का परिचय सदन से करवाया। तकनीकी सहयोगी फाल्गुनी बियाणी रही।

प्रथम दिवस : आयोजन का शुभारंभ सावित्रीबाई फुले के जीवन चरित्र पर आधारित प्रस्तुति द्वारा हुआ। उनके साहस, शिक्षा के प्रति समर्पण और समाज सुधार के संदेश ने उपस्थित जनों को गहराई से प्रभावित किया। इसको जीवंत किया इन्दौर की श्रीमती सरिता माहेश्वरी ने। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजु जी बांगड़, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती गीता जी मूंदड़ा, प्रदेश पूर्व अध्यक्ष श्रीमती निर्मला जी बाहेती की शुभकामनाएं एवं कल्पना जी गगरानी की समीक्षा ने नारी शक्ति की महत्ता को प्रतिपादित किया।एकता धूत ने आभार माना।

द्वितीय दिवस : साहस, दूरदृष्टि और तेजस्वी मातृत्व से परिपूर्ण वीर शिवाजी की मां जीजाबाई के जीवन चरित्र को उज्जैन की श्रीमती मनीषा राठी ने अपनी वाणी द्वारा मंचित किया। राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति जी राठी,पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला जी काबरा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण जी बाहेती के शुभ संदेश एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष विमला जी साबू की समीक्षा से सभी का उत्साह वर्धन हुआ। कृतज्ञता ज्ञापन प्रदेश संगठन मंत्री प्रमिला की भूतड़ा ने किया।

तृतीय दिवस : अंतिम दिवस पर मेवाड़ के महाराणा प्रताप की माताजी की आत्मकथात्मक प्रस्तुति द्वारा सोनकच्छ की मनीषा लाठी ने जयवन्ता बाई की शौर्य गाथा से साक्षात्कार कराया। अ.भा.महिला सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष श्रीमती ललिता जी मालपानी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री ममता जी मोदानी प्रदेश की निवृत्तमान अध्यक्ष वीणा जी सोमानी ने सारगर्भित संदेश दिए। समीक्षक पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती शोभा जी सादानी ने इस नाट्य रूपांतरण को समाज जागरण का श्रेष्ठ माध्यम बताया। आभार को स्वर दिया कोषाध्यक्ष साधना की बियाणी ने।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्रदेश पदाधिकारी, कार्यसमिति,कार्यकारिणी , सक्रिय सदस्य एवं कलाकारों के परिजन उपस्थित रहे। नारी सामर्थ्य, मातृशक्ति और समाजसेवा की जीवंत प्रस्तुति ने माता निर्माता भवति की उक्ति को सार्थक किया। सभी ऐतिहासिक चरित्र आज भी प्रासंगिक हैं। नारी शक्ति परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की उन्नति की वास्तविक धुरी है। प्रेरणा की प्रतिध्वनि नारी सशक्तिकरण, शिक्षा, सेवा, नई ऊर्जा एवं जागृति का पर्याय बनकर सुखद अनुभूति देने वाला सफल व सराहनीय कार्यक्रम रहा।

प्र.अध्यक्ष–उषा सोडानी ❊ प्र.सचिव–शोभा माहेश्वरी

पूर्वांचल

वृहतर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

''सरस समृद्धि'' मेला का 65 स्टॉल लगाकर भव्य आयोजन

''पधारो सा'' कोलकाता प्रदेश के कार्यक्रम एवं तृतीय कार्यकारिणी बैठक के अवसर पर पधारे हुये कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती ज्योति जी राठी, विशेष अतिथि वक्ता राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्ष श्रीमती कल्पना ज़ी गगरानी, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्ष श्रीमती शोभा जी सादानी, विशेष अतिथि राष्ट्रीय पूर्वांचल संयुक्त मंत्री निशा जी लढ़ा,राष्ट्रीय समिति प्रभारी स्वयंसिद्धा श्रीमती निर्मला जी मल्ल की गरिमामय उपस्थिति। पधारे हुए सभी अतिथियों का ढोल के साथ पोल सजाकर, फूलों की बौछार करते हुए सभी सखीयों ने नृत्य करते हुए अत्यंत जोश के साथ स्वागत फूलों की माला व उपरना पहनाकर अभिनंदन किया। लेडीज समर कैम्प 85 महिलाओं के साथ आयोजित। ''सरस समृद्धि'' मेला का 65 स्टॉल लगाकर भव्य आयोजन। उद्घाटनकर्ता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती गिरिजा जी सारडा की गरिमामय उपस्थिति।सर्वाइकल कैंसर के दूसरे चरण का दूसरा टीका 152 लड़कियों को लगाया गया। आत्म रक्षा अभियान में 10 जिलों के साथ मिलकर 15 स्कूल में 300 किशोरियों का प्रशिक्षण।

रिसड़ा महेश नवमी के पावन पर्व पर शोभा यात्रा, भगवान मंगल की पूजा अर्चना, महेश नवमी सांस्कृतिक कार्यक्रम। पूर्व कोलकाता देवघर स्थित ध्यान फाउंडेशन संस्था में एक बोरवेल लगाया।वीआईपी 51 जरूरतमंद लोगों का मोतियाबिंद का ऑपरेशन। मध्य कोलकाता रक्तदान शिविर आयोजित 101 लोगों ने रक्तदान दिया। हिंदमोटर सावन राखी मेले की तीन दिवसीय प्रदर्शनी लगाकर महिलाओं को एक छत के नीचे व्यावसायिक मंच दिया। बाली 25 बहनों के साथ सिंधारा रोचक गेम व हाउजी अल्पाहार का आयोजन। हावड़ा पाँच दिवसीय हनुमंत कथा का आयोजन प्रत्येक दिन 500-700 भक्तगण ने कथा का रसपान किया। दक्षिण कोलकाता कला कुंज प्रांगण में 35 कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम सावन धमाका का आयोजन। नवयुवती 12,13,14, जुलाई त्रिदिवसीय शिव भक्ति कथा का आयोजन, राष्ट्रीय पदाधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति। बेलघरिया सावन सिजारा व जन्माष्टमी उत्सव रंगारंग कार्यक्रम मनाया।

प्र.अध्यक्ष-मंजु पेडीवाल ※ प्र. मंत्री-कुसुम मुंदड़ा

नेपाल माहेश्वरी महिला संगठन

भगवान शिव के प्राचीन मंदिर के दर्शन के साथ वन भोजन भी सम्पन्न

जुलाई में 39 सदस्यों की उपस्थिति के साथ संगठन की दसवीं कार्यसमिति बैठक सम्पन्न हुई। अखिल भारतीय से रिपोर्टिंग मूल्यांकन में पुनः कोहिनूर की प्राप्ति हुई। हर सीट हॉट सीट प्रतियोगिता में नेपाल चैप्टर की ख़ुशबू चितलांगिया जी (मेची) को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। संगठन द्वारा जिला स्तर पर गोमाता सिंधारा की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सुनसरी प्रथम, मेची द्वितीय एवं वीरगंज तृतीय स्थान पर रहा। संगठन द्वारा श्रावण मास में आध्यात्मिक यात्रा में भगवान शिव के प्राचीन मंदिर के दर्शन के साथ वन भोजन को भी सम्पन्न किया। अखिल भारतीय द्वारा आयोजित आत्मरक्षा अभियान हेतु काठमांडू एवं विराटनगर में क्रमशः35 एवं 62 छात्राओं को प्रशिक्षित किया। संगठन की सलाहकार एवं पूर्वांचल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती गिरिजा जी सारड़ा को मारवाड़ी महिला सम्मेलन में उनकी सर्वोच्च सम्मान अनमोल समाज रत्न से नवाज़ा गया। संगठन की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती अनिता जी सोनी को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों हेतु नेपाल की पूर्व राष्ट्रपति श्रीमती विद्याराज भंडारी द्वारा सम्मानित किया गया। विराट नगर मंच ने 41000/- के सहयोग से एक छात्र की शिक्षा की पूरे वर्ष की जिम्मेदारी ली।रक्षा बंधन के अवसर पर गुरु प्रसाद तिमिल्सिना के साथ साथ 80 प्रहरी भाइयों की कलाई पर राखी बाँधी। राधाकृष्ण रथ यात्रा की 58 वें स्थापना दिवस पर 5000 पीस मिठाई का वितरण किया।

काठमांडू मंच द्वारा लड्डूगोपाल का झूलन उत्सव हुआ साथ ही 551 शिव चालीसा का पाठ संपन्न किया। तीजसिंधारा में 240 बहनों की उपस्थिति में लहरिया क्वीन प्रतियोगिता संपन्न की गई। मंच द्वारा मंदिर में दो कॉर्डलेस माइक प्रदान किये गये। समाज की बहनों की सुविधा हेतु सत्तू आटा के प्रोजेक्ट के माध्यम से अपनी मंच को आर्थिक सबलता भी प्रदान किया।

सुनसरी मंच द्वारा 108 हनुमान चालीसा का पाठ संपन्न हुआ। शोकाकुल परिवार में श्री हरि गीता पाठ के पुनीत कार्य को आरंभ किया गया। तीज सिंधारा 40 बहनों की उपस्थिति में हर्षोल्लास के साथ संपन्न किया। रूपन्देही मंच द्वारा अध्यक्ष सौ. शारदा जी डागा के निवास पर शिव रूद्राभिषेक संपन्न कर 30 ब्राह्मण विद्यार्थियों एवं 70 ब्राह्मणों को भोजन कराया। गणेश चतुर्थी पर भजन संध्या का आयोजन किया गया। मेची मंच द्वारा लड्डूगोपाल जी का 56 भोग का कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ किया गया।

अध्यक्ष-निशा माहेश्वरी ❊ सचिव-मल्लिका राठी

पश्चिम बंगाल प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

सांस्कृतिक एकता और सामाजिक समन्वय का उत्सव ''शक्ति-संगम''

प्रदेश द्वारा आयोजित दुर्गापुर संगठन के आतिथ्य में दो दिवसीय सांस्कृतिक एकता और सामाजिक समन्वय का उत्सव था जो प्रदेश द्वारा दुर्गापुर के पिनेकल इन्फोटेक, बिधाननगर में 30 31 अगस्त 2025 को संपन्न हुआ। इस भव्य आयोजन में एकता, संस्कृति और सामाजिक समन्वय का अनुपम संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का उद्‌घाटन करने हेतु उपस्थित सभी आमंत्रित पदाधिकारियों का स्वागत स्कूल के बच्चों के बेंड एवं खुली छत वाली गाड़ियों में हाथों से स्नेह संचित गुब्बारे से आसमान को सजाते हुये किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन, गणेश-महेश वंदना के बाद दुर्गापुर संगठन की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति जी डागा के स्वागत उद्‌बोधन से हुई। राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती मंजू जी बांगड, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती शोभा जी सादानी, राष्ट्रीय पूर्वांचल उपाध्यक्ष श्रीमती गिरिजा जी सारडा, संयुक्त मंत्री श्रीमती निशा जी लड्ढा सहित, स्वयंसिद्धा प्रभारी निर्मला जी मल्ल प्रदेश सभा अध्यक्ष निर्मलजी लड्ढा और सचिव रविन्द्र जी डागा, प्रदेश राष्ट्रीय कार्यसमिति एवं निवर्तमान अध्यक्षा नीरा जी मल्ल के संग संग अन्य कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में आयोजन ने सामाजिक जागरूकता और सांस्कृतिक उत्थान का नया इतिहास रचा। उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं गणमान्य अतिथियों का स्वागत तुलसी और मिश्री से कर, सभी पदाधिकारियों ने आशीर्वचन साथ अपना वक्तव्य रखा। मंजू दीदी ने राम-सेतु को निर्मित करने वाले पत्थरों का उदाहरण देते हुये बताया कि विश्वास और समर्पण से संगठित होकर कोई भी कार्य किया जाय तो सफलता निश्चित रूप से मिलती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा प्रदेश सोविनियर नव चेतना का विमोचन किया गया।

संगम मंथन ज्ञान के आरोहण से युगल के जीवन को संवारने के हेतु नये सात वचनों के कमल खिले। प्रोग्राम की संरचना ज्ञान सिद्धा पूर्वांचल सह प्रभारी सरोज जी मालपानी ने की और दोनों समिति ज्ञान और युगल की संयोजिका सोनिया जी मल्ल और कुसुम जी तापड़िया ने कार्यक्रम की कमान संभाली। इस कार्यक्रम की पूरी रुपरेखा को एक ईबुक में संकलित कर राष्ट्रीय अध्यक्षा द्वारा विमोचन किया गया।

संकल्प सिद्धा के तहत समिति संयोजिका रुपा जी चांडक की निगरानी में उपस्थित सभी पदाधिकारियों संग वस्त्रम् प्रकल्प के अंतर्गत आयी साड़ियों का वितरण किया गया।

दिल्ली से पधारी एक्यूप्रेशर ट्रेनर श्रीमती मंजूश्री जी चांडक ने दो दिवसीय सत्र में विभिन्न रोगों के निदान और जागरूकता पर प्रकाश डाला। संध्या समय संस्कृति सिद्धा समिति के अन्तर्गत सीमा जी चांडक के संचालन से सांस्कृतिक कार्यक्रम भाव संगम में विभिन्न संगठनों के प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा से सभी का मन मोह लिया। सुर संगम रघुकुल रीत सिद्धा समिति पूर्वांचल सहप्रभारी कृष्णा जी पेड़ीवाल के सहयोग से बंटू जी डागा द्वारा अंताक्षरी खेल का आयोजन हुआ जिसमें तीन राउंड खेल के बाद तीन टीम फाइनल में पहुंचीं जिन्हें फिर से खेलने का मौका देकर विजेता का चुनाव हुआ।

द्वितीय दिवस को स्वयं सिद्धा समिति के तहत प्रतीक संगम कार्यक्रम संयोजिका संजू जी माहेश्वरी, संरक्षक नीलम जी भट्टड़ और राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्या शोभना जी सारडा की देखरेख में आयोजित किया गया। जिसमें संगठन की एकता को प्रदर्शित करती एक रैली निकाली गई, एवं बैनरों के माध्यम से कलाओं का प्रदर्शन के साथ अपने संगठन की विशेषताओं को बताया गया । आख्या संगम के तहत सचिव सुधा जी कल्याणी, कोषाध्यक्ष मंजू जी बिहानी और संगठन मंत्री संतोष जी बाहेती के साथ साथ उपस्थित सभी संगठनों के अध्यक्ष या सचिव द्वारा प्रतिवेदन सुनाया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्षा मंजू जी बांगड़ ने पूरे कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए संगठन की कार्यप्रणाली के बारे में बताया। दीदी ने मंजूल वाणी से बंगाल के सभी पदाधिकारियों की प्रशंसा काव्यात्मक शैली में कर हम सभी का मन मोह लिया। उपहार और सम्मान समारोह में बंगाल की आगे आई सभी प्रतिभाओं को पुरस्कृत किया गया।

संजीवन सिद्धा के अंतर्गत कृतज्ञता संगम में समिति संयोजिका श्वेता जी राठी ने ईएफटी तकनीक द्वारा तन और मन के स्वास्थ्य लाभ की तकनीक सिखाई।

प्रथम दिवस भोजन के पूर्व का मंच संचालन खुशबू जी लाखोटिया द्वारा एवं द्वितीय दिवस नेहा जी चितलांगिया और किरण जी डागा ने किया, जबकि डिजिटल कार्य अमृता जी सारडा और मंच व्यवस्था सुमन जी बिहानी व नीलम जी डागा ने संभाली। पूरे कार्यक्रम के संयोजक कृष्णा जी पेड़ीवाल, आभा जी लाहोटी और संतोष जी बाहेती थे। कार्यक्रम का समापन श्रीमती आभा जी लाहोटी के धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रीय गान के साथ हुआ।

अध्यक्ष – रेखा लखोटिया

❊ सचिव–सुधा कल्याणी

उत्कल प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन

उत्कल प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन का अधिवेशन ''उत्कृषा'' का आयोजन

संबलपुर में उत्कल प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन का अधिवेशन उत्कृषा का आयोजन। संबलपुर महिला संगठन द्वारा 4 एवं 5 सितंबर को वेलकम रिजॉर्ट में उत्कल अधिवेशन उत्कृषा का आयोजन किया गया। इस अधिवेशन में उत्कल प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन के 15 जिलों में से 13 जिलों की 160 से अधिक महिलाओं ने शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाया कार्यक्रम में समाजसेवी श्री हनुमान प्रसाद जी मूंदड़ा संबलपुर उद्घाटन कर्ता रहे। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजु जी बांगड़, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती ज्योति जी राठी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती शोभा जी सादानी,राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती किरण जी लड्ढा,राष्ट्रीय पूर्वांचल उपाध्यक्ष गिरिजा जी सारडा,राष्ट्रीय पूर्वांचल संयुक्त मंत्री निशा जी लड्ढा, उत्कल सभा अध्यक्ष श्री सुशील जी राठी उत्कल सभा निवर्तमान अध्यक्ष श्री नंदकिशोर जी माहेश्वरी, सम्मानित अतिथि श्री घनश्याम जी पेड़ीवाल,उत्कल युवा अध्यक्ष अरुण जी राठी, सचिव रोहित जी काबरा, प्रदेश अध्यक्ष अस्मिता मुंदड़ा राष्ट्रीय कार्य समिति सुनीता राठी, प्रदेश सचिव शशि डोंगरा, पुर्वांचल सह प्रभारी अनूजा काबरा व मनीषा सोमानी,संबलपुर अध्यक्ष रचना सारडा, सचिव लता मुंदड़ा ने अपनी गरिमामय उपस्थिति से अधिवेशन की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम का शुभारंभ सभी माननीय अतिथियों और विशेष मेहमानों का स्वागत संबलपुरी बाजा की गूंज के साथ तिलक की परंपरा द्वारा राखी की पावन डोर से और साफा की शान के साथ मंच पर पधारने से हुआ। मां समलेश्वरी एवं भगवान उमा महेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर अधिवेशन का औपचारिक आरंभ किया। मंगल मूर्ति गणेश जी की वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ जिसकी प्रस्तुति समाज के सक्रिय सदस्य श्री सुरेश जी मूंदड़ा ने की। प्रथम सत्र महिलाओं की प्रगति पर चर्चा।

पहले गणमान्य अतिथियों ने अपने विचार रखें वक्ताओं ने महिलाओं को आगे बढ़ाने में शिक्षा की महत्ता पर जोर दिया और कहा कि आज की महिलाएं केवल घर की जिम्मेदारियां ही नहीं निभा रही बल्कि योग, व्यवसाय, चिकित्सा, चार्टर्ड अकाउंटेंसी जैसे क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रही है।

इस दौरान अंगुल, तालचेर, ढेंकनाल,बड़बिल, कैवेंझर, बालेश्वर, बारीपदा, मयूरभंज, बरगढ़, भद्रक, भुवनेश्वर, ब्रजराजनगर, ब्रह्मपुर, गंजाम, बलांगीर, झारसुगुड़ा, जाजपुर, कटक, मलकानगिरी,संबलपुर, राउरकेला, सुंदरगढ़ की महिलाएं शामिल हुई। अधिवेशन के प्रथम सत्र में मंच

संचालन लता मुंदड़ा और पलक मूंदड़ा ने किया।

द्वितीय सत्र में सांस्कृतिक रंगारंग प्रस्तुतियां सभी जिला द्वारा की गई जिसमें ऑपरेशन सिंदूर,बेटी ब्याहो बहू पढ़ाओ, अर्धनारीश्वर, नवदुर्गा, हमारे त्यौहार, लोकनृत्य, द्रोपदी चीर हरण, सीता से सुनीता, राधा बनाम मीरा, महाकुंभ और हास्य नाटिकाएं शामिल थी। सभी प्रस्तुतियां दर्शकों को मंत्र मुक्त कर देने वाली रही। द्वितीय सत्र का मंच संचालन रुचि सारडा और संध्या सारडा ने संभाला।

अधिवेशन के दूसरे दिन तृतीय सत्र का आरंभ हुआ इसमें दस समिति संयोजिकाओ ने अपनी समिति के कार्यों पर प्रकाश डाला। ये कार्यक्रम उत्कल की पाठशाला शिक्षक दिवस के अवसर पर समर्पित था। इसके बाद सभी जिला अध्यक्ष सचिव एवं सदस्यों द्वारा बैनर प्रस्तुति (रैंम्प वॉक) आयोजित की गई। कार्यक्रम का समापन एक भव्य सम्मान समारोह के साथ हुआ। इसमें सभी जिला के अध्यक्ष सचिव व पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को स्मृति चिह्न भेंट देकर अंत में संबलपुर महिला समिति की सचिव लता मूंदड़ा ने धन्यवाद ज्ञापन किया तृतीय सत्र का सफलता पूर्वक मंच संचालन विशाखा राठी, शशि डोंगरा, नीलिमा राठी और पलक मूंदड़ा ने मिलकर किया। अधिवेशन के सभी कार्यों में संबलपुर युवा संगठन, संबलपुर महिला संगठन का पूर्ण सहयोग रहा।

अध्यक्ष –अस्मिता मूंदड़ा ❊ सचिव –शशी डोंगरा

झारखण्ड बिहार प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

सरस समृद्धि मेला का 65 स्टॉल लगाकर भव्य आयोजन

झारखण्ड बिहार प्रदेश को अप्रैल मई एवं जून त्रैमासिक रिपोर्ट में कोहिनूर हासिल हुआ । हर सीट हॉट सीट सीजन 2 में एकल प्रश्न 1 मे प्रथम विजेता – श्रीमती सरिता चितलांगिया, रांची एवं द्वितीय विजेता–श्रीमती रश्मि मालपानी रांची, एकल प्रश्न 3 की द्वितीय विजेता श्रीमती उर्मिला सारडा, जमशेदपुर, से विजेता रही ख पूर्वांचल समागम मीटिंग में देवघर में नवनिर्मित माहेश्वरी भवन के लिए प्रदेश कोष से 1,11,000/– एवं रांची संगठन से 1,21,000/–राशि भवन ट्रस्ट में बच्चों के पढाई हेतू 9200/–, कैंसर मरीज को 41, 000/– जरुरत मंद बहन को एक महीने का राशन (लगभग 15000/–) देकर सहायता की गई। 10 टीबी के मरीजों को गोद लेने पर लोकल डीसी से प्रमाण पत्र एवं शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। सावन में घर घर गुंजा नमः शिवाय का जाप और किया सामूहिक शिव रुद्राभिषेक, तीज के शुभ अवसर में देवघर, गुमला, पटना, धनबाद, बोकारो, मुजफ्फरपुर, कटिहार, पटोरी, मुरलीगंज, गुलाबबाग, कर्जाइन, किशनगंज, फारबिसगंज, रांची, जमशेदपुर,चाईबासा मे सभी ने अपने घरों में झूला सजाया।

महिलाओं ने अखंड सौभाग्यवती की कामना करते हुए व्रत रखा सभी ने सज धज कर मेहंदी लगाई और निमाड़ी माता की श्रद्धा के साथ पूजा की । प्रदेश मे पहली बार महिला मंडल द्वारा बाल कांवड़ यात्रा निकाली गई। यह यात्रा बच्चों के मन मे भक्ति भाव अपने आध्यात्म एवं परंपरा बना रहे उसका ही प्रयास किया गया। 8 से 18 साल के बच्चों के बीच घर में उपलब्ध सामग्री से ही राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। फर्स्ट- नंदिनी शारदा कर्जाइन, सेकंड-आशना मूंधड़ा किशनगंज, थर्ड-कौशल लखोटिया पटना। सभी जिलों में देवों के देव महादेव का रुद्राभिषेक, श्री कृष्ण जन्माष्टमी, सातुड़ी तीज की पूजा, गणेश पूजा, गोगा नवमी, बछ बारस, रामदेव जी की पूजा, भादो अमावस्या को दादी का मंगल पाठ, ऋषि पंचमी, सेना के जवानों एवं दिव्यांग स्कूल के बच्चों को रक्षा सूत्र बांधना, कावड़ियों की सेवा, बच्चों के बीच स्टेशनरी सेनेटरी पैड सामग्री वितरण सामूहिक वन भोजन जैसे कार्य किये गये।

अध्यक्ष-निर्मला लड्ढा ❋ सचिव-संगीता चितलांगिया

पूर्वोत्तर असम प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

रक्त दान शिविर, बच्चों के ज्ञान वर्धक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं

पूर्वोत्तर से खुश काबरा 4थी साउथ एशियन इंटरनेशनल गेम्स 2025 में कुम्फू खेल के लिए चयनित हो नेपाल काठमांडू में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। अखिल भारतीय द्वारा प्रेषित 7 दिवसीय आत्म रक्षा अभियान से लगभग 110 बच्चे व युवतियां लाभान्वित।यह अभ्यास साप्ताहिक रूप से निरंतर जारी रहेगा। अखिल द्वारा प्रेषित निशुल्क एच पी वी वैक्सीन द्वितीय डोज़ ड्राइव से 91 युवतियां लाभान्वित। मरियानी जिला पूर्वोत्तर महिला संगठन से जोड़ा गया। अथक प्रयासों के परिणाम स्वरूप नवयुवती संगठन गठित। साप्ताहिक संस्कार शाला से बच्चों में संस्कार रोपण। बच्चों के ज्ञान वर्धक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं । अर्थोपार्जन हेतु आकर्षित उत्कर्ष एवं सावन राखी मेले आयोजित। गुप्त नवरात्रि में कन्या भोजन। धार्मिक अनुष्ठान, रुद्राभिषेक,मासिक भजन कीर्तन, वन भोज, स्वतंत्रता दिवस, तीज सिंझारे व जन्माष्टमी विभिन्न रोचक कार्यक्रमों के साथ तथा सभी त्योहार धूमधाम से संपन्न। 14,18,256 ओम नमः शिवाय माला जाप। पूर्वोत्तर स्तरीय एक्यूप्रेशर नेचुरोथेरेपी शिविर आयोजित जिससे बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित। हरसीट हॉटसीट में पूर्वोत्तर से बहनें विजयी। राम कथा में सहभागिता ।महिला समिति द्वारा शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा समारोह धूम धाम से संपन्न। बुक बैंक से सामान्य जन लाभान्वित। आश्रम के लोगों के साथ रक्षा बंधन पर्व मनाया गया। रक्त दान शिविर आयोजित जिसमे 33 यूनिट रक्त संग्रह। अहमदाबाद विमान दुर्घटना हादसे में दिवंगत आत्माओं के लिए श्रद्धांजलि स्वरूप गीता जी का पाठ एवं मौन। **अध्यक्ष-पूनम मालपानी ❋ सचिव-मधु झंवर**

पश्चिमांचल

पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

तृतीय कार्यकारिणी बैठक ''सावन संगिनी'' आयोजित

''सृजन-सेतु'' कार्यक्रम का सफल आयोजन

पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा ''सृजन-सेतु'' कार्यक्रम का आयोजन बनीपार्क स्थित संस्कृति स्कूल के रघुकुल आडिटोरियम में किया गया। सर्वप्रथम विद्या की देवी सरस्वती के सन्मुख दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की गई। इस कार्यक्रम में संगठन के नवनिर्मित विधान की जानकारी और पदाधिकारियों के कार्य एवं कर्तव्यों की जानकारी देने के उद्देश्य से अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की निवृत्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती आशा जी माहेश्वरी एवं पश्चिमांचल उपाध्यक्ष श्रीमती मधु जी बाहेती को आमंत्रित किया गया। संस्कृति स्कूल की 6 वर्ष की छात्रा को राम बनाकर जीवंत झाँकी बनाई गई।

रामलला के प्रत्यक्ष दर्शन कार्यक्रम को भव्यता प्रदान कर गया। नेहा जी करवा द्वारा शिव-वंदना और कविता जी हुरकट, सुमिता जी करवा और उनकी माँ विजयलक्ष्मी जी नेवर द्वारा स्वरचित स्वागत गीत की प्रस्तुति दी गई, जो बहुत ही मनमोहक रही। मोहन गांधी नामक 11वर्षीय छोटे बच्चे ने तबले पर इन्हें संगत दी।

अतिथियों का दुप्पटे, मोती की माला और फूल-स्टीक से भव्य स्वागत के साथ-साथ प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश मंत्री ने जयपुर के श्रृंखलाबद्ध महिला संगठन के सभी निवृत्तमान और वर्तमान पदाधिकारी बहनों का स्वागत किया।

सर्वप्रथम हमारी अपनी ही बहन अर्चना जी काबरा रघुकुल रीत सिद्धा समिति की राष्ट्रीय प्रभारी ''रिश्तों की डोर आपके हाथ'' विषय को पारिवारिक रिश्तों को अभी के परिपेक्ष में जोड़कर सहज और सरल तरीके से समझाया।

पश्चिमांचल उपाध्यक्ष मधु जी

बाहेती द्वारा बहुत सरल शब्दों में संगठन और उसके पदाधिकारियों के कार्य और कर्तव्यों के बारे में समझाना सदन को बहुत अच्छा लगा।सीकर जिला माहेश्वरी महिला संगठन की पद-स्थापना एवं शपथ- ग्रहण कार्यक्रम राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा करवाना, आज के कार्यक्रम की प्रमुखता रही। निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा जी माहेश्वरी ने पद-स्थापना के साथ-साथ सभी को शपथ दिलाई और संगठन को नई ऊंचाईयों पर ले जाने के लिए प्रेरित भी किया। सीकर जिले का पूर्वोत्तर राजस्थान माहेश्वरी महिला संगठन के साथ जुड़ने से निश्चय ही प्रदेश को नई ऊंचाईयां मिलेंगी।

संजीवनी सिद्धा समिति और संकल्प सिद्धा समिति की संयोजिकाओं सविता जी कालिया और संगीता जी मोदानी द्वारा 70 मेडिकल किट बनवाई गई और उन्हें कच्ची बस्ती में बंटवाया जायेगा। संस्कार सिद्धा समिति के अन्तर्गत अनाथ बच्चों की संस्था मस्ती की पाठशाला के बच्चों को बुलाकर करीब 100 बच्चों के लिए चार-चार कॉपी और बिस्कुट-टॉफी आदि के पैकेट बनवा कर बांटे गए। समिति की संयोजिका सुनीता जी कचोलिया की ऐसे कार्यों के प्रति विशेष रूचि रहती ही।

युगल सिद्धा समिति की संयोजिका अनुराधा जी कचोलिया ने अब तक प्रदेश में हुए 10 वैवाहिक सम्बन्धों की जानकरी सदन को दी।

रघुकुल रीत सिद्धा समिति जिसकी संयोजिका प्रीति जी बाहेती हैं। इस समिति के अन्तर्गत जयपुर के सभी छः जोन की बहनों ने अगस्त माह में मनाये जाने वाले त्यौहारों पर नयनाभिराम प्रस्तुति दी। जिसमें सातुड़ी तीज, राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस, कृष्ण जन्माष्टमी, ऋषि पंचमी, राधा अष्टमी पर विशेष प्रस्तुति दी।

प्र.अध्यक्ष-पूनम दरगड * प्र.मंत्री-सुनीता जेथलिया

पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

कार्यकारिणी बैठक ''प्रगति प्रवाह'' संपन्न हुई

पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की चलुर्थ कार्यकारिणी एवं कार्य समिति बैठक प्रगति प्रवाह बूंदी में संपन्न हुई। प्रदेश अध्यक्ष मंजु भराडिया ने बताया कि मीटिंग ''प्रगति प्रवाह'' सिर्फ एक आयोजन नहीं बल्कि हमारे समाज संगठन की सोच संकल्प और संस्कृति की आवाज है। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि निवृत्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती आशा जी माहेश्वरी ने अपनी वाणी व व्यक्तित्व से मंच को सुशोभित करते हुए सामाजिक व राष्ट्रीय समस्याओं पर चिंतनीय उद्बोधन दिया। प्रदेश सचिव नीलम तापड़िया ने बताया कि इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय संस्कृति सिद्धा सह प्रभारी एवं पूर्वी राजस्थान की संस्थापक प्रदेश अध्यक्ष पुष्पा जी सोमानी व पूर्व अध्यक्ष संतोष जी तोषनीवाल थी। संस्कृति सिद्धा के अंतर्गत नृत्य नाटिका ''मारवाड़ी रो रंग त्यौहार के संग'' में झालावाड़ जिला प्रथम स्थान पर रहा। ज्ञान सिद्धा समिति के अंतर्गत वाद विवाद प्रतियोगिता भी रखी गई। सोशल मीडिया और संवेदनहीनता एवं भागती जिंदगी टूटते रिश्ते प्रतियोगिता रखी गई क्वेंशचन भी पूछे गए प्रदेश मंत्री

नीलम तापड़िया द्वारा वर्ष पर्यंत किए गए कार्य की गतिविधियों को बताया गया। आयोजक संस्था अध्यक्ष संगीता जी मुंदड़ा द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया गया मंडल सचिव शिल्पा जी सोमानी द्वारा सभी का आभार प्रस्तुत किया गया। मंच संचालन बूंदी जिला की रश्मि लखोटिया द्वारा बहुत ही सुंदर शब्दों के साथ किया गया। राष्ट्रगान द्वारा मीटिंग का समापन किया गया।

13 जुलाई को ''रिश्ता वही सोच नई'' कार्यक्रम रखा गया इसमें हमें संदीप जी काबरा का सानिध्य मिला सुशीला जी, नम्रता जी, रमेश जी परतानी आप सभी ने अपने विचार रखें कि हमारे रिश्तों को किस तरह संजोया जाए।

पति-पत्नी के रिश्तों में बराबरी नहीं सामंजस्य होना चाहिए। जो जैसा है उसे वैसा ही स्वीकार करें। अपनी भावनाओं को साझा करें सुशीला जी काबरा ने बताया सुधार नहीं स्वीकार, भिन्नता व स्वाभाविकता के बारे में समझाया। वैवाहिक संस्कृति की दिशा में एक सशक्त कदम-नई सोच से नए रिश्ते कायम करने की आवश्यकता पर बल दिया। संदीप काबरा ने कहा कि जीवन की प्राथमिकता पैसा नहीं बल्कि संतोष होना चाहिए। जीवन में योग शिविर में जो स्वास्थ्य लाभ बढ़ाना होता है, जीवन की खुशियों को बढ़ाना है। 40 बेटियों को कैंसर वैक्सीनेशन लगवाए गए। 15 अगस्त को बच्चों के लिए प्रतियोगिता रखी गई। आपको स्वतंत्रता सेनानी के चरित्र पर आदर्श नारा वीडियो बनाकर भेजा गया।

अध्यक्ष-मंजु भराड़िया

सचिव-नीलम तापड़िया

मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

''प्रेरणा पथ'' का आयोजन सम्पन्न

संस्कार साथ हो, तो राहे ना कभी मुश्किल होती है और रिश्ते निखरते हैं, जब हमारी सोच विकसित होती है। मध्य राजस्थान प्रदेश द्वारा आयोजित दो दिवसीय षष्टम कार्यकारिणी बैठक प्रेरणा पथ जूम सभागार में संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महेश की वंदना द्वारा एवं आगंतुक अतिथियों का स्वागत नागौर जिला की बहनों द्वारा स्वागत नृत्य पेश करके किया गया। प्रदेश अध्यक्ष शशि जी लड्ढा ने सभी आगंतुक अतिथियों का स्नेहपूर्ण शब्दों से अभिनंदन किया। मुख्य अतिथि पद को सुशोभित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय ज्योति जी राठी ने अपने प्रेरणास्पद उद्‌बोधन में बताया कि संगठन में जहां समर्पण हो, वहां संकल्प पूर्ण होते हैं और जहां सृजन हो, वहां संगठन खिलते हैं। विशिष्ट अतिथि पश्चिमांचल सयुंक्त मंत्री श्रीमती शिखा जी भदादा ने -हमारा वित्तीय स्वास्थ्य कैसा हो पर अपनी भावनाओं से सभा में रंग भर दिया कि बहने हर कदम पर खुद को पहचाने। प्रबुद्ध वक्ता के रूप में गीता जी

मूंदड़ा ने महिलाओं को बताया कि– हर रिश्ते में एक वादा में हूं ना यह तीन शब्द नहीं, अपितु विश्वास का दीप है। इस शुभ अवसर पर ज्ञानसिद्धा समिति द्वारा समाज में व्याप्त ज्वलंत समस्याओं पर लघु नाटिकाएं भी पेश की गई। द्वितीय दिवस निवृत्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा जी माहेश्वरी ने सामाजिक व राष्ट्रीय समस्याओं पर चिंतन एवं मननीय उद्बोधन में मोदी जी के नौ विजन पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि के रूप में पश्चिमांचल उपाध्यक्ष मधु जी बाहेती ने परिष्कृत व्यक्तित्व, एक सिद्धि एक उपलब्धि विषय पर जूम सभा को आलौकित कर दिया। प्रबुद्ध वक्ता के रूप में रमेशचंद्रजी छापरवाल ने कार्यक्रम को अभिनव स्वरूप दिया और हमारी संस्कृति पर होते प्रहारों पर व्यंग्य करते हुए बताया कि वर्तमान में संस्कारों व रीति–रिवाजों की सात्विक थाली अब शौकीन प्लेट में परोसी जा रही है। सभी जिला अध्यक्षों ने अपने जिले में किए गए कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रदेश सचिव मनीषा बागला ने सभी

आगंतुक अतिथियों का आभार प्रदर्शित किया एवं मंच संचालन का कार्य कमलेश जी मूंदड़ा ने किया।

प्रदेश के सभी संगठनों में कजली तीज, जन्माष्टमी गणेश चतुर्थी बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाए गए। विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई एवं पारितोषिक वितरण किए गए। संगठन द्वारा गणपति स्थापना की गई एवं विसर्जन कार्य भी धूमधाम से संपन्न हुआ। गणपति बप्पा मोरिया अगले बरस तू जल्दी आ।

प्र. अध्यक्ष–शशि लड्ढा ❊ प्र. सचिव–मनीषा बागला

पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

तृतीय कार्यकारिणी बैठक ''सावन संगिनी'' आयोजित

प्रदेश को त्रैमासिक रिपोर्टिंग में कोहिनूर केटेगरी प्राप्त। प्रदेश की तृतीय कार्यकारिणी बैठक सावन संगिनी जालौर जिले के आतिथ्य में आयोजित हुई जिसमें सभी जिलों से कुल 85 बहनों ने भागीदारी निभाई। अध्यक्ष द्वारा आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी गई जिसमें आत्मरक्षा शिविर, कार्यकर्ता प्रशिक्षण, वृक्षारोपण साइबर सिक्योरिटी वित्तीय प्रबंधन आदि पर कार्यशालाएं आयोजित करवाने पर जोर दिया गया समय से बच्चों का विवाह क्यों जरूरी विषय पर जालौर की बहनों द्वारा लघु नाटिका का प्रस्तुत की गई । श्रावण मास एवं भगवान शिव पर प्रश्नोत्तरी के माध्यम से

सभी को धार्मिक जानकारी दी गई। विज्ञापन बनाओ इनाम पाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें सभी प्रतिभागियों को 1 मिनट में अपने-अपने विषय या प्रोडक्ट पर प्रस्तुति देनी थी सभी जिलों से कुल 17 बहनों ने भाग लिया जिसमें प्रथम द्वितीय तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार दिए गए और सभी को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

एक पेड़ मां के नाम के तहत सभी जिलों द्वारा कुल 1500 पौधे अलग-अलग स्थान पर लगाए गए। 25 जुलाई को प्रदेश द्वारा वित्तीय प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं को वित्तीय समझ निवेश बचत प्रबंधन एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रेरित करना था साथ ही साइबर क्राइम से कैसे बचें की जानकारी भी दी गई । जोधपुर, पाली, सोजत, बाड़मेर जिलों में आत्मरक्षा शिविर लगवाये गए। जोधपुर जिले द्वारा मथानिया में कार्यकारिणी बैठक आयोजित की गई।

जोधपुर जिले के अलग-अलग क्षेत्र द्वारा सतरंगी सावन कार्यक्रम, सावन उत्सव एवं धार्मिक यात्राओं का आयोजन किया गया जिसमें लोहार्गल, खाटू श्यामजी, सालासरजी, नाथद्वारा, चारभुजा, सांवरिया सेठ आदि यात्राएं की गई,जिसमें शिव सावन कार्यक्रम एवं चुनरी मनोरथ का भी आयोजन किया गया । पाली जिले द्वारा एक दिन का भ्रमण विभिन्न शिवालयो में किया गया । जोधपुर जिले में माहेश्वरी महिला सेवा ट्रस्ट से जरूरतमंद माहेश्वरी बहनों को रोजगार हेतु सहायता दिलवाई गई । ग्रामीण विद्यालय में छात्र हित हेतु 6500 की राशि भेंट की गई ।

अध्यक्ष-मनीषा मूंदड़ा ※ सचिव-रीटा बाहेती

दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

शिखर संगम कार्यक्रम, आत्म रक्षा कार्यशाला, युवक युवती परिचय सम्मेलन, डॉक्टर डे, चार्टर्ड अकाउंटेंट डे के उपलक्ष्य में सेमिनार आयोजित

दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा राष्ट्रीय पदाधिकारी के आगमन की बेला में ''शिखर संगम'' कार्यक्रम का आगाज भीलवाड़ा मे राम स्नेही वाटिका के अंतर्गत महिला बैंड के घोषवादन के साथ किया गया। सभी अतिथियों का मेवाड़ी पगड़ी पहनकर स्मृति चिन्ह के साथ स्वागत किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजु जी बांगड़, राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति जी राठी तथा कोषाध्यक्ष किरण जी लड्ढा, निवृत्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष शोभा जी सादानी, पश्चिमांचल संयुक्त मंत्री शिखाजी भदादा ,कुनतल जी व सभी पधारे हुए अधिकारियों का स्वागत प्रदेश अध्यक्ष सीमा जी कोगटा ने शब्द सुमन के द्वारा भाव भीना सुंदर स्वागत सत्कार किया।

प्रदेश प्रोजेक्ट में शिक्षा हेतु तीन छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। आत्म रक्षा कार्यशाला का उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजु जी द्वारा किया गया। कन्यादान का प्रोजेक्ट मेडिकल बैंक का विस्तार एक व्हीलचेयर और पलंग दिया गया सेवाश्रम स्कूल के बच्चों के लिए भोजन की प्लेट दी गई। चित्तौड़गढ़ जिले में युवक युवती परिचय सम्मेलन किया गया जिसमें 200 से अधिक युवक व युवतियों ने भाग लिया। उदयपुर में डॉक्टर डे ,चार्टर्ड चार्टर्ड अकाउंटेंट डे उपलक्ष्य में एक सेमिनार का आयोजन किया गया। डॉक्टर द्वारा तनाव व निराशा की जिंदगी में सुकून कैसे पाए पर वार्ता रखी गई। राजसमंद जिले में केलवाड़ा गांव में स्कूल के बच्चों से 5-5 पौधे लगवाए तथा शपथ दिलवाई कि प्रत्येक सदस्य के जन्म दिवस पर पौधा लगाकर पर्यावरण का संवर्धन करेंगे।

प्र.अध्यक्ष-सीमा कोगटा * प्र.सचिव-

उत्तरी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

मातृ शक्ति को एक सशक्त मंच प्रदान करना

अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत साहित्य समिति के राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता हर सीट हाट सीट 2 एकल प्रश्न प्रतियोगिता में प्रथम सिमरन लोहिया व प्रश्न 3 में आरती सारड़ा प्रथम विजेता रहे । गंगानगर जिले में सामाजिक समरसता को बढ़ाने और समस्त मातृ शक्ति को एक सशक्त मंच प्रदान करना जिला संगठन द्वारा उमंग का भव्य आयोजन किया गया। आत्मरक्षा महा अभियान में सभी जिलों द्वारा पांच स्कूलों में यह कार्यक्रम किया गया। सभी त्योहारों का सभी जन्माष्टमी तीज पिकनिक का आयोजन बड़ी धूमधाम से सभी जिलों में किया गया।

प्र.अध्यक्ष-निशा झंवर

श्रद्धा-सुमन

पश्चिमांचल प्रादेशिक महिला संगठन

बैकुंठवासी श्रीमती अनु बाहेती (पूर्व अध्यक्ष)

(सत्र 2009- 2012)

जन्म दिनांक 15/09/1957 * बैकुंठवास 26/08/2025

श्रीमती अनुपमाजी बाहेती ने माहेश्वरी महिला संगठन महू की अध्यक्ष का पदभार सफलतापूर्वक निभाया। पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक महिला संगठन के अध्यक्ष पद को सुशोभित किया एवं अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन में कार्यकारी मण्डल, कार्यसमिति सदस्य के साथ राष्ट्रीय समिति में सहप्रभारी का दायित्व निभाते हुए कलकत्ता में आयोजित ''उर्जिता'' कार्यक्रम में सहभागिता दर्शाई। आप एक आध्यात्मिक प्रवृत्ति की सक्रिय व कर्मठ सेवाभावी महिला थी। प्रभु से प्रार्थना है, दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे। राष्ट्रीय संगठन की ओर से श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं।

प्राथमिक चिकित्सा जीवन का एक अभिन्न अंग है

प्राथमिक चिकित्सा जीवन का एक अभिन्न अंग है। जीवन में कोई क्षति होने पर, डॉक्टर के पास पहुंचने से पहले घर में क्या करें, जिससे जीवन बच जाए और चोट का नासूर ना बने। छोटी-छोटी बातों का ख्याल रख कर हम सभी यह कर सकते हैं। इसके बाद डॉक्टर को जरूर दिखाएं। प्रस्तुत है कुछ जीवन उपयोगी टिप्स... -कुंतल तोष्णीवाल

जहरीले पौधे को छुआ है

तो जगह को धोओ, ओट मील लगाएं। बेकिंग सोडा भी लगा सकते हैं। कैलेमाइन लोशन लगाएं।

मोच या लचक

हाथ या पैर में आए तो उसे ज्यादा हिलाए नहीं। आराम करवाएं। बर्फ लगाएं। उस जगह को तकिए पर रखें और आइबुप्रोफेन दें, जिससे दर्द में राहत मिलेगी।

केमिकल से जलना

कोई एसिड गिरा है तो 20 मिनट उसे पानी की नीचे रखें। कपड़े व गहने निकालें। बेकिंग सोड़ा लगाएं। आँख में केमिकल गिरा है तो आँख को पानी से धोएं।

डूबना

किसी डूबे हुए व्यक्ति को बाहर निकालने के बाद समतल जगह पर लिटाएं। सिर को साइड में रखें। सांस को चेक करें, पल्स चेक करें और जरूरत हो तो सीपीआर या रेस्पिरेशन दें। दो उंगलियों को छाती पर रखें और प्रेशर दें। सिर को सीधा करके ठोड़ी ऊपर की तरफ रखें और जोर-जोर से साँस मुंह में डालें। 30 बार पुनः प्रेशर से छाती को दबाएं। इस प्रेशर की स्पीड 100 से 120 बार प्रति मिनिट होनी चाहिए। व्यक्ति को पुनः सांस आनी चाहिए।

एल्टीट्यूड सिकनेस

ऊंचाई पर जाने से बीमार पड़ना। इसमें सिर दर्द, थकान, अनिद्रा, डिजीनेस, जी घबराना, सांस लेने में तकलीफ होना आदि हो सकते हैं। ऊंचाई से नीचे लाइए। उनको आराम करवाएं। ऑक्सीजन दें। एस्प्रिन, आइबुप्रोफेन जैसी दवाई दे सकते हैं। नींद की गोली न दें।

हाई शुगर या हाइपरग्लिसेमिया

बार-बार भूख लगती है, ज्यादा प्यास लगती है। पेशाब बहुत बार जाना पड़ता है, आँखों के आगे धुंधलापन छाता है और थकान बनी रहती है। वजन कम होता है। कोई चोट लगती है तो घाव बहुत धीरे-धीरे ठीक होता है। मुँह में सूखापन महसूस होता है और चमड़ी पर सूखापन महसूस होता है तो यह संभावना हो सकती है कि आपको डायबिटीज या हाई ब्लड शुगर की शुरुआत हुई है। डॉक्टर को दिखाकर उस हिसाब से इलाज प्राप्त करें। कितनी बार लक्षण ना पहचानने की वजह से मधुमेह के मरीज बहुत समय तक नहीं पहचाने जाते उससे शरीर को बहुत नुकसान हो सकता है।

लो ब्लड शुगर

इसमें पसीना आता है। थकान, डिजीनेस या धुन्धलापन रहता है। हार्ट रेट तेज हो जाती है। दिमाग में कुछ साफ नहीं सूझता है या कन्फ्यूजन रहता है। कई बार कन्वॉल्यूशंस हो सकते हैं या इंसान बेहोश भी हो सकता है। बड़े लोग जब दवाई ले लेते हैं और खाना नहींखाते हैं तो उन्हें बहुदा यह दिक्कत देखने में आती है. कई बार इंसुलिन ओवरडोज से भी या ओवर एक्सरसाइज से भी शुगर लेवल नीचे आ सकता है। शकर का पानी पिलाएं या कोई शरबत पिलाएं। ध्यान रहे कि लो ब्लड शुगर से जान जाने का भी चांस हो सकता है इसलिए इस स्थिति में हमेशा मरीज का ज्यादा ध्यान रखें। उन्हें भोजन बराबर मिलना चाहिए। कोई भी दवाई देने से पहले डायबिटिक इंसान का ब्लड शुगर चेक करें। यह 72 से नीचे नहीं जाना चाहिए। रक्त शर्करा अत्यधिक कम होने पर जान को खतरा हो सकता है।

त्यौहारों पर लें व्यंजनों के चटकारे

इस दीपावली पर चटपटे नाश्ते के मेन्यू में पापड़ रोल्स, ब्रेड पार्सल और इडली का मंचूरियन लेकर आए हैं। वहीं इस मौसम को ध्यान में रखकर रात के खाने में कॉर्न पनीर बिरयानी की रेसिपी भी है, जो झटपट तैयार हो जाएगी तो आइये बनाइये और खाइये खिलाइये-

कॉर्न पनीर बिरयानी

क्या चाहिए-चावल-200 ग्राम, तेल-1 बड़ा चम्मच, नमक-1 छोटा चम्मच, दालचीनी-1, तेजपत्ता-1, इलायची-1, लौंग-2, काली मिर्च-2।

ग्रेवी के लिए : तेल-2 बड़े चम्मच, जीरा-1 छोटा चम्मच, सौंफ-1 छोटा चम्मच, इलायची-1, तेजपत्ता-1, बड़ी इलायची-1, दालचीनी-1, प्याज-1 कप, टमाटर 1/2 कप, हरी मिर्च-1, अदरक व लहसुन पेस्ट-1 बड़ा चम्मच, धनिया पाउडर-1 बड़ा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर-2 छोटे चम्मच, हल्दी पाउडर-छोटा चम्मच, दही 1/4 कप, पानी 1/2 कप।

अन्य सामग्री : तेल-1 बड़ा चम्मच, स्वीट कॉर्न-कप, पनीर-100 ग्राम (टुकड़े) तले हुए प्याज, थोड़ा-सा हरा धनिया, केसर दूध-1 बड़ा चम्मच।

ऐसे बनाएं-चावल को 30 मिनिट के लिए पानी में भिगोकर रख दें। एक बर्तन में उबलते पानी में चावल, साबूत मसाले, नमक और तेल डालें। चावल 70 फीसदी तक पकाएं। अब ग्रेवी बनाने के लिए पैन में तेल गर्म करें और सभी साबूत मसाले, प्याज, टमाटर, अदरक-लहसुन पेस्ट, हरी मिर्च, दही, सूखे मसाले, पानी डालें और 2 मिनट तक पकाएं। मसाले को ठंडा करके पीसकर पेस्ट बना लें। अब पैन में तेल गर्म करें और उसमें स्वीट कॉर्न, पनीर डालकर 1 मिनट तक पकाएं। तैयार बिरयानी पेस्ट डालें और 2 मिनट तक चलाते हुए पकाएं। इसमें आधा कप पानी डालें और ढंककर 2 मिनट तक पकाएं। जब ग्रेवी पक जाए तो इसके ऊपर चावल की परत बिछाएं। इसके बाद हरा धनिया, केसर दूध, तला हुआ प्याज, कुछ तले हुए पनीर के टुकड़े और कॉर्न डालें। इसे ढंककर 7 मिनट तक पकाएं।

इडली मंचूरियन

क्या चाहिए : इटली बैटर-1 कप, तेल-2 बड़े चम्मच, बारीक कटा लहसुन-1 छोटा चम्मच, बारीक कटी अदरक-1/2 छोटा चम्मच, हरी मिर्च-2 कटी हुई, कटी सब्जियां (प्याज, शिमला मिर्च, गाजर)-1/2 कप, सोया सॉस-1 छोटा चम्मच, सिरका-1 छोटा चम्मच, रेड चिली सॉस-1 बड़ा चम्मच, कैचप-1 बड़ा चम्मच, पानी-1/4 कप।

ऐसे बनाएं : इडली बैटर से छोटी-छोटी इडलियां बना लें। ठंडा होने पर इडलियों को तल लें। पैन में तेल गर्म करके अदरक, लहसुन, मिर्च और सब्जियां डालकर भूनें। अब सोया सॉस, सिरका, कैचप, रेड चिली सॉस, पानी डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। तली हुई इडलियां मिलाएं। अगर छोटी इडली का सांचा नहीं है तो सामान्य आकार की इडली को काटकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

पापड़ सिगार रोल

क्या चाहिए : पापड़-4, चीज स्लाइस-2, पानी।

ऐसे बनाएं : पापड़ को पानी में डूबोएं। अब इस पर एक छोटी चीज स्लाइस रखें और पापड़ को रोल करें।

रोल्स को 200 डिग्री पर 6-8 मिनट के लिए एयर फ्राई करें। इन्हें आप बेक भी कर सकती हैं। रोल्स को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटें और तैयार पापड़ सिगार रोल्स को चटनी, सॉस या डिप के साथ परोसें।

वेज जिंगी पार्सल

क्या चाहिए : प्याज-1/4 कप, टमाटर 1/4 कप, शिमला मिर्च-1/4 कप, स्वीट कॉर्न-2 बड़े चम्मच, मेयोनीज-2 बड़े चम्मच, कैचप-1 बड़ा चम्मच, पिज्जा पास्ता सॉस-2 बड़े चम्मच, ऑरैगेनो-1 छोटा चम्मच, कुटी लाल मिर्च (चिली फ्लेक्स)-1 छोटा चम्मच, नमक-1/4 छोटा चम्मच, प्रोसेस्ड चीज-1/4 कप, मोजेरेला चीज-4 बड़े चम्मच, ब्रेड-6, मक्खन आवश्यकतानुसार।

ऐसे बनाएं : ब्रेड और मक्खन को छोड़कर बोल में सारी सामग्री मिलाएं। बेलन से ब्रेड को बेलकर चपटा करें। एक चम्मच मिश्रण को ब्रेड पर बीच में रखें। कुछ मोजेरेला चीज के टुकड़े रख दें। अब टूथपिक से किनारों को बंद करें। ऊपर से मक्खन लगाएं और 200 डिग्री पर 6-8 मिनट के लिए एयर फ्राई या बेक करें।

ओट्स पेनकेक

क्या चाहिए : ओट्स-1 कप उबले हुए, बेसन-2 बड़े चम्मच, कटी हुई ब्रेंच बीन्स-1/2 कप, मटर, पुदीने की पत्तियां और हरा धनिया थोड़ा-थोड़ा, कटा हुआ प्याज-1 छोटा चम्मच, कटी हुई हरी मिर्च-1 छोटा चम्मच, नमक-स्वादानुसार, लाल मिर्च पाउडर-थोड़ा सा।

ऐसे बनाएं : हरा धनिया और पुदीने की पत्तियों को बारीक काट लें। एक बोल में ओट्स, बेसन समेत सारी सामग्री डालें। थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए घोल को अच्छी तरह से मिलाएं। पैन को मध्यम आंच पर गर्म करें और घोल से छोटे-छोटे पेन केक बनाएं। इसके बाद इन्हें दोनों तरफ से मक्ख लगाते हुए सेकें। इन्हें चटनी या सॉस के साथ परोसें।

चॉकलेट मूसली बार्स

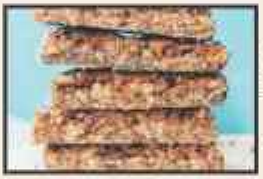

क्या चाहिए : चॉकलेट के टुकड़े-1 कप, मक्खन-1 बड़ा चम्मच, शहद-3 बड़े चम्मच, मूसली-1/2 कप।

ऐसे बनाएं : चॉकलेट को डबल बोल की मदद से पिघला लें। शहद और मक्खन भी पिघला लें। अब चॉकलेट, मक्खन, शहद और मूसली को अच्छी तरह मिलाएं। एक प्लेट को मक्खन लगाकर चिकना करें। इस पर मूसली और चॉकलेट का मिश्रण फैलाएं। ठंडा करके काटे व खिलाएं।

पोहा टिक्की

क्या चाहिए : पोहा-1 कप, दही-1/2 कप, कीसी हुई लौकी-1/2 कप, कीसी हुई गाजर-1/2 कप, हरी मटर-1/4 कप (वैकल्पिक), अदरक और हरी मिर्च का पेस्ट-1 छोटा चम्मच, शक्कर-1 छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर-1/4 छोटा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर-1/2 छोटा चम्मच, बेसन-5 बड़े चम्मच, नमक-स्वादानुसार।

ऐसे बनाएं : पोहे को दो-तीन बार धोकर पानी निथारकर एकदम सूखा लें। दही को आधा कप पानी में अच्छी तरह से मिला लें। अब पोहा और अन्य मुख्य सामग्री को मिलाएं। तड़के के लिए तेल गर्म करके राई तड़काएं। तिल और हींग डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकंड भून लें। तड़के को पोहे के मिश्रण में मिला लें। गर्म तेल में घोल से टिक्कियां तल लें। सॉस या चटनी के साथ रखें।

दीपावली एवं नूतन वर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

प्रेरणा मंत्री
प्रचार प्रसार

कमला मूंदड़ा
कार्यसमिति सदस्य

नीलम मूंदड़ा
कार्यसमिति सदस्य

अरुणा मोदी
कार्यसमिति सदस्य

उषा बंग
कार्यसमिति सदस्य

गीता शारदा
कार्यसमिति सदस्य

रचना जेथलिया
कार्यसमिति सदस्य

पुष्पा चांडक
कार्यसमिति सदस्य

छाया राठी
कार्यसमिति सदस्य

मधु मूंदड़ा
कार्यसमिति सदस्य

वीणा मूंदड़ा
कार्यसमिति सदस्य

डॉ. पुष्पा सारडा
कार्यसमिति सदस्य

शांति कासट
कार्यसमिति सदस्य

सुनीता बिड़ला
कार्यसमिति सदस्य

नेहा राठी
कार्यसमिति सदस्य

संजू सोनी
कार्यसमिति सदस्य

प्रमिला वैद्य
कार्यसमिति सदस्य

रेणु मोदी
कार्यकारिणी सदस्य

सुधा फोफलिया
कार्यसमिति सदस्य

दीपावली एवं नूतन वर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

मनीषा मूंदड़ा
अध्यक्ष

उर्मिला तापड़िया
राष्ट्रीय कार्यसमिति

रीटा बाहेती
सचिव

रीना राठी
आंचलिक प्रभारी उपाध्यक्ष

रामेश्वरी भूतड़ा
निवृत्तमान अध्यक्ष

सपना बजाज
कोषाध्यक्ष

सुशीला बजाज
संगठन मंत्री

प्रेमलता मानधना
उपाध्यक्ष

सरला राठी
उपाध्यक्ष

सुनीता डागा
संयुक्त मंत्री

मीना साबू
संयुक्त मंत्री

स्वाति मानधना
संयुक्त मंत्री

पत्रिका पंजीयन क्र./2001/6505
दिनांक 29/04/2002
पोस्ट पंजीयन क्र. 536

पोस्ट दिनांक

प्रेषक :
माहेश्वरी महिला
22/15, यशवंत निवास रोड
इन्दौर (म.प्र.) मो. 9329211011

प्रकाशक एवं व्यवस्थापक–श्रीमती सुशीला काबरा, माहेश्वरी महिला समिति 22/15 यशवंत निवास रोड, इन्दौर से प्रकाशित एवं अप्सरा फाईन आर्ट प्रिंटर्स, 89, एम.जी. रोड, इन्दौर 2434147 से मुद्रित।